आयोग की पूर्ण पीठ के सामने टीएमसी का दावा- खून से सने हैं सीईसी के हाथ - 7

केंद्र का राजकोषीय घाटा 52.6 प्रतिशत पर सीजीए ने जारी किए आंकड़े - 10

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत संतुलन व जिम्मेदारी की आवाज - 11

भारतीय टीम को अब सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा - 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष नवमी 11:15 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 29 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 300, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश का निधन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और तीन बार लोकसभा सदस्य रहे

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय कोयला राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार देर शाम दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री जायसवाल 1989 में कांग्रेस से कानपुर के महापौर बने थे। तब सभासद मेयर का चुनाव करते थे। 1999, 2004, 2009 में वे कांग्रेस से कानपुर के सांसद रहे। 2014 के लोकसभा के चुनाव में भाजपा के डॉ. मुरली मनोहर जोशी से वे हार गए थे। 2019 में उन्हें भाजपा के सत्यदेव पचौरी ने हराया था। 4 दिसंबर 2000 को सलमान खुर्शीद के स्थान पर उन्हें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। वे 2002 तक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहे। मई 2004 में मनमोहन सिंह सरकार में उन्हें केंद्रीय गृहराज्य मंत्री बनाया गया था। 2009 में उन्हें कोयला राज्यमंत्री का पदभार दिया गया। 2014 तक वे इस पद पर रहे। इधर उन्होंने पिछले तीन वर्षों से स्वास्थ्य कारणों से राजनीति से दूरी बना रखी थी। शुक्रवार की शाम अचानक उनकी तबियत खराब हुई तो परिजन पहले भार्गव नर्सिंग होम ले गए, जहां से उनको हृदय रोग संस्थान के लिए रेफर कर दिया गया। हृदय रोग संस्थान में रात 7.50 बजे डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हृदय रोग संस्थान के निदेशक डॉ राकेश वर्मा ने बताया कि उन्हें जब अस्पताल लाया गया तब उनकी मृत्यु हो चुकी थी। उनके परिवार में दो बेटे सिद्धार्थ और गौरव हैं और एक बेटी की शादी हो चुकी है। उनके दो भाई रवींद्र और प्रमोद हैं। उनके निधन से शहर में शोक की लहर दौड़ गई और सभी दलों के नेताओं ने शोक जताया। मुख्यमंत्री योगी ने शोक जताते हुए कहा कि श्रीप्रकाश जायसवाल का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

नया भारत रक्षा करने से न पीछे हटता, न हिचकिचाता

उडुपी (कर्नाटक), एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने उडुपी में 14वीं-15वीं शताब्दी के संत-दार्शनिक कनकदास को पुष्पांजलि अर्पित की
- कहा- शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत आवश्यक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पिछली सरकारें आतंकी हमले के बाद प्रतिक्रिया देने में भले ही हिचकिचाती रही हों, लेकिन नया भारत अपने लोगों की रक्षा करने से न तो पीछे हटता है है और न ही हिचकिचाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल मंत्र सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखना है, साथ ही धर्म की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है।

कर्नाटक के उडुपी में लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, पिछली सरकारें आतंकी हमलों के बाद हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती थीं। मोदी यहां लक्ष कंठ गीता पारायण में भाग लेने आए थे, जहां एक लाख लोगों ने श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया। यह कार्यक्रम उडुपी में स्थित श्री कृष्ण मठ ने आयोजित किया था। मोदी ने कहा, गीता हमें शांति और सत्य के लिए प्रयास करने और अत्याचार करने वालों को कुचलने की शिक्षा देती है। हम वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करते हैं और धर्मो रक्षति रक्षितः का जाप भी करते हैं।

कर्नाटक के उडुपी में श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ करते प्रधानमंत्री मोदी व अन्य।

जनता को दिलाए नौ संकल्प

मोदी ने जनता को नौ संकल्प दिलाए जिनमें- जल संरक्षण, देश में एक पेड़ मां के नाम, एक गरीब का जीवन सुधारने का प्रयास और स्वदेशी, पांचवां संकल्प प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, छठा स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, सातवां योग को जीवन का हिस्सा बनाना, आठवां पांडुलिपियों के संरक्षण में सहयोग और नौवां देश के 25 ऐसे स्थानों का दर्शन करना है।

गोवा में भगवान श्रीराम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

पणजी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा है और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का व्यापक जीर्णोद्धार और उज्जैन में महाकाल महालोक का विस्तार देश की 'चेतना' को दर्शाते हैं। श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ के 550 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोहों के तहत गोवा में भगवान राम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करने के बाद मोदी जनसभा को संबोधित किया। गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

ब्रीफ न्यूज

रूसी राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर को भारत आएंगे

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति पुतिन प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्षिक शिखर वार्ता के लिए चार दिसंबर से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं। इस शिखर वार्ता से द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण परिणाम मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पुतिन का स्वागत करेंगी।

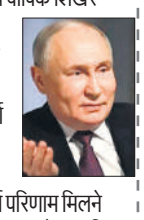

आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में आजम बरी

रामपुर। पूर्व सांसद और सपा नेता अमर सिंह और उनके परिजनों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आजम खां को कोर्ट से राहत मिली है। शुक्रवार दोपहर बाद आजम खां वीसी के जरिए कोर्ट में पेश हुए। जहां कोर्ट ने उन्हें साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल तैनात रहा। लखनऊ के गोमती नगर थाने में सपा नेता अमर सिंह ने 17 अक्टूबर 2018 में पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम के खिलाफ दर्ज कराए केस में आरोप लगाया था कि आजम ने जौहर विवि में उन्हें, दो बेटियों सहित पूरे परिवार पर आपत्ति जनक टिप्पणी करते हुए बहू-बेटियों को तेजाब से जलाने की धमकी दी थी।

विश्वास वहीं टिकता जहां मन शांत और भावनाएं होती शुद्ध : राष्ट्रपति

लखनऊ में प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विवि में आयोजित कार्यक्रम में बोलीं राष्ट्रपति

- कहा, सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत और भावनाएं शुद्ध होती हैं। सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला है। शुक्रवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के लखनऊ में आयोजित विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान (योग) विषयक राज्य स्तरीय समारोह की शुरुआत करते हुए राष्ट्रपति ने राजयोग के जरिए आध्यात्मिक चेतना के विकास पर बल दिया।

राष्ट्रपति ने इस दौरान अपने विचारों को स्पष्ट करते हुए कहा कि हर मनुष्य चाहता है कि वह दूसरों पर विश्वास करे। लेकिन विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत, विचार स्वस्थ और भावनाएं शुद्ध हों। उन्होंने कहा कि जब हम कुछ क्षण रुककर स्वयं से संवाद करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि शांति और आनंद किसी बाहरी वस्तु में नहीं, बल्कि हमारे भीतर है। जब आत्मिक चेतना जागृत होती है तो प्रेम, भाईचारा, करुणा और एकता स्वतः जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने ओम शांति के संबोधन से वक्तव्य की शुरुआत की। कहा, भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति ने सदैव वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश विश्व को दिया है। जिसका भाव यह है कि पूरा विश्व एक परिवार है। आज का मनुष्य के पास आगे बढ़ने के अनेक अवसर हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी व संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के दौर में मेडिटेशन जरूरी : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि तनाव और मूल्यहीनता के इस दौर में राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति को आत्मदर्शन, आत्म-शुद्धि और आत्म-विकास के मार्ग पर ले जाकर उसे नकारात्मकता, भय और भ्रम से मुक्त करता है। ध्यान की अवस्था में उत्पन्न सकारात्मक ऊर्जा न केवल व्यक्ति के विचारों, भावनाओं और व्यवहार को परिवर्तित करती है, बल्कि वातावरण और समाज पर भी स्थायी प्रभाव छोड़ती है।

भारत राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद मान कर रहा जंग : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम में अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि दुनिया में आज जो आतंकवाद, उपद्रव व अराजकता है, इसके पीछे मन की चंचल वृत्तियां हैं। जहां भी अराजकता देखने को मिलती है, उसके पीछे वह बहुर्मुखी वृत्तियां हैं, जो उसे नकारात्मकता की तरफ लेकर जाती है। जीवन का एक पक्ष सकारात्मकता की तरफ ले जाकर अच्छे कार्य की प्रेरणा देता है तो दूसरा पक्ष नकारात्मकता की तरफ लेकर जाता है। भारत की परंपरा ने राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद के रूप में माना है और भौतिक-आध्यात्मिक रूप से उसके खिलाफ लड़ाई भी लड़ रहा है।

मासिक धर्म का सबूत मांगने को लेकर दायर याचिका पर केंद्र व अन्य को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब कहा, यह मानसिकता को दर्शाता है
- याचिका पर अगली सुनवाई 15 दिसंबर को निर्धारित

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा जिसमें आरोप लगाया गया है कि हरियाणा में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में महिला सफाई कर्मचारियों को अपने निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा गया था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने केंद्र तथा अन्य को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, यह मानसिकता को दर्शाता है। कर्नाटक में वे मासिक धर्म के लिए छुट्टी दे रहे हैं। इसे पढ़ने के बाद मैंने सोचा कि क्या वे छुट्टी देने के लिए सबूत मांगेंगे। उन्होंने कहा, यह लोगों की मानसिकता को दर्शाता है। यदि उनकी अनुपस्थिति के कारण कोई भारी काम नहीं किया जा सका तो किसी और को तैनात किया जा सकता था। हमें उम्मीद है कि इस याचिका से कुछ अच्छा होगा। सुनवाई के दौरान 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) के अध्यक्ष और वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा कि यह एक गंभीर आपराधिक मामला है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। याचिका पर अब अगली सुनवाई के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की गयी है।

एमडीयू का है मामला

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) से जुड़े तीन लोगों पर 31 अक्टूबर को यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। महिला सफाई कर्मचारियों से उनके निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है। विश्वविद्यालय ने में कहा था कि उसने दो पर्यवेक्षकों को निलंबित कर दिया है, जिन्हें हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से अनुबंध पर नियुक्त किया था और घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

सूर्यघर योजना में यूपी ने रचा इतिहास, 2.90 लाख घर सौर बिजली से रोशन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

- 27 नवंबर को एक गीगावाट यानि 1000 मेगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता का लक्ष्य पूरा
- रूफटॉप सोलर में यूपी बना मॉडल स्टेट, रिकॉर्ड क्षमता के साथ रोजगार को भी नई उड़ान

अमृत विचारः बिजली की दरों में बढोत्तरी न किए जाने और उदार बिजली बिल राहत योजना लागू किए जाने के बीच उत्तर प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश ने 27 नवंबर को एक गीगावाट अर्थात 1000 मेगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता का लक्ष्य पूरा कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ प्रदेश में अब तक 2.90 लाख घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्रों की सफल स्थापना की जा चुकी है। इससे न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूती मिली है बल्कि लगभग चार हजार एकड़ भूमि की भी बचत हुई है, जिसका उपयोग अब अन्य विकास और जनहित कार्यों में किया जा सकेगा।

दरअसल, यूपी में स्थापित सोलर संयंत्रों पर उपभोक्ताओं को भारत सरकार की ओर से लगभग दो हजार करोड़ रुपये और राज्य सरकार की ओर से 600 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। इस आर्थिक सहायता से आम परिवारों के लिए सौर ऊर्जा अपनाना आसान हुआ है और बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिल में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। कई घरों में दिन के समय बिजली बिल लगभग शून्य तक पहुंच गया है और अतिरिक्त उत्पादन को ग्रिड में देकर उपभोक्ताओं को राजस्व क्रेडिट का लाभ भी मिल रहा है। ऊर्जा विभाग के अनुसार प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक नियमित समीक्षा, ऑनलाइन आवेदन की सरल व्यवस्था, समयबद्ध कनेक्शन और सब्सिडी के त्वरित भुगतान पर विशेष ध्यान दिया गया। इसी सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली से कम समय में इतनी बड़ी रूफटॉप सोलर क्षमता हासिल करना संभव हो सका।

> योजना हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है। उत्तर प्रदेश को देश का सबसे बड़ा घरेलू सौर ऊर्जा उत्पादक राज्य बनाने की दिशा में तेज गति से कार्य जारी है। - **एके शर्मा, ऊर्जा मंत्री**

हरिद्वार कुंभ : 3 शाही अमृत स्नान सहित 10 तिथियां घोषित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री धामी बोले- दिव्य-भव्य और सुरक्षित होगा 2027 कुंभ

अमृत विचारः हरिद्वार में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाला कुंभ दिव्य, भव्य और सुरक्षित होगा। इस ऐतिहासिक महापर्व के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को हरिद्वार में गंगा किनारे सभी 13 अखाड़ों के आचार्यों एवं संतों के साथ बैठक कर सुझावों के साथ ही मार्गदर्शन प्राप्त किया।

बैठक में कुंभ स्नान के साथ ही अमृत स्नान और महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा भी की गई। 14 जनवरी, 2027 को मकर संक्रांति से कुंभ शुरू होगा। पहला शाही स्नान छह मार्च को महाशिवरात्रि पर, तीसरा 14 अप्रैल चैत्र पूर्णिमा को होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देवभूमि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया है। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सरकार कुंभ 2027 को भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

दो विशेष तिथियां
- 07 अप्रैल - नव संवत्सर (नव वर्ष)
- 15 अप्रैल - श्रीराम नवमी

शाही अमृत स्नान
- 06 मार्च - महाशिवरात्रि
- 08 मार्च - सोमवती अमावस्या
- 14 अप्रैल - मेष संक्रांति

मुख्य पर्व स्नान
- 14 जनवरी - मकर संक्रांति
- 06 फरवरी - मौनी अमावस्या
- 11 फरवरी - बसंत पंचमी
- 20 फरवरी - माघ पूर्णिमा
- 20 अप्रैल - चैत्र पूर्णिमा

भारत की जीडीपी ने भरी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि अनुमान से अधिक रही जिसमें जीएसटी दरों में कटौती से खपत बढ़ने की उम्मीद की अहम भूमिका है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जारी आंकड़ों से पता चलता है कि कारखाना उत्पादन में तेजी और सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन ने कृषि क्षेत्र की सुस्ती को निष्प्रभावी कर दिया। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 5.6 प्रतिशत थी। इस साल की अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी। जुलाई-सितंबर तिमाही की यह वृद्धि दर पिछली छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। इससे पहले उच्चतम वृद्धि 8.4 प्रतिशत थी, जो 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में दर्ज की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता को बताती है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2% की जीडीपी वृद्धि दर बहुत उत्साहजनक है। यह हमारी वृद्धि-समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है।

गैंगरेप और तेजाब हमले की पीड़िता ने दम तोड़ा

लखनऊ। हमीरपुर में गैंगरेप के बाद आरोपियों द्वारा तेजाब पिलाने से गंभीर हुई किशोरी ने केजीएमयू में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। किशोरी 23 नवंबर से यहां भर्ती थी। किशोरी 28 अक्टूबर की रात घर पर सो रही थी। आरोप है कि घर मे घुसे तीन आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध पर उसे तेजाब पिला दिया था। किशोरी 12 दिनों तक मेडिकल कॉलेज झांसी में भर्ती रही, लेकिन उसे आराम नहीं मिला। जिसके बाद उसे कानपुर के हैलेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालात गंभीर होने पर 23 नवंबर को एसजीपीजीआई रेफर किया गया। जहां से परिजन उसे केजीएमयू ले आए थे। केजीएमयू में उसका इलाज शुरू हुआ। केजीएमयू प्रशासन के मुताबिक किशोरी को लगातार ब्लीडिंग हो रही थी, इससे उसका हीमोग्लोबिन स्तर गिर गया था। गुरुवार रात किशोरी की मौत हो गई।

खगोल विज्ञान | यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की घोषणा, निरंतर निगरानी में क्षुद्रग्रह, भविष्य में कुछ बन सकते हैं पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा

क्षुद्रग्रहों के रूप में 40 हजार खतरे मंडरा रहे पृथ्वी के पास

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः खगोलविदों ने पृथ्वी के चारों ओर मंडराते 40 हजार से अधिक क्षुद्रग्रहों की खोज कर ली है। बड़े स्तर पर पृथ्वी के नजदीक घूम रहे ये क्षुद्रग्रह धरती के लिए बड़ा खतरा हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने अभी तक खोजे गए इन पिंडों की घोषणा करते हुए कहा कि इनसे निकट भविष्य में तो नहीं लेकिन भविष्य में कुछ क्षुद्रग्रह पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

क्षुद्रग्रहों की अनदेखी कतई नहीं की जा सकती है। अतीत में दिए इनके घावों को भुलाया नहीं जा सकता है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक, वर्तमान में नासा समेत दुनिया की कई दूरबीनों से इनकी निरंतर निगरानी की जा रही है। क्षुद्रग्रह अंतरिक्ष की चट्टानें हैं, जिनका आकार कुछ मीटर से लेकर कई किलोमीटर तक होता हैं।

इनकी कक्षाएं कुछ ऐसी होती हैं, जो उन्हें पृथ्वी के नजदीक ले लाती हैं और पृथ्वी से टकराने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। पृथ्वी के निकट घूमते इन क्षुद्रग्रहों की उत्पत्ति पृथ्वी के जन्म के साथ ही हुई है जिनकी उम्र भी पृथ्वी के बराबर यानी चार अरब साल मानी जाती है। ये सौर मंडल के निर्माण से बचा हुआ चट्टानी अवशेष है जिनमें अधिकांश मंगल और बृहस्पति के बीच सूर्य की परिक्रमा करते हैं। निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह उन्हें कहा जाता है, जिसकी कक्षा पृथ्वी की कक्षा के करीब 45 मिलियन किमी के भीतर लाती है। ये दूरी बेहद खतरनाक मानी जाती है, जिसके चलते इनके पृथ्वी से टकराने का खतरा बढ़ जाता है।

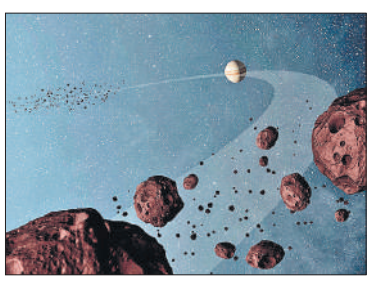

अंतरिक्ष में विचरते क्षुद्रग्रहों की तस्वीर।

1898 में पहले क्षुद्रग्रह 'इरोस' की खोज

खगोलविदों ने वर्ष 1898 में पहले क्षुद्रग्रह इरोस की खोज की थी। इनकी भयावहता की गंभीरता को समझते हुए खगोल वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के चारों ओर नजर रखनी शुरू की। समय के साथ तकनीक व आधुनिक दूरबीनों की सुविधाएं बढ़ने से इनकी खोज वर्ष 1990 में अधिक होने लगी। करीब तीन दशक में सर्वाधिक 10 हजार से ज्यादा क्षुद्रग्रहों को खोजा गया और अभी तक 40 हजार से अधिक क्षुद्रग्रहों को खोजा जा सका है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव के अनुसार, इसमें दोराय नहीं कि पृथ्वी के पास घूमते क्षुद्रग्रहों की संख्या हजारों में जा पहुंची है, जो धरती के लिए बड़े खतरे हैं। इन पर सतत निगरानी रखे जाने की जरूरत है।

न्यूज ब्रीफ

महर्षि वाल्मीकि मंदिर का होगा विस्तार

अमृत विचार, लखनऊ : इटावा के बड़पुरा क्षेत्र स्थित प्राचीन महर्षि वाल्मीकि मंदिर को पर्यटन विभाग धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 70 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि से जुड़ी इस तपोभूमि का विकास सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना के तहत पर्यटन विभाग द्वारा मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, पेयजल सुविधा, सूचना केंद्र और अन्य आधारभूत व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाएगा।

बांध और जलाशय बनेंगे पर्यटन केंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए नई पहल शुरू की गई है। इसके तहत यूपी इको टूरिज्म बोर्ड और सिंचाई विभाग के सहयोग से प्रदेश के प्रमुख बांधों और जलाशयों पर एडवेंचर और वॉटर स्पोर्ट्स आधारित पर्यटन सुविधाओं का विकास प्रस्तावित है। इस योजना से पर्यटन अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। योजना के तहत झांसी की गढ़मऊ झील, बांदा का नवाब टैंक, महोबा का अर्जुन डैम, सोनभद्र का ढंढरौल डैम, हमीरपुर का मौदहा डैम, चित्रकूट का गुंता डैम और सिद्धार्थनगर का मझौली सागर इको टूरिज्म हब के रूप में विकसित किए जाएंगे।

मुरादाबाद में नया एसटीपी चालू

अमृत विचार, लखनऊ : नमामि गंगे मिशन अंतर्गत मुरादाबाद में 25 एमएलडी क्षमता वाला नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) चालू कर दिया गया है। लगभग 149 .23 करोड़ रुपये की लागत से बने इस आधुनिक एसटीपी को एसबीआर तकनीक से तैयार किया गया है, जो राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सख्त मानकों के अनुरूप साफ पानी उपलब्ध कराएगा।

गोंडा सीएमओ हटाई गईं संतलाल को जिम्मेदारी

अमृत विचार, लखनऊ : बीते दिनों अपने बयान से चर्चा में आईं गोंडा की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ .रश्मि वर्मा का शुक्रवार को हटा दिया गया है, उन्हें स्वास्थ्य महानिदेशालय में संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य बनाया गया है। उनकी जगह सिद्धार्थनगर में तैनात डॉ .संतलाल पटेल को गोंडा सीएमओ नियुक्त किया गया है। उक्त आदेश स्वास्थ्य विभाग की सचिव रितु माहेश्वरी ने शुक्रवार को जारी किए हैं। मालूम हो कि तत्कालीन गोंडा सीएमओ के पद पर रहते हुए डॉ .रश्मि का बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था कि जिसमें उन्होंने हंसते हुए कहा था कि एक बच्चा मर गया है तो उसके लिए सब आ गए हैं, हजार जिंदा हैं तो वहां लड्डू खाने भी जाओ ।

भू-इंजीनियरिंग आधारित कृषि मॉडल पर चर्चा

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि भवन में शुक्रवार को कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में आईआईटी रुड़की के प्रोफेसरों के साथ प्रदेश में प्रस्तावित भू-इंजीनियरिंग आधारित कृषि मॉडल पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। मंत्री ने निर्देश दिया कि 15 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, जिससे किसानोन्मुखी योजनाओं को अधिक प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि निदेशालय में 20 व्यक्तियों की क्षमता वाली नई लिफ्ट का लोकार्पण कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख के साथ किया। इसके बाद कृषि भवन के तृतीय तल पर स्थापित श्री अन्न (मिलेट्स) गैलरी का उद्घाटन भी दोनों मंत्रियों ने साथ किया।

लखनऊ में डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली व 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु। अमृत विचार

कार्यक्रम के दौरान जंबूरी का शुभंकर प्राप्त करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, साथ में मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

सशक्त, समृद्ध व संवेदनशील व्यक्ति दूसरों को भी बना सकता अपने जैसा : राष्ट्रपति

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह में राष्ट्रपति ने युवा शक्ति का किया आह्वान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : जिस प्रकार एक दीपक से अनेक दीपक जलाए जा सकते हैं, उसी प्रकार एक सशक्त, समृद्ध और संवेदनशील व्यक्ति अनेक व्यक्तियों को सशक्त और समृद्ध बना सकता है। यदि सभी युवा प्रकृति के साथी होने के स्काउट्स एंड गाइड्स के सिद्धांत को अपनाएं और आगे बढ़ें तो हमारी धरती हरी-भरी और खुशहाल बनेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यह उद्गार भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली तथा 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह में युवा शक्ति का आह्वान करते हुए प्रकट किए।

राष्ट्रपति मुर्मु ने बताया कि आज भारत में 63 लाख से अधिक स्काउट्स एंड गाइड्स हैं और यह विश्व के सबसे बड़े संगठनों में से एक है। इस संगठन में गाइड यानी छात्राओं की संख्या 25 लाख से अधिक है, जो उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने उन बेटियों को बधाई दी, जिन्होंने समाज और मानवता के कल्याण के लिए अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रगति के मार्ग को अपनाया है। उन्होंने कहा कि स्काउट्स एंड गाइड्स लंबे समय से युवाओं को सही दिशा देने, उन्हें अनुशासित बनाने और राष्ट्र निर्माण में प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह संगठन ऐसी युवा पीढ़ी तैयार कर रहा है, जो सशक्त, संवेदनशील और देश के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुर्मु ने कहा कि स्काउट्स एंड गाइड्स का आदर्श वाक्य है- तैयार रहो। इसका अर्थ है कि आपको भविष्य की चुनौतियों का साहस और आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

मिजोरम के मुख्यमंत्री भी रहे मौजूद : समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मिजोरम के मुख्यमंत्री पी. लालदुहोमा, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, प्रादेशिक अध्यक्ष (उत्तर प्रदेश) महेंद्र सिंह, मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त केके. खंडेलवाल, राज्य मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार तथा देश के विभिन्न राज्यों से आए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के पदाधिकारी, व्यवस्थापक और स्काउट्स-गाइड्स उपस्थित रहे।

मंत्री ने खुद संभाली व्यवस्था : व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने मुजफ्फरनगर से आए स्काउट्स-गाइड्स बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि "ये बच्चे मुजफ्फरनगर के हैं, इनकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। योगी सरकार भी स्काउट्स-गाइड्स को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार मानती है।

मार्च पास्ट की सलामी लेतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु।

मार्च पास्ट निकालतीं मालदीव व नेपाल की स्काउट-गाइड टीमें। अमृत विचार

राष्ट्रपति ने ली मार्च पास्ट की सलामी

राष्ट्रपति मुर्मु ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वहन करते हुए स्मारिका का भी विमोचन किया। वहीं, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जंबूरी पत्रिका का विमोचन करते हुए पहली प्रति राष्ट्रपति को प्रदान की। सभी अतिथियों को स्कार्फ व प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। इससे पूर्व, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मार्च पास्ट की सलामी ली तथा विभिन्न राज्यों से आए स्काउट्स एंड गाइड्स का उत्साहवर्धन किया।

विश्व बंधुत्व के विजन को आगे बढ़ाएं युवा : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को सीख दी कि अनुशासन जीवन की पहली आधारशिला है। अनुशासित युवा ही अदम्य साहस से राष्ट्र को नित नई बुलंदियों तक पहुंचाने में सहभागी हो सकता है। राजधानी लखनऊ पिछले पांच दिन से भारत की युवा ऊर्जा के अनुशासन, धैर्य व चुनौती को समझने के सामर्थ्य को देख रही है। सीएम ने आह्वान किया कि उत्तर प्रदेश, देश व दुनिया के कोने-कोने से आए युवा जंबूरी के माध्यम से उत्तर प्रदेश की स्मृतियों को अपने-अपने क्षेत्र में ले जाकर भारत व विश्व बंधुत्व के विजन को बढ़ाने का कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मौजूदगी में शुक्रवार को डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, सेक्टर-15 वृंदावन योजना में हुए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली एवं 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह को संबोधित किया।

लखनऊ एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। अमृत विचार

मुख्यमंत्री व राज्यपाल ने किया राष्ट्रपति का स्वागत

अमृत विचार : लखनऊ में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को लखनऊ पहुंचीं। यहां एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री भी यहां मौजूद रहे।

हवाईअड्डे पर राष्ट्रपति को नगर की चाबी भेंट कर स्वागत करतीं महापौर सुषमा खर्कवाल साथ में दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या व ब्रजेश पाठक। अमृत विचार

नगर की चाबी भेंट कर किया स्वागत

अमृत विचार, लखनऊ : महापौर सुषमा खर्कवाल ने शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नगर की चाबी भेंट कर औपचारिक स्वागत किया। नगर की चाबी सौंपना लखनऊ की ओर से सर्वोच्च सम्मान का प्रतीक माना जाता है। राष्ट्रपति ने सम्मान ग्रहण करते हुए लखनऊवासियों के प्रति अपना स्नेह जताकर शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी राष्ट्रपति का स्वागत किया।

कांग्रेस ने बीएलओ की मौतों पर उठाए सवाल

अमृत विचार, लखनऊ : एसआईआर कार्यों के दौरान बीएलओ और अन्य कर्मचारियों पर असामान्य कार्यदबाव के कारण आत्महत्या, हार्टअटैक तथा ब्रेन हैमरेज जैसी दुखद घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी को लेकर कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से न्यायिक जांच की मांग की है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि बरेली में बीएलओ सर्वेश गंगवार की हृदयाघात से मृत्यु, जौनपुर निवासी और गोंडा में तैनात बीएलओ विपिन यादव द्वारा कथित दबाव के बाद की गई आत्महत्या, लखनऊ के मलिहाबाद में बीएलओ विजय कुमार वर्मा की ब्रेन हैमरेज से मौत, फतेहपुर के लेखपाल और सुपरवाइज़र सुधीर कुमार कोरी द्वारा आत्महत्या तथा देवरिया की बीएलओ रंजू दुबे की लगातार दबावपूर्ण बैठकों के बाद बिगड़ी तबीयत से मौत ये घटनाएं गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया के लिए मात्र एक माह का समय दिए जाने से प्रशासन पर अत्यधिक दबाव है, जिसका प्रतिकूल प्रभाव निचले स्तर के कर्मचारियों पर पड़ रहा है।

वोट काटने के महा-षड्यंत्र का पर्दाफाश करें सभी दल

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सभी विपक्षी दलों और यहां तक कि एनडीए के सभी सहयोगी दलों से ये अपील की है कि वे एकजुट हों और भाजपा के वोट काटने के महा-षडयंत्र का पर्दाफाश करें। जो दल भाजपा को अपना सहयोगी मान रहे हैं, सबसे पहले भाजपा उन्हीं का खात्मा करेगी। इसीलिए हमारी प्रत्येक देशवासी से अपील है कि सारे काम छोड़कर एसआईआर की घपलेबाजी को रोकें।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि जनता जागरूक हो, आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत, ज़मीन, मकान, राशन, जाति, आरक्षण से नाम काटा जाएगा, फिर बात खातों और मध्यवर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी। ये देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश है, जो अंग्रेजों की गुलामी से भी खराब स्थिति में ले जाएगी। ये समय जागने का है और एक-एक वोट बचाने का है। अखिलेश यादव ने कहा है कि ऐसी शिकायतें मिली हैं कि प्रदेश में बीएलओ पर दबाव डालकर मतदाताओं के गणना प्रपत्र को थर्ड आपशन में सबमिट कराया जा रहा है।

हथियार व विस्फोटक एकत्र करने के षड्यंत्रकारियों को कोर्ट ने सुनाई सजा

विधि संवाददाता, लखनऊ

- 20 माह 29 दिन का कारावास व पांच पांच हजार रुपये का जुर्माना

अमृत विचार : प्रदेश में ब्लास्ट करने के लिए हथियार और विस्फोटक एकत्र करने का षड्यंत्र रचने के आरोपी अल कायदा के सहयोगी संगठन अंसार ग़ज़वातुल हिन्द के आतंकियों मोहम्मद मोईद और शकील को एनआईए के विशेष न्यायाधीश हुसैन अहमद अंसारी ने आयुध अधिनियम के आरोपों में दोषी ठहराते हुए 20 माह 29 दिन के कारावास व पांच-पांच हज़ार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

इसके पहले आरोपी मोहम्मद मोईद और शकील ने गत तीन नवंबर को कोर्ट में अर्जी देकर और कोर्ट में बयान देकर स्वीकार किया था कि मोहम्मद मोईद ने एक अवैध पिस्टल और चार कारतूस मुस्तकीम को दिया था। उस पिस्टल को मुस्तकीम ने मिनहाज को दिया था। आरोपी की जुर्म स्वीकृति की अर्जी पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी को उसकी जेल में बिताई अवधि से दण्डित किया है। एनआईए के वकील एमके सिंह ने कोर्ट में बताया कि इस मामले की रिपोर्ट 11 जुलाई को एटीएस के निरीक्षक सुशील कुमार सिंह ने गोमती नगर में दर्ज कराई थी, बाद में मामला एनआईए को सौप दिया गया तो एनआईए ने इस मामले में 29 जुलाई 2021 को दूसरी रिपोर्ट दर्ज करके विवेचना शुरू की। विवेचना में पता चला कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान बॉर्डर से आतंकवादी गतिविधियां संचालित करने वाला अलकायदा के आतंकी उमर हेलमण्डी ने भारत मे आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए संगठन में सदस्यों की भर्ती करने के निर्देश दिए है। इस पर जम्मू कश्मीर स्थित अलकायदा के आतंकी ने आरोपी मिनहाज को ऑनलाइन संपर्क किया और आरोपी मिनहाज ने आतंकियों के साथ साजिश में शामिल होकर अल कायदा के सहयोगी संगठन अंसार ग़ज़वातुल हिन्द के लिए आतंकी गतिविधियों के लिए सदस्यों की भर्ती की। बताया गया कि मिनहाज और मुशीर ने धमाके करके भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए हथियार, बम एकत्र किए और धमाकों के स्थान को चिन्हित किया, वही अन्य तीनो आरोपी शकील, मोहम्मद मुस्तकीम और मोहम्मद मोईद भी इस साजिश में शामिल थे।

खुलासा

फर्जी अंकपत्र व मदरसा बोर्ड के दस्तावेजों में हेराफेरी के मामले में खुल रहीं अधिकारियों की मिलीभगत की परतें

दस्तावेजों में हेराफेरी कर दिलाई नौकरी, खुद दी वित्तीय सहमति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कई मामलों में सीधे जुड़े मिले पूर्व रजिस्ट्रार के फर्जीवाड़ा गिरोह से तार

अमृत विचार : मदरसा शिक्षा परिषद में फर्जी अंकपत्र व दस्तावेजों में हेराफेरी करने वाले गिरोह के कारनामे धीरे-धीरे सामने आने लगे हैं। वहीं, अधिकारियों की मिलीभगत की भी परतें खुलने लगी हैं। इस गिरोह के तार सीधे पूर्व रजिस्ट्रार और वर्तमान में मुरादाबाद मंडल के उपनिदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण जगमोहन सिंह बिष्ट से जुड़ रहे हैं। बरेली के मदरसे में फर्जी तरीके से लिपिक के पद पर तैनात अमजद खान का मामला सामने आया है। उसकी नियुक्ति पर सवाल खड़े हुए। जांच में सामने आया कि नियुक्ति व उसकी वैधता देने का काम पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट ने किया था।

मदरसा बोर्ड में बड़े स्तर की फर्जीवाड़े का खेल चल रहा है। यह सारा खेल बोर्ड में तैनात बड़े अधिकारियों के संरक्षण, अनुमति या मिलीभगत के संभव नहीं है। पृष्ठ प्रतिस्थापन, रजिस्टर संशोधन, जाली अंकतालिकाओं के आधार पर परिषद में प्रवेश दिलाया गया। फिर बरेली में अमजद की नियुक्ति को वैधता देने के लिए वित्तीय सहमति जारी कर दी। इस मामले में हर स्तर पर एक अधिकारी का नाम सामने आया। वह पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट का है। दोनों पदों पर उनकी निर्णायक उपस्थिति, फर्जीवाड़े में उनकी भूमिका पर सवाल खड़े कर रही है। जांच में सामने आया कि अमजद खान से जुड़े फर्जी अभिलेखों को वैधता दिलाने में मुख्य भूमिका वास्तव में पूर्व रजिस्ट्रार की भूमिका रही है।

फर्जी दस्तावेजों के खेल में मिली अमजद की भूमिका

बरेली के मदरसे, मदरसा जामा ए मेहंदिया, सैंथल में लिपिक के रूप में तैनात अमजद खान का है। उसने उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका 6543/2025 में संलग्न की गई अंकतालिकाओं में जिन अनुक्रमांकों पर परीक्षार्थियों के अंक दर्ज दिखाए गए हैं। परिषद के मूल अभिलेखों में उन्हीं अनुक्रमांकों पर या तो भिन्न नाम दर्ज हैं या परीक्षार्थी अनुपस्थित पाया गया है। अमजद के विरुद्ध हाफिजगंज बरेली के थाने में एफआईआर भी दर्ज है। अमजद खान ने मदरसा प्रबंधक के हस्ताक्षरयुक्त दस्तावेज़ और प्रबंधक ने जिलास्तर पर भेजे । दस्तावेज़ों के हस्ताक्षरों में भी स्पष्ट अंतर पाया गया। अमजद ने अपनी आलिम परीक्षा 2015 में पास होना बताया। उसी वर्ष अप्रैल माह में उसकी नियमित उपस्थिति जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी बरेली कार्यालय में दर्ज होती रही। उसकी नियुक्ति सेवा प्रदाता संस्था के माध्यम से उसी अवधि में की गई थी। यानी वह एक ही समय में सरकारी कार्यालय में नौकरी भी कर रहा था और उसी समय परीक्षा भी दे रहा था। जो संभव ही नहीं है। बाद में उसने अपने नियुक्ति आदेश और संबंधित जिला अधिकारी के पत्र की तिथियों में हेराफेरी कर 2015 से 2017 कर दीं। जो सरकारी अभिलेखों में की गई कूटरचना का प्रमाण है।

सांसद ने की जांच की मांग

कुशीनगर के सांसद विजय दुबे ने इसी आधार पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री को पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उपलब्ध तथ्य केवल अमजद खान नाम के एक व्यक्ति की करतूत नहीं दिखाते, बल्कि उसके पीछे बैठे किसी प्रभावशाली अधिकारी की सक्रिय भूमिका भी है। पूरा मामला एक संगठित गिरोह के रूप में काम करने का है। इसमें दस्तावेजों में हेराफेरी, फर्जी दस्तखत, परीक्षा और नौकरी को एक साथ दिखाकर गुमराह करने का है। इसकी विशेष एजेंसी से जांच कराई जानी चाहिए।

कम क्षेत्र में अधिक आय देने वाली फसलों को बढ़ावा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की बैठक आयोजित

अमृत विचार : उद्यान, कृषि विपणन एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि मसाले, फूल, औषधीय फसलें और मूल्यवान सब्जियां कम क्षेत्र में अधिक आय देने वाली फसलें हैं और सरकार इनके उत्पादन व निर्यात को बढ़ावा दे रही है।

उद्यान मंत्री शुक्रवार को प्रदेश में बागवानी फसलों और प्रसंस्कृत उत्पादों के वैश्विक निर्यात को बढ़ावा देने के लिए उद्यान निदेशालय, में राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया कि क्लाइमेट जोन के अनुसार फसलों को प्रोत्साहित किया जाए तथा कृषि विपणन, मंडी परिषद, एपीडा और हॉर्टिकल्चर मिलकर निर्यात बढ़ाने की रणनीति तैयार करें। साथ ही गुणवत्तायुक्त बीज आयात की प्रक्रिया को सरल बनाने और किसानों को प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया। अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने कहा कि बागवानों को वैश्विक अवसरों की जानकारी दी जाए और ग्लोबल गैप मानकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए।

न्यूज ब्रीफ

गाड़ियों का संचालन रहेगा प्रभावित

गोरखपुर, अमृत विचार। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के दिल्ली क्षेत्र में स्थित दिल्ली सराय रोहिल्ला-साहिबाबाद स्टेशनों के मध्य पुल संख्या-241 बी पर रि-गर्डरिंग कार्य एवं गाजियाबाद यार्ड में इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन, नियंत्रण, पुनर्निर्धारण किया जायेगा। जिसके चलते 6 दिसम्बर 14 दिसंबर तक इस रूट पर चलने वाली रेलगाड़ियों का संचालन प्रभावित रहेगा। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

एसपी ने फरियादियों की सुनीं समस्याएं

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने जनता दर्शन में आए हुए फरियादियों की समस्याएं व शिकायतें सुनीं। एसपी द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई में कुल 09 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें पांच मारपीट, एक भूमि विवाद व शेष तीन अन्य से संबंधित थे।

स्टेशन का अल्फाबेटिकल कोड बदला गया

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रशासनिक सुविधा के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के अंतर्गत बनारस स्टेशन का अल्फाबेटिकल कोड बीएस बी एस के स्थान पर भी बीएनआर एस कर दिया गया है जो 1 दिसम्बर से प्रभावी होगा।

सेमेस्टर परीक्षाएं 2 से

अयोध्या : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की आवासीय परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों की सत्र 2025-26 स्नातक तृतीय व पंचम सेमेस्टर और परास्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 दिसम्बर से 508 केंद्रों पर प्रारंभ होगी।

अयोध्या : सिलेंडर से लगी आग छह महीने की बच्ची जिंदा जली

बाबा बाजार थाना क्षेत्र के पूरे मल्लाह मजरा हंसराजपुर में हुई घटना

संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार : रुदौली सर्किल के बाबा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत पूरे मल्लाह मजरा हंसराजपुर में गैस सिलेंडर की पाइप लीकेज से लगी आग ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। हादसे में छप्पर की झोपड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई और भीतर सो रही छह माह की बच्ची की जलकर मौत हो गई।

रामधन निषाद के घर के बगल स्थित छप्पर की झोपड़ी में रखे गैस सिलेंडर में शुक्रवार दोपहर अचानक पाइप से गैस रिसाव होने लगा और चिंगारी लगते ही आग भड़क उठी। देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं। उस समय घरवाले झोपड़ी के पास ही बैठे थे, लेकिन आग भड़कते ही वे बदहवास होकर बाहर की ओर भागे। कुछ ही मिनटों में पूरा छप्पर जल कर राख हो गया। दो दिन पूर्व ही रामधन के बेटे श्यामू की शादी हुई थी। शादी में शामिल होने आई रामधन की बड़ी बहन कैलाशा की छह माह की बच्ची भी परिवार के साथ आई थी। हादसे के समय बच्ची छप्पर के भीतर चारपाई पर सो रही थी। आग इतनी भयानक थी कि कोई भी अंदर जाकर उसे बाहर निकालने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। जब तक ग्रामीण और परिजन आग पर काबू पाने का प्रयास करते, नवजात लपटों में गंभीर रूप से झुलस गई। ग्राम प्रधान राजकुमार सिंह और ग्रामीण आग बुझाने में जुट गए, लेकिन तब तक छप्पर, घरेलू सामान और मासूम की जिंदगी और सामान आदि सब कुछ राख में बदल चुका था। थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार आजाद ने बताया कि आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया आग गैस पाइप में लीकेज के कारण लगी प्रतीत हो रही है। मामले की जांच की जा रही है। हादसे के बाद परिवार के साथ-साथ पूरे गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गांव में सुनीं गईं ग्रामीणों की समस्याएं, दी गई जानकारी

ककरहवा, सिद्धार्थनगर। अमृत विचार विकास खण्ड बर्डपुर के ग्राम पंचायत बुडा में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। गांव की समस्या गांव में ही समाधान के माध्यम से ग्रामीणों की समस्या सुनी गई तथा गांव में ही उसका समाधान किया गया। ग्राम पंचायत सचिव विशाल सिंह ने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि कल्याणकारी योजनाओं से कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रह जाए। इसके लिए घर घर जाकर लोगों को पेंशन आयुष्मान कार्ड एवं प्रधानमंत्री आवास आदि पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाने का कार्य किया जा रहा है। बैंक से सम्बंधित पूर्ण जानकारी दिया।

मानव सेवा संस्थान सेवा के कॉर्डिनेटर ने बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी तथा बाल यौन शोषण से बचाव के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया। इस दौरान ग्राम प्रधान भवानी शुक्ल, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

डीसी एमडीएम बर्खास्त 5 प्रधानाध्यापक सस्पेंड

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार: मध्यान्ह भोजन योजना (एमडीएम) में एक बड़े वित्तीय घोटाले का खुलासा होने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। पांच वर्ष में करीब 11 करोड़ रुपये के गबन का मामला सामने आते ही विभागीय कार्रवाई की तेज़ शुरुआत हुई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ल ने एमडीएम सेल के जिला समन्वयक फिरोज़ अहमद ख़ां को बर्खास्त कर दिया, जबकि फर्जी भुगतान और अनियमितताओं में संलिप्त पाए गए पाँच प्रधानाध्यापकों को निलंबित कर संबंधित ब्लॉक संसाधन केंद्रों से संबद्ध किया गया है।

44 नामजद, लंबी सूची में शिक्षक कर्मचारी भी शामिलः नगर कोतवाली में दर्ज केस में डीसी फिरोज़ अहमद खां के अलावा कई मदरसों के प्रधानाध्यापक व परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, रसोइयों और सहयोगियों को आरोपी बनाया गया है। आरोपियों में अशोक कुमार गुप्त, मलिक खुर्शीद अरशद, सलीम अहमद, सुनील सिंह, परवीन फातिमा, गुलाम गौसुलवरा, राजकुमार सैनी, कुंवर आनंद सिंह सहित 44 लोग नामजद हैं। कई अन्य अज्ञात भी जांच के दायरे में हैं। बीएसए ने चेतावनी दी है कि अनियमितताओं में जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। घोटाले के सामने आते ही शिक्षा विभाग में अफरातफरी मची है।

लोक जनशक्ति पार्टी का स्थापना दिवस मनाया

गोरखपुर, अमृत विचार। प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान के निर्देशानुसार लोक जनशक्ति पार्टी का 25वां स्थापना दिवस शुक्रवार को गोरखपुर में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव धीरज उपाध्याय कार्यालय प्रभारी (पूर्वी) सौरभ त्रिपाठी जिलाध्यक्ष हिमांशु सिंह, महानगर अध्यक्ष सुगंध सिंह, विधानसभा अध्यक्ष सनी पासवान सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने पार्टी की मजबूती और संगठन विस्तार के लिए अपने विचार साझा किए।

लोगों को गणना प्रपत्र देते भाजपा नेता राजेश मिश्रा 'राजन' व अन्य।

घर-घर जाकर जमा कराए गणना फॉर्म

लखनऊ, अमृत विचार। लखनऊ के पश्चिम मंडल- 1 शीतला देवी वार्ड में एसआईआर अभियान के तहत वोटरों को जागरूक किया गया। बूथ संख्या-323 की पोलिंग प्राथमिक विद्यालय नौबस्ता संगठन द्वारा दिए गए बूथ प्रवासी के दायित्व का निर्वहन करते हुए पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा राजेश मिश्रा (राजन) ने कुंडी खटकाओ अभियान के अंतर्गत स्थानीय निवासियों से जनसंपर्क किया। अभियान के दौरान उन्होंने 30 घरों में जाकर 100 गणना फॉर्म जमा कराए एवं शेष बचे हुए फॉर्मों को जल्द से जल्द भर कर जमा कराने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित रहे शीतला देवी-ए के शक्ति केंद्र संयोजक आलोक मिश्रा, आनंद प्रकाश, श्याम जी शर्मा सहित भाजपा समर्थक उपस्थित रहे।

बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। एसआईआर के अन्तर्गत शत-प्रतिशत कार्य करने वाले तहसील नौगढ़ एवं शोहरतगढ़ के बीएलओ को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा प्रशस्ति-पत्र एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। तहसील नौगढ़ के 05 बीएलओ तथा तहसील शोहरतगढ़ के 05 बीएलओ को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि अन्य बीएलओ का सहयोग कर शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कराये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ज्ञानप्रकाश सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नहीं भरूंगी एसआईआर फॉर्म : पल्लवी

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार: अपना दल कमेरावादी पार्टी की नेता व सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। एसआईआर को केंद्र सरकार का जुमला बताते हुए कहा यह इसका उद्देश्य किसी के साथ न्याय करना नहीं है किसी का नाम ऐड करना नहीं है बल्कि यह दूरदराज के दलित, पिछड़े, मजदूरों को मताधिकार से वंचित करने की साजिश है। खुद के एसआईआर फॉर्म भरने के सवाल पर पल्लवी ने कहा कि मैं फार्म नहीं भरूंगी। मेरे पास पहले से वैलिड डॉक्युमेंट हैं जो भारत सरकार के तरफ से जारी किए गये हैं।

पल्लवी पटेल, विधायक।

- दलितों, पिछड़ों और मजदूरों को मताधिकार से वंचित करने की साजिश का आरोप

सरदार पटेल संस्थान में आयोजित पार्टी संगठन की बैठक में उन्होंने कहा विपक्ष इसलिए हमलावर है क्योंकि कहीं न कहीं हमें उनकी नियत पर शक है और इसलिए कि जिस भी प्रदेश में चुनाव की घोषणा हो रही है और जहां से उन्हें ज्यादा से ज्यादा सीट हासिल करनी है वहां-वहां एसआईआर प्रक्रिया को गति दी जा रही है। 2003 की मतदाता सूची में जिनके नाम नहीं है जो अवैध रूप से यहां आ गए हैं, या फिर यहां के रहने वाले नहीं है के सवाल पर पल्लवी ने कहा कि आप कैसे यह तय करेंगे कि कौन यहां का रहने वाला नहीं है। जिस व्यक्ति ने अपनी पूरी जिंदगी यहां काट दिया, अगर उसके पास कोई दस्तावेज नहीं है तो आप किन आधार पर उनको अवैध करार करेंगे। क्योंकि यह सिर्फ उत्तर प्रदेश की बात नहीं है। भारत देश ग्रामीण अंचल में बसा हुआ देश है। खेत खलिहानों पर आधी से ज्यादा आबादी बसती है और उनके पास अगर उनके पास आप जाएं तो वह ढंग से अपना नाम भी नहीं बता पाएंगे। उनके उम्र को साबित करने वाले कोई दस्तावेज उनके पास नहीं है तो क्या उन तमाम लोगों को किस आधार पर अवैध करार देंगे।

सांथा में कार्यरत एडीओ आईएसबी की मौत

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। जिले के सांथा ब्लॉक में बीएलओ के सुपरविजन की ड्यूटी में लगे सहायक विकास अधिकारी आईएसबी (एडीओ) धर्मेंद्र यादव की शुक्रवार दोपहर अचानक मौत हो गई। बीती रात तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस खबर से जिले के प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया।

बखिरा थाना क्षेत्र के गेहूंडीला गांव निवासी धर्मेंद्र यादव पुत्र निर्मल यादव वर्ष 2022 में सचिव से पदोन्नत होकर सांथा ब्लॉक में एडीओ आईएसबी के पद पर तैनात थे। वे परिवार के इकलौते बेटे थे और उनके ऊपर ही पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। उनकी पत्नी स्वर्णलता और नौ वर्षीय पुत्र का रो -रोकर बुरा हाल है। इन दिनों उन्हें एसआईआर सर्वे के दौरान बीएलओ की ड्यूटी की निगरानी का दायित्व दिया गया था। रिश्तेदार आत्माराम यादव के मुताबिक, धर्मेंद्र पिछले 5-6 दिनों से सर्दी और खांसी से पीड़ित थे, लेकिन अत्यधिक कार्यभार के कारण आराम नहीं कर पाए। शरीर में बढ़ते दबाव और थकान के बावजूद वह रोजाना 45-50 किलोमीटर तक क्षेत्र में घूमकर सर्वे का कार्य कर रहे थे।

एडीओ आईएसबी सांथा धर्मेंद्र यादव की फाइल फोटो।

जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि एडीओ आईएसबी सांथा धर्मेंद्र यादव को एसआईआर में सुपरवाइजर की ड्यूटी में लगाया गया था। उनपर काम का कोई दबाव नहीं था। उनका स्वास्थ्य पहले से ही खराब था। वह हाइपरटेंशन और डायबिटीक थे। कल एक कार्यक्रम में वह गए थे जहां, उनकी तबियत बिगड़ी थी तो गुरुवार को परिवार वालों ने उन्हें सरकारी अस्पताल में डॉ. सिद्धार्थ कुमार को दिखाए थे। जहां, ठीक होने के बाद वह घर चले गये। लेकिन, शुक्रवार को फिर उनकी तबियत खराब हुई और वह कोलेप्स कर गए।

लेखपालों ने तहसील परिसर में दिया धरना

संतकबीरनगर, अमृत विचार। फतेहपुर जिले की बिन्दकी तहसील में तैनात लेखपाल सुधीर कुमार कोरी की आत्महत्या के बाद से पूरे प्रदेश के लेखपालों में रोष व्याप्त है। इसी क्रम में खलीलाबाद तहसील के लेखपालों ने गुरुवार को तहसील परिसर में कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन कर मृतक को न्याय दिलाने और दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। कहा कि सुधीर कुमार की मौत ड्यूटी के अत्यधिक दबाव और अधिकारियों द्वारा दी जा रही प्रताड़ना का परिणाम है। संघ ने मृतक परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग उठाई।

नवजात को छूने से पहले हाथों की सफाई जरूरी

- नवजात शिशु की मां के लिए संक्रमण नियंत्रण और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम हुआ

संवाददाता, सिद्धार्थनगर,

अमृत विचार। माधव प्रसाद त्रिपाठी चिकित्सा महाविद्यालय के एसएनसीयू वार्ड में शुक्रवार को नवजात शिशु की मां के लिए संक्रमण नियंत्रण और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य नवजात शिशुओं को संक्रमण से सुरक्षित रखना और माताओं को स्वच्छता के सही तरीकों से परिचित कराना था।

बाल रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नम्रता चौधरी के निर्देशन में

माधव प्रसाद त्रिपाठी चिकित्सा महाविद्यालय के एसएनसीयू वार्ड में मौजूद महिलाएं व जानकारी देते चिकित्सक।

आयोजित कार्यक्रम में बाल रोग विभाग के चिकित्सक डॉ. फुरकान और डॉ. जैद अब्बासी ने हाथ धोने के छह चरण, संक्रमण नियंत्रण के नियम तथा नवजात को संक्रमण से बचाने की सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि नवजात की प्रतिरोधक क्षमता बहुत कम होती है, ऐसे में किसी भी संपर्क से पहले हाथों का साफ होना अत्यंत आवश्यक है। यह भी समझाया कि सामान्य परिस्थितियों में हाथ पर मौजूद सूक्ष्म कीटाणु बच्चे के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं और यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए परिवार के हर सदस्य को नवजात के संपर्क में आने से पहले साबुन या सैनिटाइजर से हाथ साफ करने चाहिए। कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग आफिसर श्रीश श्रीवास्तव ने हाथ धोने की प्रक्रिया का प्रायोगिक प्रदर्शन किया।

एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस में मौजूद आईएनएस मुंबई के वैज्ञानिक।

वैज्ञानिकों ने छात्र-छात्राओं को दी जानकारी

लखनऊ, अमृत विचार। बीकेटी स्थित एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस में शुक्रवार को इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी (आईएनएस), मुंबई द्वारा परमाणु ऊर्जा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसआर ग्लोबल स्कूल स्थित विक्रम साराभाई सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा छात्र-छात्राओं को परमाणु ऊर्जा के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में परमाणु ऊर्जा की उपयोगिता, भविष्य की संभावनाओं तथा इससे जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

अस्पताल में ही हो महिलाओं का प्रसव

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

- डीएम ने एमओआईसी को दी चेतावनी कहा- किसी भी गर्भवती का प्रसव घर पर हुआ तो कार्रवाई

अमृत विचार। जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजनाओ की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने फीडिंग कम पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। डीएचएस की कार्यवाही पोर्टल पर फीड करने का निर्देश दिया। कहा कि सभी एमओआईसी सुनिश्चित कर लें कि सभी गर्भवती महिलाओं का प्रसव अस्पताल में ही हो, डिलीवरी घर पर नहीं होना चाहिए। घर पर प्रसव होने पर एमओआईसी जिम्मेदार होंगे। एनबीएसयू को 24 घंटे सक्रिय करें जिससे कोई भी गर्भवती महिला व उसके परिजन सम्पर्क कर सहायता प्राप्त कर सके। सभी एमओआईसी वार रूम का निरीक्षण करें। बीएचएनडी दिवस में कम एचआरपी वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका बेहतर इलाज कराएं और सावधानियां बरतने का सलाह दें।

बीएचएनडी दिवस में सभी लोग जाये। एएनएम, आशा व सीएचओ को सभी प्रकार किट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बीएचएनडी दिवस में एएनएम व सीएचओ मिलकर कार्य करें। काम न करने वाले डाक्टर/सीएचओ/आशा/एएनएम को नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। टीकाकरण का शत-प्रतिशत डाटा फीडिंग कराने का निर्देश दिया। फीडिंग में सही मोबाइल नम्बर लिखे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए। एएनएम और आशा के साथ बैठक करें। कार्य न करने वाली आशा व सीएचओ के विरूद्ध कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा अनटाइड फन्ड, परिवार नियोजन, टीकाकरण अभियान, पीसीपीएनडीटी, रोगी कल्याण समिति, हेल्थ वेलनेस सेन्टर, आदि की समीक्षा की गयी। ई-संजीवनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा मरीजों को टेली मेडिसिन सुविधा उपलब्ध करानें हेतु निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी मरीज को परेशान न किया जाये।

रातभर रोड शो करने के बाद राजीव गांधी ने पहना था श्रीप्रकाश का कुर्ता

शैलेश अवस्थी, कानपुर

अमृत विचार। श्रीप्रकाश जायसवाल कानपुर के ऐसे नेता थे, जिन्होंने विवाद में पड़े बगैर राजनीतिक ऊंचाइयां हासिल कीं और अपने विरोधियों को ख़ामोशी से किनारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। वह पार्टी हाईकमान के हमेशा करीबी रहे। बात 1990 के आसपास की रही होगी, जब राजीव गांधी कानपुर आए थे और बिधनू से नौबस्ता होते हुए पूरे शहर में रोड शो किया था। वह खुली जीप में श्रीप्रकाश जायसवाल और अन्य स्थानीय नेताओं के साथ जनता का अभिवादन करते चल रहे थे। भीड़ इस कदर थी कि उनका काफिला रेंग कर चल रहा था। उन्हें तीन घंटे ही रोड शो करना था, पर भीड़ ऐसी कि 10 घंटे बीत गए और आधी रात हो गई। सुबह 4 बजे राजीव सर्किट हाउस पहुंचे और तब तक उनके कपड़े अस्तव्यस्त और मैले हो चुके थे। कोई दुकान भी नहीं खुली थी कि कपड़े खरीदे जा सकें। श्रीप्रकाश ने फटाफट अपने घर से कुर्ता-पाजामा मंगवाया जो राजीव गांधी के एकदम फिट हो गया और वह बेहद खुश हुए। रोड शो में श्रीप्रकाश ने पूरी ताकत झोंक दी थी, भीड़ और जनता का समर्थन देख राजीव गांधी ने श्रीप्रकाश की पीठ ठोंकी और फिर इसके बाद उनकी सीधे पहुंच दिल्ली दरबार तक हो गई। इसके बाद श्रीप्रकाश ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और राजनीति की सीढ़ियां चढ़ते चले गए। कांग्रेस के शहर अध्यक्ष, मेयर, प्रदेश अध्यक्ष, तीन बार सांसद, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री और कोयला मंत्री बने। इस दौरान कांग्रेस के दिग्गज नेता भी उनके दरबार में हाजिरी देते थे। वह राजीव गांधी के बाद सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका गांधी के निकट रहे और फिर 2019 का चुनाव हारने के बाद बीमारी के कारण राजनीति से लगभग अलग हो गए।

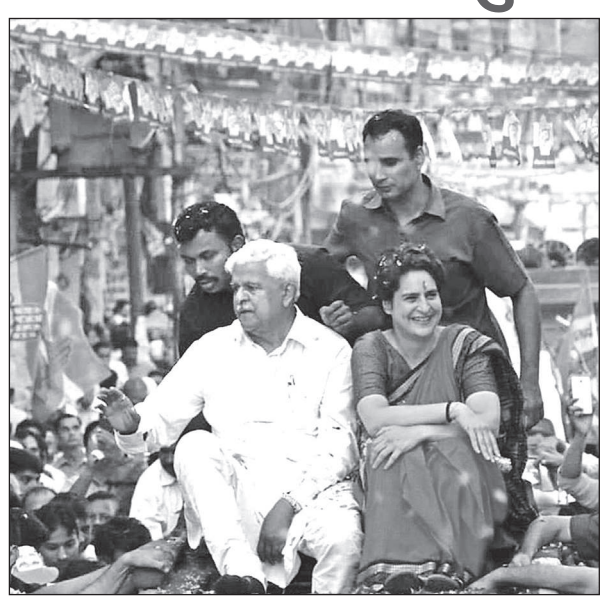

प्रियंका गांधी के साथ रोड शो करते श्रीप्रकाश जायसवाल। फाइल फोटो

रोड शो के माहिर श्रीप्रकाश बदल देते थे चुनावी रुझान

जमीर सिद्दीकी, कानपुर, अमृत विचार। कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल रोड शो के माहिर माने जाते थे। भाजपा प्रत्याशी भी उनके रोड शो को एक बार देखने के बाद ही जोश भरते थे। दो बार राहुल गांधी और एक बार प्रियंका गांधी से भी रोड शो कराया और चुनाव की रुझान बदल दिया। श्रीप्रकाश जायसवाल मुस्लिम इलाकों में अपनी उर्दू जुबान में भाषण करने के लिए माहिर माने जाते थे। इन्होंने राहुल गांधी को 2004 में दो दिन के लिए अपने चुनाव में बुलाया और आईआईटी से लैंड मार्क तक रोड शो किया। दूसरा रोड शो कैंट बड़ा चौराहा से कैंट तक किया था।

प्रियंका ने भी 2019 में रोड शो किया

- कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव बन चुकी प्रियंका गांधी ने भी 2019 में श्रीप्रकाश जायसवाल के लिए घंटाघर से फूलबाग तक रोड शो किया लेकिन माल रोड पर समय समाप्त होने पर उनका रोड शो खत्म करना पड़ा।

तैयारी श्रीराम जन्मभूमि परिसर में स्थित मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूरे होने पर 10 जनवरी को होगा आयोजन

राममंदिर के वार्षिकोत्सव में शामिल हो सकती हैं राष्ट्रपति

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: श्रीराम जन्मभूमि परिसर में स्थित मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूरे होने पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भव्य वार्षिक उत्सव का आयोजन करने की तैयारी कर रहा है। ट्रस्ट के मुताबिक रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 (पौष शुक्ल द्वादशी) को हुई थी। वर्ष 2026 में पौष शुक्ल द्वादशी 10 जनवरी को है। इस दिन मंदिर के द्वितीय तल श्रीराम महायंत्र की स्थापना की जागी। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आने की संभावना है।

राम मंदिर का विहंगम दृश्य एवं गर्भगृह में विराजमान रामलला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में रामलला के द्वितीय वार्षिकोत्सव पर श्री रामकथा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे लाइट और फूलों से भी सजाया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने शुक्रवार को बताया कि कांची कमकोटि के शंकराचार्य जगतगुरु स्वामी विजयेंद्र सरस्वती की ओर से स्वर्ण से निर्मित श्रीराम महायंत्र को पूजित किया गया था। जिसकी द्वितीय तल पर स्थापना की जाएगी। इसके अलावा विभिन्न देश की परंपराओं और भाषाओं में लिखी रामायण की प्रतियां का संग्रह किया जाएगा। हालांकि इस स्थान पर किसी के भी आने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने बताया कि द्वितीय तल पर फिनिशिंग का कार्य दिसंबर के अंत तक पूरा कर दिया जाएगा।

उन्होंने राम मंदिर के 800 मीटर की परिधि में बने छह मंदिरों और शेषावतार मंदिर के शिखर पर ध्वज की स्थापना किए जाने को लेकर कहा कि राम मंदिर की स्थापना तो हो गई लेकिन राम राज्य अभी आना है। समदा का राज्य, एकता का राज्य, वंचितों का राज्य को साकार करने में हम सब लोग जुट जाएं यही इस क्षण का संदेश है। उन्होंने बताया कि ध्वज की स्थापना के लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई थी, लेकिन ट्रस्ट के बीच यह विचार आया कि एक समय में सभी ध्वजारोहण करना सही नहीं होगा। प्रधानमंत्री के पास भी समय कम होने के कारण एक-एक कर ध्वज फहराए जाने का निर्णय किया गया था। कहा कि ध्वज का यह नियम होता है कि जिस देवता का ध्वज होता है उसका चिन्ह होना चाहिए। जैसे मां जगदंबा के ध्वज के ऊपर सिंह का चिन्ह होगा। इसी तरह हनुमान जी के ध्वज के ऊपर गदा का चिन्ह और महादेव के ध्वज पर नंदी का चिन्ह, गणपति के ध्वज के ऊपर मूषक का चिन्ह होगा।

न्यूज ब्रीफ

फंदे से लटककर युवक ने दी जान

अमृत विचार, गोसाईगंज : सुशांत गोल्फ सिटी के अटलपुरी सेक्टर-2 में किराए के मकान में रह रहे राज प्रताप सिंह उर्फ बिल्लू ने फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मूलतः बलिया के रसड़ा स्थित डेहरी का रहने वाल राज प्रताप किराये के मकान में रहता था। शुक्रवार देर शाम को उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाये। परिजन की तहरीर पर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोलर पैनल चोरी करने वाले गिरफ्तार

अमृत विचार, रोजनीनगर : बिजनौर पुलिस ने खेत से चोरी हुए सोलर पैनल के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर बिजनौर शिवशंकर महादेवन ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों में कृष्णानगर के नारायणपुरी का श्रीकांत शुक्ला उर्फ सोनू शुक्ला, रायबरेली के ऊंचाहार स्थित अकोड़िया का अमित मिश्रा और लालगंज के रानीपुर निवासी सुनील यादव शामिल हैं।

मामी से गैंगरेप का प्रयास, तोड़ा हाथ

अमृत विचार, मलिहाबाद : थाना क्षेत्र में कलयुगी भांजों ने मामी से छेड़छाड़ की। विरोध करने पर असलहे के बल पर सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास किया। मलिहाबाद के एक गांव निवासी पीड़िता ने बताया कि 26 नवंबर को वह बच्चों संग घर पर थी। रात करीब नौ बजे पति के दो भांजे घर में घुसे और छेड़छाड़ करने लगा। आरोपियों ने विरोध पर असलहा लगाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़िता व बच्चों ने विरोध करते हुए शोर मचाया तो आरोपियों ने सभी को पीटा। पति को धमकाते हुए आरोपी फरार हो गए। इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

कॉलेज के बाहर दबंग युवकों ने छात्र को पीटा

अमृत विचार, काकोरी : दुबग्गा के बरावन कला स्थित त्रिलोकी सिंह इंटर कॉलेज के बाहर दबंगों ने छात्र को बेल्ट व लात-घूसों से पीट दिया। जिसकी वीडियो कुछ देर बाद सोशल मीडिया में वायरल हो गई। वीडियो वायरल होने के सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने जांच शुरू की तो सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई है। पुलिस आरोपी युवकों की तलाश कर रही है। इंस्पेक्टर दुबग्गा अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि त्रिलोकी सिंह इंटर कालेज के बाहर मारपीट की वायरल वीडियो पुलिस के संज्ञान में है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे युवकों के बारे में कालेज प्रबंधन से सम्पर्क किया गया है।

हरे आम के पेड़ काटने पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार बख्शी का तालाब/ काकोरी : अवध वन प्रभाग बीकेटी वन रेंज के हल्का दरोगा ने तीन भाइयों के खिलाफ प्रतिबंधित 41 हरे आम के पेड़ को काटने व लकड़ी उठा ले जाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। वन रेंज चन्दाकोडर बीट के प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि वन रक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह लोधी व सैय्यद जमालुद्दीन को अस्ती गांव में कुछ लोग हरे आम की लकड़ी ट्रक में लादते मिले। अस्ती के राजवीर के बाग में साबिर निवासी अमानीगंज, उनका भाई कासिफ और आसिफ 41 हरे आम पेड़ों को काट दिया था। रक्षक के साथ आरोपियों ने गाली-गलौज की और गाड़ी लेकर भाग निकले। , हरदोई के थाना कासिमपुर के जरहा निवासी सलीम अहमद के मुताबिक खसरा नंबर 1260 स्थित कटौली दुबग्गा के रज्जन लाल निवासी कटौली प्लाटिंग के लिए जमीन क्रय कर तीन वर्ष का एग्रीमेंट कराया था। जिसमें आम की बाग थी। 26 नवम्बर की रात चोर चार पेड़ काट कर उठा ले गए।

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

इटौंजा में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की जान गई, साथी घायल

संवाददाता, बीकेटी/मोहनलालगंज

- मोहनलालगंज में अज्ञात वाहन ने मजदूर को रौंदा

अमृत विचार: मोहनलालगंज स्थित जंगली खेड़ा मोड़ के पास शुक्रवार देर शाम को अज्ञात वाहन की टक्कर से मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। इटौंजा इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक मौत हो गयी। जबकि पीछे बैठा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इंस्पेक्टर मोहनलालगंज दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि बनी मार्ग स्थित जगंलीखेड़ा मोड़ के पास शुक्रवार देर शाम एक अज्ञात वाहन मजदूर को टक्कर मारने के बाद उसे रौंदते हुए मौके से भाग निकला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की जेब से मिले मोबाइल फोन से चचेरे भाई सूरज को फोन कर सूचना दी। चचेरे भाई ने मृतक की शिनाख्त जलेस राम (28) निवासी बनियाडीह थाना बेमेतारा छत्तीसगढ़ के रूप में की। बताया कि जलेस राम ठाकुरगंज के बालागंज में किराए पर रहकर मजदूरी करता था। मृतक के परिवार में पत्नी व दो बेटे हैं। पुलिस आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

वहीं, इटौंजा के सूरजगढ़ा निवासी अजय (26) गुरुवार शाम बाइक से रिश्तेदार अमित के साथ इटौंजा की तरफ जा रहा था। रास्ते में नेवादा अवैध कट के पास सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बुरी तरह घायल हो गए। ग्रामीणों ने घायलों को सीएचसी इटौंजा भेजा, जहां डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। अमित को परिजन ने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसे के बाद से पत्नी अनीता व अन्य का बुरा हाल है।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त बस।

पेड़ से टकराई बस, 13 नर्सिंग छात्राएं घायल

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : थाना क्षेत्र स्थित एयरफोर्स स्टेशन रोड पर शुक्रवार को एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में निजी मेडिकल संस्थान की बस अनियंत्रित हो गई। चालक ने स्टेयरिंग संभालने की कोशिश की लेकिन बस अनियंत्रित होकर आम के बाग में घुसते हुए एक पेड़ से टकरा गई। हादसे के बाद बस में चीखपुकार मच गई। हादसे में 13 नर्सिंग छात्राएं घायल हो गयी। घायलों को बीकेटी पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि बस मां चंद्रिका देवी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एंड साइंस की थी। बस करीब 20-25 नर्सिंग छात्राओं को मां चंद्रिका देवी अस्पताल से ग्राम भोली स्थित मां चंद्रिका देवी नर्सिंग कॉलेज के हॉस्टल जा रही थी। एयरफोर्स स्टेशन रोड स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री के पास सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने के चक्कर में चालक राजू ने स्टेयरिंग एकाएक मोड़ दी। जिससे बस अनियंत्रित होकर आम के बाग में चली गयी और पेड़ से टकरा गई। टक्कर से बस के शीशे टूट गए। हादसे से चींख पुकार मच गई। 13 छात्राएं चोटिल हो गई। उन्हें अन्य छात्राओं ने संभालते हुए बस के बाहर निकाला। दूसरी गाड़ी से छात्राओं को अस्पताल भेजा गया। छात्राओं को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

डेस्क है पर हेल्प को नहीं मिलते कर्मी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आरटीओ कार्यालय में आने वाले लोगों को नहीं मिल रहीं हेल्प डेस्क की मदद

अमृत विचार: आरटीओ कार्यालय में आने वाले लोगों को सुविधाएं देने के उद्देश्य से स्थापित की गई हेल्पडेस्क खुद मदद की मोहताज नजर आ रही है। हेल्पडेस्क पर तैनात कर्मचारी अक्सर नदारद रहते हैं, जिसके चलते जानकारी लेने पहुंचे नागरिकों को इधर-उधर भटकना पड़ता है। वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य सेवाओं के लिए आने वाले लोग सही काउंटर और प्रक्रिया न जानने के कारण परेशान दिखाई देते हैं।

कार्यालय में काउंटरों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। निर्धारित 30 मिनट का लंच ब्रेक अक्सर एक घंटे से अधिक लंबा खिंच जाता है। इस दौरान लंबी कतारों में खड़े लोगों को मजबूरन इंतजार करना पड़ता है। लोग बताते हैं कि कई बार तो डेढ़ घंटे लाइन में लगने के बाद भी काम शुरू नहीं हो पाता और कर्मचारी लौटने का समय लेकर आराम से आते हैं। आरटीओ कार्यालय की अव्यवस्था का सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। कई लोग कामकाज छोड़कर या दूर-दराज के इलाकों से यहां पहुंचते हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी उचित मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। नागरिकों का कहना है कि यदि हेल्पडेस्क पर कर्मचारी मौजूद रहें और काउंटर समय से खुले रहें तो फाइलों और आवेदनों का काम जल्दी हो सकता है।

> इधर राजधानी में दो-तीन बड़े कार्यक्रम लगे हुए है उसी में कई कर्मचारियों की ड्यूटी लगी है जिसकी वजह से परेशानी हुई है। हमारा प्रसास है कि आरटीओ आये हुए लोगो को समस्याओं का सामना न करना पड़े।
>
> -प्रदीप कुमार सिंह, एआरटीओ प्रशासन

एक्सईएन पति पर खुदकुशी के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- डॉक्टर मां ने लगाए आरोप बोली, प्रताड़ना के चलते बेटी ने खाया था जहर

अमृत विचार: गोमतीनगर विस्तार स्थित रोहिणी अपार्टमेंट निवासी डॉक्टर की मौत के मामले में डॉक्टर मां ने एक्सईएन दामाद के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रायबरेली के नीलकंठ कैनाल रोड निवासी डा. आशा शंकर वर्मा ने बताया कि बेटी डा. रुचि वर्मा की शादी 14 फरवरी 2015 को रायबरेली के मलिक मऊ कॉलोनी निवासी अमिय कुमार सिंह से की थी। अमिय विद्युत वितरण विभाग अयोध्या में अधिशासी अभियंता है। बेटी आकृति को लखनऊ में पढ़ाने के लिए अमिय ने गोमतीनगर विस्तार के रोहिणी अपार्टमेंट में किराए पर फ्लैट ले रखा है। इसमें मां-बेटी रहती थीं। डॉ. आशा का आरोप है कि करीब एक साल से अमिय रुचि को प्रताड़ित कर रहा था। रुचि ने बताया था कि अमिय के लड़की से संबंध हैं। वह गर्भवती भी थी। उसकी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट भी रुचि ने 29 सितंबर 2025 को सुबह 9 बजे व्हाट्सएप पर डॉ. आशा को भेजी थी। इसके 10 मिनट बाद नातिन ने फोन कर रुचि की हालत बिगड़ने की जानकारी दी। डॉ. आशा ने दामाद को घटना की जानकारी दी। पड़ोसियों ने रुचि को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर आशा ने बताया कि आईसीयू में जगह न होने पर बेटी को गोमतीनगर के निजी अस्पताल से ले जाकर मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच में पता चला कि रुचि ने जहरीला पदार्थ खा लिया है। हालत में सुधार न होने पर 6 अक्टूबर को एसजीपीजीआई में भर्ती कराया गया। 22 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। डॉक्टर मां का आरोप है कि दामाद अमिय की प्रताड़ना से परेशान होने बेटी ने जान दी है।

न्यायालय उपजिलाधिकारी (तहसील स्तर), न्यायिक (पी-2)
मण्डल: लखनऊ, जनपद: लखनऊ, तहसील: मलिहाबाद
पेशी तारीख 03.12.2025

वाद संख्या:-6934/2025
कंप्यूटरीकृत वाद संख्या-T2025104601

मदरसा रौशन पब्लिक मान्टेसरी
बनाम
श्रीमती शांती देवी आदि

अंतर्गत धारा:- 35(2), अधिनियम उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता - 2006

अपील सं0-
मदरसा रौशन पब्लिक मोन्टेसरी स्कूल, टिकैटगंज तहसील मलिहाबाद लखनऊ अन्तर्गत संचालित रौशन एजुकेशनल सोसाईटी स्थित ग्राम गोलाकुआं पोस्ट काकोरों तहसील मलिहाबाद जिला-लखनऊ द्वारा अध्यक्ष मो0 तारिक पुत्र स्व0 मो0 यूनुस निवासी ग्राम मंडौली परगना व तहसील मलिहाबाद जिला-लखनऊ।

...अपीलकर्ता
बनाम

1. श्रीमती शांती देवी पत्नी श्री हुबलाल निवासी-गोलाकुआं मजरा टिकैटगंज परगना व तहसील मलिहाबाद लखनऊ। 2. तय्यब पुत्र मो0 यूनुस निवासी ग्राम मण्डौली परगना व तहसील मलिहाबाद जिला-लखनऊ। 3. मो0 आदिल पुत्र मो0 यूनुस निवासी ग्राम मण्डौली परगना व तहसील मलिहाबाद जिला-लखनऊ। 4. ग्राम सभा द्वारा ग्राम प्रधान ग्राम टिकैतगंज परगना व तहसील मलिहाबाद जिला लखनऊ।

...विपक्षीगण

अपील अन्तर्गत धारा 35 (2) उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 विरूद्ध माननीय नायब तहसीलदा मलिहाबाद लखनऊ द्वारा वाद सं 3582/2025 कम्पयूटरीकृत दावा सं0 टी 202510460103582 तय्यब् बनाम श्रीमती शांती देवी उर्फ शांति मे पारित निर्णय/आदेश दिनांक 22/07/2025

एसआईआर कार्य बहिष्कार कर लेखपालों ने दिया धरना

संवाददाता, मोहनलालगंज/सरोजनीनगर

अमृत विचारः फतेहपुर में लेखपाल की आत्महत्या के मामले में आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर शुक्रवार को मोहनलालगंज और सरोजनीनगर तहसील के एसआईआर कार्य का बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया।

मोहनलालगंज तहसील में लेखपालों ने मृतक के परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा व आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की। लेखपाल संघ ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। धरने में लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष अमरीश कुमार, महामंत्री विकास दीक्षित सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और लेखपाल शामिल रहे। सरोजनीनगर तहसील में अध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा के नेतृत्व में धरना दिया गया। संगठन की तहसील मंत्री नीतू यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष लेखपाल संघ सीतापुर सत्येंद्र कुमार यादव, जिला कनिष्ठ उपाध्यक्ष कुमार सौरभ, जिला उपमंत्री रंजीत वर्मा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष कुमार, कोषाध्यक्ष विश्राम, उप मंत्री अम्रतांजलि सिंह ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम अंकित शुक्ला को सौंपा।

मोहनलालगंज तहसील में धरना देते लेखपाल।

29 महिलाओं ने करवाई नसबंदी

अमृत विचार, लखनऊ : नसबंदी पखवाड़ा में काकोरी सीएचसी में 29 महिलाओं ने नसबंदी करवाई है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि नसबंदी पखवाड़ा दो चरण में मनाया जाना है। इसी के तहत 21 से 27 नवंबर तक मोबिलाइजेशन चरण और 28 नवंबर से चार दिसंबर तक सेवा प्रदायगी चरण होना है। शहर और ग्रामीण की प्रत्येक सीएचसी के अधीक्षक को पांच-पांच लोगों की नसबंदी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। काकोरी सीएचसी पर शुक्रवार को नियम सेवा दिवस या फिक्स्ड डे सर्विस आयोजित किया गया, जिसमें सर्जन डॉ. सुरेंद्र शाही ने 29 महिलाओं का नसबंदी का ऑपरेशन किया। इससे पहले भी 14 नवंबर को एफडीएस आयोजित हुआ था, जिसमें 16 महिलाओं ने नसबंदी को अपनाया था। मिशन परिवार विकास के तहत नसबंदी की सेवा अपनाने वाली महिलाओं को 2000 रुपये व आशा को प्रेरक के रूप में 300 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

कार्यालय नगर पंचायत लम्भुआ, सुलतानपुर

पत्रांक: 397 / न0पं0लम्भु0/नि0का0/2025-226 — दिनांक: 28/11/25

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना अनुदान-37. नगर निधि एवं बन्दन योजना मद से विभिन्न निर्माण कार्यो को कराये जाने हेतु प्रमुख सचिव महोदय के पत्र संख्या 3890/नौ -5-19-14 (स)/2019-20 दिनांक 20 सितम्बर, 2019 के क्रम में सिविल ठेकेदारों से दिनांक 01/12/2025 से दिनांक 22/12/25 को समय अपराह्न 12:30 तक ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती हैं, जो दिनांक 23/12/25 को अपराहन 3: 00 बजे नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर के सभाकक्ष में खोली जायेंगी। सम्बन्धित निविदा वेबसाइट etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है। 10 प्रतिशत जमानत राशि एफडीआर, टीडीआर, केवीपी अथवा एनएससी जो अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत लम्भुआ, सुलतानपुर के पक्ष में अनुबन्धित होगी। निविदा शुल्क की धनराशि नगर पंचायत लम्भुआ के भारतीय स्टेट बैंक शाखा लम्भुआ के खाता सं0-40056603223 IFSC Code-SBIN0011331 में जमा कर बैंक स्लिप टेक्निकल बिड के साथ में संलग्न करना आवश्यक होगा। टेक्निकल बिड कार्यालय नगर पंचायत लम्भुआ, सुलतानपुर में रखी सील्ड निविदा पेटिका में दिनांक 22/12/25 को समय 05: 00 बजे तक डाली जानी आवश्यक होगी।

निविदा की समय सारणी वेबसाइट etender.up.nic.in पर

01	वेबसाइट पर ई-निविदा प्रकाशन की तिथि / समय	01/12/25
02	ई-निविदा डाउनलोड/अपलोड की प्रारम्भ तिथि / समय	01/12/25 को 10:00 बजे से।
03	निविदा डाउनलोड/अपलोड की अन्तिम तिथि / समय	22/12/25 को 12: 30 बजे तक।
04	ई-निविदा की तकनीकी बिड खोलने की तिथि/समय	23/12/25 को 03: 00 बजे।
05	ई निविदा की वित्तीय बिड खोलने की तिथि / समय	तकनीकी बिड निरीक्षणोपरान्त ।
06	कार्य के निविदा स्कैन आर्नेस्टमनी एवं निविदा शुल्क की मूल प्रति कार्यालय नगर पंचायत में जमा करने की अन्तिम तिथि/समय	22/12/25 को 05: 00 बजे।

निविदा की नियम व शर्ते किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में अथवा बेवसाइट पर देखी जा सकती है।

(अमित कुमार सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत लम्भुआ, सुलतानपुर

(अवनीश कुमार)
अध्यक्ष
नगर पंचायत लम्भुआ, सुलतानपुर

गर्भवती पत्नी से छुटकारा पाने को अपहरण की कहानी रच मैकेनिक गायब

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- किशोर को दो हजार देकर पत्नी को भिजवाया संदेश
- इंदिरानगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर खंगाले फुटेज

अमृत विचारः इंदिरानगर में बाइक मैकेनिक ने गर्भवती पत्नी से छुटकारा पाने के लिए खुद के अपहरण की कहानी रची। पत्नी को सूचना देने वाले किशोर के विरोधाभासी बयान व फुटेज से साफ हो गया कि अपहरण नहीं हुआ था। पुलिस ने शुक्रवार शाम को सीसी फुटेज की मदद से अपहरण की कहानी रचने वाले मैकेनिक को बरामद कर लिया।

इंस्पेक्टर इंदिरानगर सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि खुर्रमनगर स्थित अबरार नगर ढाल के पास रहने वाला फुरकान बाइक मैकेनिक है। 26 नवंबर की देर शाम करीब 7:30 बजे वह अपने एक नाबालिग साथी के साथ जा रहा था। कुछ देर बाद साथी भागकर फुरकान की गर्भवती पत्नी आयशा के पास पहुंचा। कहा कि वह फुरकान के साथ सीमैप की तरफ जा रहा था। इस बीच थूकने को लेकर कार सवार तीन-चार लोगों से विवाद हो गया। उन लोगों ने फुरकान को पीटा और कार से अगवा कर भाग निकले।

यह सुनकर आयशा ने फुरकान को कॉल की तो नंबर स्विच आफ था। खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चलने पर देर रात इंदिरानगर थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की। इंस्पेक्टर ने मामले की जानकारी एसीपी गाजीपुर अनिंद्य विक्रम सिंह को दी। जिसके बाद अपहृत की सकुशल बरामदगी के लिए दो टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आस पास सीसी कैमरों की पड़ताल की।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मेरे पुत्र मोहम्मद कमाल के पासपोर्ट सं0-V0489973 में त्रुटिवश मेरा नाम FATIMA KHATOON अंकित हो गया है। इसे संशोधित कर मेरा सही नाम FATIMA लिखा व पढ़ा जाये। FATIMA w/o RAHMAT ALI नि0- नदवा कालोनी, महिपत मऊ, लखनऊ

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सूचित हो कि मेरे पासपोर्ट सं0 - L3723952 में मेरे पति का नाम त्रुटिवश ATIQUR RAHMAN अंकित हो गया है। इसे सही कर उनका सही नाम ATEEQUR RAHMAN लिखा व पढ़ा जाये। SUBEENA KHATOON नि0- नदवा कालोनी महिपत मऊ, लखनऊ ।

सूचना
मैने अपना नाम ATIQUR RAHMAN से बदलकर ATEEQUR RAHMAN रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये । पुत्र श्री रहमत अली नि0- नदवा कालोनी, महिपतमऊ, काकोरी, लखनऊ।

सूचना
पहले मेरा नाम ABDUL RASHEED था अब मैने बदल कर अपना नाम ABDUR RASHID रख लिया है भविष्य में मुझे ABDUR RASHID के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O ABDUL GANI R/O -POST MIJHAURA MIJGHAODA MIJHAURA AMBEDKAR NAGAR 224152

सूचना
सूचित हो में **रामू पुत्र राम सिंह वर्मा व विन्धेश्वरी (पत्नी) निवासी- संत रविदासनगर नगर 10 नं0 गली, हजरतगंज लखनऊ,** अपने पुत्र गौरव व पुत्र वधू सुलेखा (दीपिका) के अनैतिक कृत्य से क्षुब्द हूँ, इनके द्वारा किये गये कृत्यों एंव संव्यवहारो से हमारा कोई वास्ता सरोकार नहीं है, इन दोनों का हमारी चल व अचल सम्पत्ती से कोई हिस्सा व वास्ता नही है।

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD EHTISHAM से बदलकर EHAT RAM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-FARAHAD ADD-GRAM TIRGAWAN, POST-RAHIMABAD, DIST-LUCKNOW-227117 (U.P.)

सूचना
मैं **प्रीती देवी पुत्री भौना निवासी लमियारी थाना सरधुवा जिला चित्रकूट** की निवासी हूं। मेरा यू0पी0बोर्ड हाईस्कूल वर्ष 2021 जिसका रोल नं0 211511838 की मूल मार्कसीट वास्तव में खो गयी है । मो0 नं0 7228002160 पर सम्पर्क करें, या नजदीकी पुलिस स्टेशन में जमा करे।

सूचना
मेरे पुत्र अविरल दिवाकर मिश्र पुत्र अनिल कुमार मिश्र जन्मतिथि 2 जुलाई 2008 निवासी मोहल्ला काशीपुर कस्बा, पोस्ट व कोतवाली रुदौली जनपद अयोध्या का आधार कार्ड नंबर 8147 52 364116 में गलत नाम सबल अंकित है। सही नाम अविरल दिवाकर मिश्रा है। **अनिल कुमार मिश्रा पुत्र श्री दिवाकर मिश्रा मोहल्ला काशीपुर कस्बा पोस्ट रुदौली अयोध्या।**

सूचना
सूचित हो कि, मैं Rafiq Ahmad Urf Rafiquddin पुत्र मोहम्मद इस्लाम, निवासी:- ककरा पोखर, पथरा बाजार, कहारपुरवा, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश-272153 का हूँ, मेरा पूरा सही नाम Rafiq Ahmad Urf Rafiquddin हैं, त्रुटिवश मेरे पासपोर्ट में Rafiquddin अंकित हो गया हैं, जो कि यह मेरा नाम घर में पुकारने वाला हैं, मेरे सारे दस्तावेजों पासपोर्ट, पैन कार्ड में मेरा नाम Rafiq Ahmad Urf Rafiquddin हैं, अतः मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम Rafiq Ahmad Urf Rafiquddin अंकित किया जाये ।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या

पत्रांक 7034 / 2काम अयो0अम्बे0वृत्त / 25 — दिनांक 27.11.2025

ई-निविदा सूचना

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदया की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या द्वारा निम्न कार्य हेतु आनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in एवं प्रहरी पोर्टल के माध्यम से मार्ग कार्य में लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार से प्रतिशत दर के आधार पर दिनांक 29.11.2025 से 08.12.2025 को अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा दिनांक 08.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे आनलाईन खोली जायेगी।

क्रम सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू0 लाख में (जी0एस0टी0 छोड़ते हुये)	धरोहर राशि (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित	पात्र ठेकेदार की श्रेणी	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ताा का पता	अधीक्षण अभियन्ताा का पता	मुख्य अभियन्ताा का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विधानसभा क्षेत्र:- बीकापुर										
1	अयोध्या	बीकापुर इनायत नगर मार्ग से महादेवन मंदिर तक सम्पर्क मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	75.00	5.75	2714.00	06 माह	A and B	अधिशासी अभियन्ता, प्रा0 खण्ड, लो0नि0वि0, अयोध्या	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0 , अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
2	अयोध्या	भदरसा से दोस्तपुर स्थित शत्रुघ्नकुंड तक सम्पर्क मार्ग।	95.00	6.75	2714.00	06 माह	A and B	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-
3	अयोध्या	जनपद अयोध्या में मार्ग एन0एच0-27 से सीवार हनुमानगढ़ी सम्पर्क मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	350.00	19.50	2714.00	12 माह	A	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-

बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुये लगायी गयी है।
बिड डाक्यूमेन्ट की धनराशि (निविदा शुल्क) कालम 6 के अनुसार केवल नेट बैंकिग के माध्यम से ऑन लाईन यू0पी0 ई-टेण्डर पोर्टल खाता में देय होगा।
निविदा शुल्क की धनराशि की वापसी नहीं की जायेगी।
बिड डाक्यूमेन्ट से सम्बन्धित धरोहर धनराशि कालम 5 के अनुसार केवल नेट बैंकिंग के माध्यम से आनलाईन यू0पी0 ई-टेण्डर पोर्टल खाता में देय होगा।
निविदा आनलाईन दिनांक 29.11.2025 से डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 08.12.2025 के अपरान्ह 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है।
उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 08.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी। शासनादेश सं0 1/2018/3070/78-2 -2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।
निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्तें https://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0,
अयोध्या

UP-241736 दिनांक 28.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार में लाल-नीली बत्ती और पीकैप रखकर गांठा रौब, गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- घंटाघर के पास चाय के होटल पर कराया अपना स्वागत, वीडियो वायरल
- कार, बत्ती व पीकैप बरामद, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचारः होटल मैनेजर का बेटा आरिश किदवई ने कार में लाल-नीली बत्ती लगाकर रौब गांठता रहा। बत्ती लगी कार से चाय बेचने वाले अपने साथी की जोकर की चाय दुकान ठाकुरगंज घंटाघर पर पहुंचा। कार की डैश बोर्ड पर पुलिस की पी-कैप रखी है। वहां दोनों का माला पहनाकर स्वागत करने के साथ ही लोगों ने बुके दिया। शुक्रवार को वीडियो एक्स पर वायरल हुआ। वायरल वीडियो का अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। छानबीन की तो पता चला कि आरोपी ने इलाके में भौकाल बनाने के लिए कार में नीली लाल बत्ती लगवायी थी। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर कार, बत्ती और पी-कैप बरामद कर ली है।

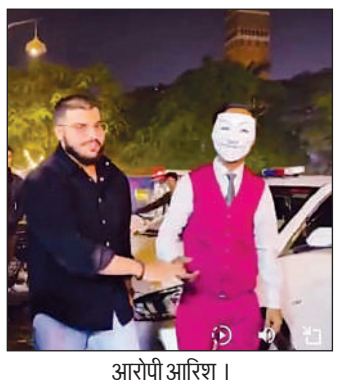

आरोपी आरिश।

इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ओमवीर सिंह चौहान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आरिश वजीरगंज के मशकगंज स्थित पत्थर वाली गली का रहने वाला है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके बाबा पुलिस विभाग में थे। पिता अंसार किदवई होटल में मैनेजर हैं। कार आरिश के नाम से है। उसने फर्जी तरह से उसमें नीली-लाल बत्ती लगा रखी थी। आरिश को गिरफ्तार कर उसकी गाड़ी सीज कर दी गई है। वायरल वीडियो में आरिश के साथ उसका चाय दुकानदार भी दिख रहा है। उसने अपने चेहरे पर जोकर का मुखौटा लगा रखा है। दोनों कार से चाय की दुकान पर उतरते हैं। आस पास खड़े लोग दोनों को माला पहनाकर उन्हें बुके देते हैं। इसके बाद जोकर चाय वाला दोस्त चाय बनाता है और आरिश मजे से पीता है।

डिफ्रेंशिएटेड केयर से घटेगी टीबी मृत्यु दर : डॉ. उर्वशी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उत्तर भारत के सात राज्यों के अधिकारियों को लखनऊ में मिला प्रशिक्षण
- केजीएमयू के डॉ. सूर्यकांत और हरियाणा के डॉ. राजेश राजू को किया गया सम्मानित

अमृत विचार : डिफ्रेंशिएटेड टीबी केयर (विभेदित टीबी देखभाल) की जानकारी देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग की उपमहानिदेशक डॉ. उर्वशी बी. सिंह ने कहा कि गंभीर टीबी मरीजों की समय पर पहचान, उन्हें उपयुक्त ओपीडी व आईपीडी सेवाओं से जोड़ना और उपचार परिणामों में सुधार लाना प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इस मॉडल से टीबी से होने वाली मृत्यु दर में खासी कमी लाई जा सकती है।

डॉ. उर्वशी लखनऊ में डिफ्रेंशिएटेड टीबी केयर विषयक दो दिन प्रशिक्षण कार्यशाला में संबोधित कर रही थीं। इसमें उत्तर भारत के सात राज्यों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय उपमहानिदेशक ने बताया कि विभेदित टीबी देखभाल तथा ड्रग रेजिस्टेंट टीबी (डीआर-टीबी) की नई गाइडलाइंस जारी हो चुकी हैं।

प्रशिक्षण कार्यशाला में टीबी चैंपियन की भूमिका को मजबूत करने, उन्हें पुनः सक्रिय करने और उनका इन्सेंटिव बढ़ाने को लेकर सेंट्रल टीबी डिवीजन के संयुक्त आयुक्त डॉ. संजय मट्टू ने कहा कि गतिविधि-आधारित मानदेय पर विचार किया जा सकता है।

डिफ्रेंशिएटेड टीबी केयर विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला में शामिल विभिन्न राज्यों के अधिकारी। अमृत विचार

कार्यशाला में केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत और हरियाणा के राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. राजेश राजू को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय टीबी टास्क फ़ोर्स के चेयरमैन डॉ. अशोक भारद्वाज और वाइस चेयरमैन डॉ. राजेंद्र प्रसाद भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों ने भागीदारी की।

बिना बताए गायब रहने वाले सात डॉक्टर बर्खास्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गैर हाजिर रहने वाले डॉक्टरों को बख्शा नहीं जाएगा : ब्रजेश पाठक

अमृत विचार : प्रदेश में बिना बताए लगातार गायब रहने वाले स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों को तलाश कर, उनके खिलाफ राज्य सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। उक्त क्रम में ही उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले सात डॉक्टरों को सेवा से बर्खास्त करने के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद अपर मुख्य सचिव स्तर पर कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। साथ ही लापरवाही बरतने वाले अन्य कर्मचारियों पर भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर बर्खास्त होने वालों में सबसे अधिक चार डॉक्टर मैनपुरी हैं। इनमें डॉ. शरद कुमार गुप्ता, डॉ. राजेन्द्र कुमार मौर्य, डॉ. ललित कुमार पाण्डेय और डॉ. अरूण कुमार सिंह शामिल हैं। इसी प्रकार सहारनपुर के डॉ. भवनेश कपूर के खिलाफ बर्खास्त किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कुशीनगर के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष त्रिपाठी और बाराबंकी में तैनात डॉ. वेंकटेश श्रीवास्तव के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अनुशासनहीनता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बिना बताए गायब रहने वाले चिकित्सकों की तलाश की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

युवाओं को रोजगार से जोड़ना प्राथमिकता

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य को गति देने के लिए कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सिर्फ प्रशिक्षण नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार से जोड़ना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने सेवा मित्र पोर्टल को और सशक्त बनाने तथा अधिक से अधिक आईटीआई और कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षित युवाओं को जोड़ने पर जोर दिया। कौशल विकास राज्यमंत्री शुक्रवार को उप्र. कौशल विकास मिशन मुख्यालय में विभागीय समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्लेसमेंट, उद्योग सहभागिता, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और निजी तथा औद्योगिक संस्थानों के सहयोग की विस्तृत समीक्षा की गई।

मायके में रह रही महिला ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, हरदोई : ग्राम शाहपुर गंगा में संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला का शव लटका मिला। ग्राम शाहपुर गंगा निवासी रजेपाल की पुत्री अंशु देवी जिसकी शादी लगभग 10 वर्ष पूर्व इसरापुर निवासी प्रमोद के साथ हुई थी। शादी के बाद विवाद हो जाने के बाद से मायके में अंशु देवी रह रही थी और मानसिक तनाव में रहती थी। गुरुवार की रात को जिंगला में रस्सी का फंदा लगाकर जान दे दी। शुक्रवार की सुबह परिजनों को जानकारी हुई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ठग ने बांटी थी 70 से अधिक डीपीएस स्कूलों की फ्रेंचाइजी

फ्रेंचाइजी के नाम पर स्कूल मालिकों से ठगे करोड़ों रुपये

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- साझीदार की तलाश में दबिश दे रहीं पुलिस टीमें
- रुपये के विवाद में साझीदार से खराब हो गए थे रिश्ता

अमृत विचार: नीट में पास कराने के नाम करोड़ों की ठगी करने वाले जालसाज ने दिल्ली पब्लिक स्कूल जूनियर की 70 से अधिक फ्रेंचाइजी बांट दी थी। इसके नाम पर करोड़ों रुपये ठगे थे। इसमें उसका साझीदार मदद करता था, लेकिन रुपये के विवाद में दोनों के रिश्ते खराब हो गए। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित के मुताबिक प्रेम प्रकाश के साझीदार की तलाश में टीमें लगी हैं। उसके पकड़े जाने पर कई और राज सामने आयेंगे।

डीसीपी क्राइम के मुताबिक अभिनव शर्मा उर्फ प्रेम प्रकाश विद्यार्थी नीट से परीक्षार्थियों को दाखिला दिलाने के साथ डीपीएस जूनियर की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर भी स्कूल मालिकों को फंसाता था। कई महीनों में अभिनव ने पार्टनर की मदद से 70 से ज्यादा स्कूलों को डीपीएस जूनियर की फ्रेंचाइजी बांट दी थी। एक फ्रेंचाइजी देने के नाम पर 4-5 लाख रुपये वसूलता था। पूछताछ में अभिनव ने बताया कि साझीदार से उसका रुपये को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद दोनों के रिश्ते खराब हो गये। किन लोगों को स्कूल की फ्रेंचाइजी दी है, उनका नाम नहीं पता है। इसकी पूरी डिटेल साझीदार के पास है। साझीदार की तलाश में दो टीमों को लगाया गया है। उसके पकड़े जाने पर साफ होगा कि फ्रेंचाइजी किस आधार पर बांटते थे। साथ ही अभिनव के साथ काम करने वालों की तलाश में लगातार सर्विलांस टीम काम कर रही है और जो भी शिकायतें ठगी की आ रही हैं, उनकी भी विवेचना साथ में ही की जा रही है।

तीन खातों का खुलासा, जुटाई जा रही डिटेल

डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित के मुताबिक अभिनव तीन लोगों के नाम पर खाते चलाता था। जिनमें वह ठगी की रकम मंगाता था। उन खातों की डिटेल बैंक से मांगी गई है। उससे यह पता चल सकेगा कि किन-किन स्कूलों से फ्रेंचाइजी की रकम उन खातों में आती थी। उस आधार पर स्कूलों के बारे में जानकारी मिल सकेगी। यही नहीं खाता धारकों के पते पर एक टीम लगाया गया है, अगर वह मिलते हैं, तो उनको दबोचा जाएगा। अभिनव ठगी से आने वाली रकम से क्रिप्टो करेंसी भी खरीदता था। फिर उन्हें बेचकर अलग-अलग तरह से खातों में मंगवाता था, जिससे उस रकम से संपत्ति या जेवरात खरीद सके। संपत्ति का ब्योरा जुटाने के लिए बिहार व अन्य जिलों से संपर्क किया गया है।

इस तरह करता था ठगी

वर्ष 2025 के मई से जून महीने के बीच गिरोह सक्रिय हुआ था। उसने स्टडीपाथ-वे के नाम से विभूतिखंड स्थित निजी परिसर में आफिस खोला था। इसके बाद जालसाजों ने नीट परीक्षा में कम नंबर लाने वाले बच्चों का डेटा निकाला, फिर उनसे संपर्क कर मेडिकल कालेज में दाखिला दिलाने का झांसा देकर फंसाया। साथ ही परीक्षा पास करवाने के नाम पर वेबसाइट बनाकर भी लोगों को फंसाया था।

दवाओं के अवैध व्यापार में होगी गैंगस्टर की कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कोडीनयुक्त कफ सिरप रखने पर लाइसेंस होंगे निरस्त

अमृत विचार : कोडीनयुक्त कफ सिरप और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध भंडारण, बिक्री और गैर-चिकित्सकीय उपयोग पर प्रभावी रोक लगाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान बार-बार वही फर्म या व्यक्ति दवाओं के अवैध व्यापार में शामिल पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में भी कार्रवाई की जा सकती है।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने शुक्रवार को जारी निर्देशों में कहा कि हाल के निरीक्षणों में प्रतिबंधित दवाओं के अलावा नारकोटिक्स श्रेणी की दवाएं बिना चिकित्सकीय परामर्श के बिक्री करने आदि गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान कई मेडिकल स्टोर केवल 'बिलिंग पॉइंट' के रूप में कार्य कर रहे थे। भौतिक रूप से अस्तित्व में ही नहीं थे। औषधियों के क्रय-विक्रय अभिलेख उपलब्ध नहीं पाए गए। इतना ही नहीं, जांच में यह स्पष्ट हुआ कि कुछ फर्में इन औषधियों का गैर-चिकित्सकीय उपयोग के लिए संगठित अवैध डायवर्जन कर इन्हें नशे के रूप में युवाओं में खपाने में शामिल थीं। ऐसी सभी पुष्टि होने पर संबंधित संचालकों पर सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर दी गई है। आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने पकड़ी गई फर्मों के लाइसेंस तत्काल निरस्त करने समेत थोक लाइसेंसिंग में मानक तय करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पंजीकृत फार्मासिस्ट को प्राथमिकता मिले, अनुभव प्रमाण-पत्र का सत्यापन अनिवार्य किया जाए और नई लाइसेंसिंग के निरीक्षण में जियो-टैग फोटो अनिवार्य किया जाए।

कोडीनयुक्त दवाओं के दुरुपयोग पर सख्ती

डॉ.रोशन जैकब ने कहा है कि कोडीनयुक्त कफ सिरप विशेषकर किशोर और युवा वर्ग में नशे का माध्यम बनती जा रही है, जो गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न करती हैं। इसलिए अवैध व्यापार पर कड़ी निगरानी और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। सभी अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे इन औषधियों के अवैध भंडारण, बिक्री और वितरण पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए निरंतर अनुश्रवण और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

वरिष्ठ नागरिकों को मिले सुविधा, रोडमैप तय

अमृत विचार, लखनऊ : वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मान को मजबूत आधार देने के लिए समाज कल्याण विभाग की ओर से शुक्रवार को निदेशालय समाज कल्याण में उप्र. राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति 2016 की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव वेंकटेश्वर लू ने की। बैठक में वरिष्ठ नागरिक महासमिति के अध्यक्ष श्यामपाल सिंह और निदेशक समाज कल्याण कुमार प्रशांत भी मौजूद रहे। बैठक में वरिष्ठ नागरिक महासमिति द्वारा बीती 23 अप्रैल को आयोजित वार्षिक अधिवेशन में प्रस्तुत सुझावों, मांगों और प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही 17 मार्च 2023 को हुई वरिष्ठ नागरिक राज्य परिषद की बैठक में दिए गए निर्देशों की विभागवार समीक्षा की गई।

कार्यालय उपनिदेशक (वि0/याँ0)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0
किसान मण्डी भवन, गोमती नगर लखनऊ
Office E-mail ld-ddemlucknow.gmail.com

पत्रांक– वि0/याँ0(325)/2025–787 दिनांक: 28/11/2025

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई–निविदायें (E-Tendering) के माध्यम से मण्डी परिषद में पंजीकृत अनुभवी, वित्तीय रूप से सुदृढ फर्म/ठेकेदारों से एवं परिषद आदेश पत्रांक मु0अभि0 (पंजी0–नि0–1168–भाग–4)/2023–217 दि0 29.05.2023 तथा पत्रांक मु0अभि0ग्रेड–2/ (1168/भाग–4/2005)/2022–641 दि0 11.08.2022 के क्रम में PWD, RED, UPRNN, UPPCL के वांछित श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी एवं वित्तीय रूप से सुदृढ़ फर्म/ठेकेदारों से Two Bid system i.e (Technical Bid, Financial Bid) के माध्यम से दिनांक 20.12.2025 को आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन पूर्वान्ह 10.30 बजे ई–टेन्डर के माध्यम से ऑनलाइन कार्यालय उप निदेशक (वि0/यां0), राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, लखनऊ में खोली जायेगी। उक्त निविदाये दिनाँक 19.12.2025 को अपरांड 5.00 बजे तक वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर ऑनलाइन भरकर अपलोड की जा सकती है।

ई–निविदा शुल्क (18% जी0एस0टी0 सहित) की धनराशि का आनलाइन भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग/RTGS/NEFT के माध्यम से उप निदेशक (वि0/यां0), राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, लखनऊ के बचत खाता सं0–30396156486, IFS Code-SBIN 0050643 तथा धरोहर धनराशि का भुगतान बचत खाता सं0–30396156861, IFS Code-SBIN 0050643 भारतीय स्टेट बैंक शाखा पिकप, लखनऊ में करना अनिवार्य होगा। बैंक से प्राप्त रसीद एवं समस्त आवश्यक प्रपत्र ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य है।

क्र0 सं0	कार्य स्थल का नाम	निविदा शुल्क (GST सहित)	धरोहर धनराशि (लाख में)	अनुमानित लागत (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	श्रेणी
1	नवीन मण्डी स्थल पलिया कलां (लखीमपुर) Tender ID-2025_RKUMP_1094194 पूर्व से निर्मित एल0टी0 लाइन की मरम्मत, टूटे टेढे पोलों को बदालने, एल0ई0डी0 स्ट्रीट लाइट की मरम्मत आपूर्ति/स्थापना एवं केबलिंग आदि के कार्य।	2000.00	1.11	1109460.00	03 माह	ब
2	नवीन मण्डी स्थल मोहम्मदी (खीरी) Tender ID-2025_RKUMP_1094195 पूर्व से निर्मित एल0टी0 लाइन की मरम्मत, हाईमास्ट पर लगी फ्लड एल0ई0डी0 लाइट की मरम्मत एवं 01 नग वाटर कूलर की आपूर्ति / स्थापना आदि के कार्य।	2600.00	1.42	1418580.00	03 माह	ब
3	नवीन मण्डी स्थल लखीमपुर Tender ID-202_RK UMP_1094197 आवास, मण्डी समिति ऑफिस, ए0पी0एफ0 में आन्तरिक विद्युतीकरण, हाईमास्टों में लगी फ्लड लाइटों की मरम्मत, पोलों पर एल0ई0डी0 स्ट्रीट लाइट की मरम्मत, हाईमास्ट में 16 नग नई एल0ई0डी0 फ्लड लाइट, पोलों पर नई एल0ई0डी0 स्ट्रीट लाइट एवं 15 एच0पी0 सबमर्सिबल पम्प की आपूर्ति / स्थापना एवं तत्सम्बन्धी अन्य कार्य।	8600.00	4.45	4803721.00	04 माह	अ

शेष नियम व शर्ते वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
उपनिदेशक (वि0याँ0)

12 बजे के बाद डीजे न बजाने पर मारी गोली, मौत

संवाददाता, अतरौली/हरदोई

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के ग्राम शाहपुर मजरा नेवादा विजय में गुरुवार की रात शादी समारोह में जयमाला कार्यक्रम के बाद 12 बजे डीजे बंद कर दिया गया। डीजे को दोबारा न बजाने पर बरातियों ने डीजे मालिक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इससे गांव में हड़कम्प मच गया और बराती भाग गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने दूल्हे को हिरासत में ले लिया। जयमाल के बाद कोई रस्म नहीं हो सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। शुक्रवार की सुबह पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, एसपी पूर्वी सुबोध गौतम, क्षेत्राधिकारी सण्डीला संतोष कुमार सिंह घटना स्थल पर पहुंच कर घटना की तफ्तीश किया। मृतक के पुत्र अमित ने दूल्हे के जीजा और जीजा के भाई पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दिया है।

अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम शाहपुर मजरा नेवादा विजय में बुधवार की रात टीकाराम रैदास की पुत्री की शादी थी। बारात लखनऊ जनपद के जेहटा से आई थी। इसमें अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम बरगदी निवासी पुत्तीलाल का डीजे बुकिंग पर डीजे कर्मचारी रिंकू और अरुण बजाने आये थे।

8.66 करोड़ गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- निर्वाचन आयोग ने अधिकारियों के साथ की एसआईआर की समीक्षा

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग ने उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और सभी मंडलायुक्त व जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रगति की समीक्षा की। आयोग ने प्रदेश में डिजिटाइजेशन के कार्य में बीते दो दिनों में हुई प्रगति की सराहना की और कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए और तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि एसआईआर के दौरान गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन एवं संग्रह के कार्य में लगे कार्मिक पूरी निष्ठा एवं मेहनत के साथ पूरा कर रहे हैं। प्रदेश में अब तक 8.66 करोड़ (लगभग 56 प्रतिशत) मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि गणना प्रपत्र संग्रह करने की अंतिम तिथि नजदीक आ रही है, शेष बचे हुए मतदाताओं से यथाशीघ्र गणना प्रपत्र संग्रह कराया जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में गणना प्रपत्रों के संग्रह में तेजी लाएं, जिन बूथों पर प्रगति अपेक्षाकृत कम है, वहां बीएलओ को प्रोत्साहित करते हुए अतिरिक्त दक्ष कार्मिकों की सहायता ली जाए।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा। अमृत विचार

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक !
pnb punjab national bank ...the name you can BANK upon!

तनावग्रस्त अस्तियां प्रबन्धन, मण्डल कार्यालय : लखनऊ
विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ-226010

वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम-2002(सरफेसी एक्ट 2002) धारा 13(2) के अन्तर्गत मांग नोटिस

आप सभी निम्नलिखित पार्टियों को एतदद्वारा अधोहस्ताक्षरी सूचित करता है कि आप सभी के खिलाफ बैंक ने वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के अन्तर्गत कारवाई प्रारम्भ करते हुए एक्ट की धारा 13 (2) के अन्तर्गत आप सभी को अलग-अलग रजिस्ट्रर पोस्ट द्वारा नीचे वार्णित तिथियों को नोटिस भेजी गई थी जोकि बगैर तामील हुए वापस आ गई है। इसलिए आप सभी को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि इस नोटिस के 60 दिन के अन्दर आप संयुक्त/पृथक रूप से बकाया राशि अदा कर दें अन्यथा बैंक इस एक्ट की धारा 13 (4) के अन्तर्गत निम्नलिखित सम्पत्तियों के प्रति बकाया राशि मय ब्याज व एक्ट के अन्तर्गत अपेक्षित लागत की वसूली के लिए कार्यवाही शुरू कर देगा। यह कहना आवश्यक नही है कि बैंक के पास और कोई उपाय न होने के कारण यह सूचना बगैर किसी पूर्वाग्रह के जारी की जा रही है। ऋणियों, जमानतकर्ताओं, बन्धककर्ताओं तथा जनसाधारण को आगाह किया जाता है कि निम्नलिखित सम्पत्तियों के प्रति कोई संव्यवहार न करें और इन सम्पत्तियों के प्रति किये गये संव्यवहार पर यदि कोई कार्य होता है, तो ब्याज सहित बैंक की बकाया राशि हेतु पहला अधिकार पंजाब नैशनल बैंक का होगा।

खाता/उधारकर्ता/जमानतकर्ता का नाम एवं पता	बंधक सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	नोटिस की धनराशि (रू.)
उधारकर्ता– मेसर्स एम आई हैंडलूम स्टोर (प्रोप मोहम्मद इरफान) पताः ग्राम पी–656, पीरबटावन नई बस्ती, बाराबंकी 225001 **जमानतकर्ता– 1.मोहम्मद रसीद पुत्र मोहम्मद नजीर, 2. मोहम्मद वसीम पुत्र मोहम्मद नजीर** दोनों का पता ग्राम पी–656, पीरबटावन नई बस्ती, बाराबंकी 225001, खाता नंबर **07504015000823** शाखाः (185800)–एमएम मार्केट बाराबंकी।	सभी भाग एवं हिस्सों सहित मकान स्थित खसरा नंबर 26(एम) नई बस्ती पीरबटावन, परगना एवं तहसील नवाबगंज, जिला बाराबंकी क्षे. 1188.00वर्गफीट जोकि मोहम्मद रसीद और मोहम्मद वसीम, दोनों पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद नजीर के नाम पर है। चौहददी (विलेख के अनुसार)–पूर्व–मुस्लिम का मकान, पश्चिम –रियाज का प्लॉट, उत्तर–12 फीट रोड, दक्षिण–भोग नाथ का खेत।	17-10-2025	दि. 30.09.2025 को रू. 38,30,633/- +सहित ब्याज दिनांक 01-10-2025 से प्रभावी एवं अन्य खर्चे

आप को सलाह दी जाती है। कि – (1) मूल नोटिस/लिफाफा जो आपको सम्बोधित है तथा डाक अधिकारियों द्वारा वापस की गई है, को शाखा से प्राप्त कर लें एवं (2) सरफेसी एक्ट 2002 के अन्तर्गत कार्यवाही से बचने के लिए नोटिस जारी होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर सम्पूर्ण बकाया धनराशि ब्याज एवं अन्य खर्चे सहित का भुगतान कर दें।

दिनांक 29.11.2025 स्थानः लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी

अमित ही कर रहा था फेंसेडिल सिरप का अवैध कारोबार

दूसरे के चेहरे पर करोड़ों के सिरप का किया था भंडारण, बर्खास्त सिपाही की तलाश, पूछताछ करेगी एसटीएफ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पूछताछ में खुद को बताया मेडिकल स्टोर संचालक

अमृत विचार: फेंसेडिल सिरप व कोडिन युक्त दवाओं की तस्करी गिरोह के मास्टर माइंड शुभम का करीबी अमित ने एसटीएफ की पूछताछ में कई राज उगले। इसमें सामने आया कि अमित ही अवैध कारोबार कर रहा था। गिरोह में उसका स्थान शुभम के बराबर था। पूर्वांचल के पूर्व बाहुबली सांसद की सरपरस्ती के कारण कोई उसका विरोध नहीं करता था। पकड़े जाने पर खुद को मेडिकल स्टोर संचालक बताया। एसटीएफ बर्खास्त सिपाही की तलाश कर रही है।

जौनपुर के सुरेरी स्थित भोड़ा सीटूपुर गांव निवासी अमित कुमार सिंह टाटा फेंसेडिल सिरप तस्करी गिरोह का बराबर का हिस्सेदार था। पूर्वांचल के पूर्व बाहुबली सांसद के दम पर कुछ ही दिन में गिरोह को अपने कमांड में ले लिया। बांग्लादेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में तस्करी होने से पहले अमित को पूरी जानकारी दी जाती थी। एसटीएफ ने जांच शुरू की तो एबॉट कंपनी को पत्र लिखा गया था। जिसके बाद कफ सीरप बनाना बंद कर दिया था, लेकिन कंपनी के अधिकारियों से मिलकर 150 करोड़ से ज्यादा की सीरप का भंडारण अमित ने कर लिया था। लाभ ज्यादा होने के कारण किस्तों में तस्करी की जाने लगी। एसटीएफ की जांच तेज हुई तो प्रदेश के कई इलाकों में तस्करी का माल पकड़ा जाने लगा। इस दौरान चार प्रमुख लोगों की गिरफ्तारी हुई। इसके बाद सप्लाई बंद कर दी गई थी। पूछताछ में अमित ने कुबूल किया कि पकड़ में न आये इसके लिए दूसरे का चेहरा प्रयोग करने लगा। एएसपी लाल प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। तस्करी के पीछे जो प्रमुख व्यक्ति है, चाहे वह कोई भी हो, उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही बना मददगार : पुलिस के मुताबिक गिरोह को चलाने के लिए विभागीय लोगों की भी मदद ले रहा था। विभाग में तैनात कुछ पुलिसकर्मी अंदरखाने की रिपोर्ट भी गिरोह को देते थे। इसमें एसटीएफ के बर्खास्त सिपाही का नाम सामने आया है। उसने रिपोर्ट दर्ज होने के बाद जांच में क्या चल रहा है। इसकी जानकारी देनी शुरू की। एएसपी लालप्रताप सिंह के मुताबिक बर्खास्त सिपाही के खिलाफ जांच चल रही है। जो भी तथ्य सामने आयेंगे। उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। आरोपी सिपाही की तलाश भी की जा रही है। जल्द ही उससे एसटीएफ की विशेष टीम पूछताछ करेगी।

पूर्व बाहुबली सांसद व भाजपा विधायक ने कहा था छोटा भाई

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में चंदौली के भाजपा विधायक अमित सिंह टाटा को अपना छोटा भाई बता रहे हैं। वहीं, एक अन्य वीडियो में जौनपुर के पूर्व सांसद व बाहुबली भी अमित टाटा को अपना छोटा भाई कहते दिख रहे हैं। एसटीएफ को अमित सिंह टाटा से एक फॉर्च्यूनर गाड़ी मिली है, जिसका नंबर 9777 है। यह नंबर बाहुबली सांसद की सभी गाड़ियों का होता है, जो अमित सिंह टाटा की करीबी होने का प्रमाण है। यह गाड़ी अमित की पत्नी साक्षी सिंह के नाम पर है और अक्सर बाहुबली सांसद के काफिले में चलती थी।

दुबई तक बनाई करोड़ों की संपत्ति

जांच में सामने आया कि फेंसेडिल सिरप बनाने वाली कंपनी एबॉट ने फर्जीवाड़े के कारण उत्पादन बंद कर दिया था। देश के पांच पांच सुपर स्टॉकिस्ट में से दो फर्म शुभम जायसवाल के सिंडिकेट की थीं। दुबई में बैठे शुभम ने वाराणसी से लेकर मुंबई और दुबई तक करोड़ों की प्रॉपर्टी बनाई है। शुभम ने अमित सिंह टाटा को दो बार दुबई और पटाया की सैर भी करवाई है। इस बीच अमित सिंह टाटा और शुभम जायसवाल का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें अमित अपने साथियों के साथ एक युवक की मारपीट करते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो वाराणसी के रोहनिया का बताया जा रहा है। पुलिस अब लुक आउट नोटिस के जरिए दुबई भाग चुके किंगपिन शुभम जायसवाल को पकड़ने की कोशिश कर रही है, जिसकी तस्वीरें पूर्व बाहुबली सांसद के साथ भी हैं।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

Admin Unit/Zone	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
Auction catalogue No./Lot no.	PFM-PLP-Ctg
Description of Work	Allotment of catering Stall at various stations of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
Catalogue Published on	21.11.2025
Auction Start (All Lots)	08.12.2025 at 12:00 hrs.
Auction close Date/Time	08.12.2025 at 12:40 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under:-

SN	Station	Lot No	Stall ID	Close Date/Time	Quota	Sub Quota
1	PHAPHAMAU	Catg-LKO-PFM-GMU-196-25-1	PFM/PF-1/44/ADDL	08.12.2025 at 12:30 hrs.	GMU	
2	PHULPUR	Catg-LKO-PLP-SMU-66-24-1	PLP/PF2&3/222/ADDL	08.12.2025 at 12:40 hrs.	SMU	OBC

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3697/2025

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली जबरदस्त तरीके से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उड़ान भर रहा है। कभी सिर्फ फर्नीचर, सुरमा, पतंग और जरी-जरदोजी के लिए पहचाने जाने वाला जिला अब खाद्य पदार्थ, तेल, मेंथा, प्लाईवुड, रसायन समेत तमाम उद्योगों का केंद्र बनता जा रहा है। सरकारी योजनाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण बरेली का औद्योगिक चेहरा लगातार बदल रहा है। 20वीं सदी के शुरुआत में कुछ एक इंडस्ट्री से शुरू हुआ सफर आज 250 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयों तक आ पहुंचा है। इस संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बरेली की औद्योगिक यात्रा उसकी सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी प्रगति की कहानी भी है। हुनर, संसाधन और नवाचार तीनों मिलकर शहर को देष के औद्योगिक नक्शे पर स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

बरेली बन रहा औद्योगिक हबः फर्नीचर, जरी-जरदोजी और कृषि उद्योग से लेकर पेपर, खाद्य पदार्थ, रसायन उद्योग तक की दौड़

बरेलीः परंपरागत उद्यमों से माडर्न उद्योगों तक की उड़ान

बरेली में 1956 में सीबीगंज, 1960 में परसाखेड़ा के अलावा 1964 में भोजीपुरा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए। फरीदुपर रोड पर रजऊ के आसपास निजी रूप से इंडस्ट्रियल एरिया विकसित किया गया। यहां पेपर मिल, खाद्य तेल, प्लास्टिक, प्लॉईवुड समेत कई इकाइयां स्थापित हैं। परसाखेड़ा सबसे बड़ा और व्यवस्थित औद्योगिक क्षेत्र है यहां ब्रेड-बिस्कुट, खाद्य तेल, डिस्टिलरी, कन्फेक्शनरी, कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम, रासायनिक पदार्थ, समेत कई अन्य उद्योग हैं। सीबीगंज और भोजीपुरा में भी छोटे-बड़े कई उद्योग हैं। बरेली में कई रासायनिक और औषधि निर्माण इकाइयां स्थापित हुई हैं। यहाँ बनने वाले साबुन, डिटर्जेंट, दवाइयां और खाद उत्पाद स्थानीय और राष्ट्रीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं।

निजी इंडस्ट्रियल एरिया को बढ़ावा

उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार निजी इंडस्ट्रियल एरिया को प्रोत्साहन दे रही है। प्लेज योजना (प्रमोटिंग लीडरशिप एंड एंटरप्राइज फॉर डेवलपमेंट ऑफ ग्रोथ इंजंस) के तहत निजी जमीन पर औद्योगिक पार्क बनाया जा सकता है। इसमें कई तरह की छूट और सुविधाएं मिलेगी। 10 से 50 एकड़ तक जमीन वाले लोग औद्योगिक प्लेज पार्क बना सकेंगे। इसके लिए प्रति एकड़ 50 लाख का लोन एक प्रतिशत की ब्याज दर पर सरकार जमीन के मालिक को देगी। वह प्लाट बेचकर या किराए पर देकर कमाई कर सकता है। निजी पार्क में उद्योग लगाने के लिए सरकार उद्यमी को भी छूट पर लोन देती है। उद्योगपति विमल रेवाड़ी कहतें है कि रजऊ के आसपास समेत फरीदपुर रोड पर फूड प्रोसेसिंग, पेपर मिल, मोल्डेड फर्नीचर, प्लाईवुड, खाद्य तेल समेत दर्जनों उद्योग निजी जमीनों पर ही लगाए गए हैं। हालांकि यह प्लेज योजना के अंतर्गत इसलिए नहीं क्योंकि उद्योगपतियों ने खुद ही किसानों से जमीन खरीदकर अपनी फैक्ट्रियां लगाई हैं। वह कहते हैं कि यहां बिजली, सड़कों समेत कुछ बुनियादी समस्याएं हैं जिनका निदान जरूरी है। वह कहते है कि सरकार फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के लिए करीब 35 प्रतिशत सब्सिडी पर लोन देती है।

बड़ी फैक्ट्रियों का दौर

एक समय बरेली देश के बड़े उद्योगपतियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। यहां की कत्था फैक्ट्रियां पंजाब, दिल्ली, बंगाल समते अन्य राज्यों तक सप्लाई भेजती थीं। कत्था उद्योग ने बरेली को कृषि-आधारित औद्योगिक केंद्र के रूप में पहचान दी। विमको ने बरेली के औद्योगिक इतिहास में सुनहरा अध्याय जोड़ा। विमको ने आधुनिक मशीनरी, पैकेजिंग और श्रमिक प्रशिक्षण की शुरुआत की। विमको की सफलता ने यह साबित कर दिया कि बरेली में पारंपरिक कारीगरी ही नहीं मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के लिए भी बड़ी संभावनाएं हैं। इसी समय बरेली का औद्योगिक चरित्र बदलने लगा। बरेली की औद्योगिक पहचान में एक और बड़ा नाम है इफको (इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड)। 1988 में आंवला में स्थापित इफको न केवल उर्वरक उत्पादन में क्रांति लाई, बल्कि कृषि के क्षेत्र में जागरूकता, प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक को भी बढ़ावा दिया।

एमएसएमई और आधुनिक औद्योगिक दौर

इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन के चैप्टर चेयरमैन मयूर धीरवानी ने कहा कि आज बरेली सिर्फ बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं है। यहां एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। फर्नीचर, प्लास्टिक, पैकेजिंग, कनफैक्शनरी, बेकरी, हैंडक्राफ्ट, फार्मा से जुड़े सैकड़ों उद्यम चल रहे हैं। "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत ज़री-ज़रदोजी उत्पादों को विश्व बाजार तक पहुंचाया जा रहा है। युवाओं में स्टार्टअप और डिजिटल कारोबार की संस्कृति विकसित हो रही है।

परंपरागत उद्योग

परंपरागत रूप से बरेली का फर्नीचर, सुरमा और जरी जरदोजी पूरे उत्तर भारत में प्रसिद्ध है। सिकलापुर फर्नीचर की बड़ी मंडी है। फर्नीचर के काम में हजारों कारीगर कार्यरत हैं। बरेली की जरी-जरदोजी ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। यहाँ के उत्पाद दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे फैशन केंद्रों तक पहुँचते हैं। यहां से इसे अरब देशों समेत पश्चिम के दशों में निर्यात किया जाता है। सुरमा ने भी बरेली को बड़ी पहचान दिलाई है। एम हसीन हाशमी का सुरमा दृष्टि की बेहतरी के लिए रामबाण माना जाता रहा है। पतंग और मांझा के बिना बरेली की पहचान अधूरी है। बरेली की पतंग आसपास के जिलों के आसमान को भी रंगबिरंगा कर देती है। बरेली का मांझा भरोसे की गारंटी माना जाता है हालांकि चायनीज मांझा ने न सिर्फ यहां के मांझा का रास्ता रोक दिया है बल्कि कामगारों की भी कमर तोड़ दी।

भविष्य की संभावनाएं

भविष्य में बरेली को "रोहिलखंड का औद्योगिक हब" बनाने की दिशा में कार्य चल रहा है। यहाँ फूड प्रोसेसिंग पार्क, फर्नीचर क्लस्टर, और हर्बल उत्पाद इकाइयों की स्थापना प्रस्तावित है। सरकार की यह योजनाएं सफल रहीं, तो बरेली उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक नगरों में शामिल हो जाएगा। दिसंबर में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के संबंध में बरेली को करीब 15 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य मिला है। वे आ जाते हैं तो शहर का औद्योगिक नक्शा ही बदल जाएगा।

औद्योगिक टाउनशिप से मिलेगी रफ्तार

बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) बोर्ड ने शहर के विकास को नई दिशा देने के लिए दिल्ली हाईवे पर औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। कमिश्नर भूपेंद्र एस चौधरी की अध्यक्षता में 93वीं बोर्ड बैठक में औद्योगिक विकास के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके लिए सदर तहसील के रसूला चौधरी और मीरगंज तहसील के भिटौरा नौगवां, फतेहगंज पश्चिमी, चिटौली और रहपुरा जागीर गांवों की लगभग 125 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। टाउनशिप में ट्रांसपोर्ट नगर, लॉजिस्टिक पार्क, वेयरहाउस, इंडस्ट्रियल यूनिट्स, डॉरमेट्री, हॉस्पिटल फैसिलिटी, बैंक, कैफेटेरिया, फायर स्टेशन, सीयूजीएल गैस लाइन, पेट्रोल व सीएनजी पंप, ई-चार्जिंग स्टेशन समेत अनेक सुविधाएं होंगी। योजना में 18, 30 और 45 मीटर चौड़ी सड़कें भी बनाई जाएंगी।

सरकार का सहयोग बना रहा और इसी गति से निवेश जारी रहा तो बरेली अगले कुछ वर्षों में उद्योगों का प्रमुख केंद्र बन जाएगा। हालांकि उद्योगों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, कुशल श्रमिकों की कमी समेत कई समस्याएं चिंता की बात हैं लेकिन समस्याओं से पार पाकर ही उद्योग खड़े किए जाते हैं। सरकार इसी तरह निवेश को बढ़ावा देती रही, तो बरेली को उत्तर प्रदेश का मिनी-इंडस्ट्रियल कैपिटल बनने से कोई नहीं रोक सकता। – **विमल रेवाड़ी**, इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की केन्द्रीय समिति के सदस्य

1950 के बाद से बरेली के उद्योग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर एमएसएमई की स्थापना हुइ जिसने समय के साथ-साथ अनुधिकता को अपनाया और यूपी के तीन बड़े शहरों में खुद को स्थापित किया। प्रदेश की जीडीपी में बरेली भी बड़ा योगदान दे रहा है। बरेली में बड़ी संख्या में लघु उद्योग लग रहे हैं। राज्य सरकार ने बरेली में फूड प्रोसेसिंग पार्क, फर्नीचर क्लस्टर, और हर्बल उत्पाद इकाइयों की स्थापना के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। हालात इसी तरह सही रहे तो बरेली उत्तर भारत का अगला इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर बन सकता है। – **मयूर धीरवानी**, चैप्टर चेयरमैन, इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन

25 साल पहले इंडस्ट्री एक बुरे दौर गुजरीए उस दौरान कई बड़ी इंडस्ट्री बंद हुई तो कई बंद होने के कगार पर पहुंची। वर्तमान में भोजीपुरा और परसाखेडा जैसे औद्योगिक क्षेत्र का विकास होने के बाद उद्योग तेजी से संभले। बरेली उत्तर भारत का इंडीस्ट्रियल हब बनने के लिए तैयार है। बरेली के उद्योगों का तेजी से विकास होए इसके लिए आवश्यक है कि बरेली के लिए दूसरे बडे शहरों से उड़ानों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। चैंबर आफ कामर्स उद्यमियों का समस्या के समाधान के लिए हर समय तैयार है।
– **राजीव सिंघलए अध्यक्ष**, चैंबर आफ कामर्स

निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियां

परसाखेड़ा में स्थापित खाद्य तेल निर्माता बीएल एग्रो भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में है। यह बैल कोल्हू ब्रांड से खाद्य तेल और रिफाइंड ऑयल बनाती है। नरिश ब्रांड के तहत, कंपनी आटा, चावल, दालें और घी जैसे उत्पाद बनाती है। मेवे, पापड़, अचार, मुरब्बा, मसाले और रेडी-टू-ईट उत्पाद भी इसकी सूची में शामिल हैं। रामा श्यामा पेपर मिल भी बड़ी कंपनी है जो 25 वर्षों से क्राफ्ट पेपर बनाती है जिसका उपयोग पैकेजिंग उद्योग, विशेष रूप से कोरोगेटेड बाक्सों और अन्य पैकेजिंग आवश्यकताओं के लिए किया जाता है। खंडेलवाल इडेबल आयल, अशोका फोम, जल-आकाश समेत कई बड़े उद्योग बरेली की औद्योगिक पहचान में चार चांद लगा रहे हैं।

ऐसे बना उद्योगों के लिए माहौल

इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की केंन्द्रीय समिति के सदस्य विमल रेवाड़ी बताते हैं कि सबसे बड़े क्षेत्र परसाखेड़ा में करीब 1997 तक हालात बहुत अच्छे नहीं थे। उद्योग थे लेकिन उद्यम जैसा माहौल नहीं था। जड़ता थी, उड़ान भरने का उत्साह नहीं था। तब परसाखेड़ा नगर निगम के पास था। सड़कें, नालियों समेत इंफ्रास्टक्चर बेहद खराब था। बरसात का पानी फैक्ट्रियों में घुस जाता था। माल खराब हो जाता था। हमारे संगठन के बहुत प्रयासों बाद परसाखेड़ा उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम यूपीसीडा ने ले लिया। इसके बाद बदलाव आया। माहौल बना तो नए उद्यम आए। वह भाजपा सरकार को उद्योगों के लिए संजीवनी मानते हैं। कहते हैं कि अब उद्यमियों से पूछा जाता है कि आपको क्या चाहिए। वह कहते है कि हम चाहते है कि उद्योगों में 35-40 प्रतिषत की ग्रोथ हो। इसके लिए सरकार से कुछ और भी अपेक्षाएं हैं जिसके बारे में संगठन ने बात की है।

यूं हुआ औद्योगिक विकास

1900 से 1960 तक बरेली में कई बड़े उद्योग लग चुके थे। 1919 में इज्जतनगर में इंडियन वुड प्रोडक्ट्स लिमिटेड की स्थापना हुई। यहां बड़े पैमाने पर कत्था निकाला जाता था। 1924 में सीबीगंज में इंडियन टरपेंटाइन एंड रोजिन (आईटीआर) की स्थापना हुई। 1938 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (विमको) लगाई गई। इस कंपनी में बनी माचिस पूरे देश में पसंद की जाती थी। नेकपुर में 1932 में एचआर शुगर फैक्ट्री की स्थापना हुई। 1940 तक बरेली ने अपनी औद्योगिक पहचान मजबूत कर ली थी। 1960 में फतेहगंज पश्चिमी में एशिया की सबसे बड़ी रबर फैक्टरी लगी। इसके बाद समय का ऐसा पहिया घूमा कि उक्त पुराने उद्योग अलग-अलग कारणों से बंद होते रहे। सबसे बड़ा झटका रबर फैक्ट्री बंद होने से लगा। हालांकि तब तक परसाखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया विकसित हो चुका था और नए उद्योग पंख फैलाने लगे थे।

आंखों के रोगों में रामबाण माना जाता है बरेली का सुरमा

सुरमा बरेली वाला

बरेली। बरेली का सुरमा किसी पहचान का मोहताज नहीं। आंखें सुर्ख हो गई हों, पानी आ रहा हो, दर्द कर रही हों या अन्य परेशानी हो... सभी बीमारियों के उपचार में रामबाण माना जाने वाला बरेली का सुरमा दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। भले ही अब इसे आंख संबंधी ड्रॉप और दवाइयों समेत नए-नए सौंदर्य प्रसाधनों से भारी चुनौती मिल रही हो। परंपरागत रूप से अभी भी लोगों का भरोसा सुरमा पर कायम है। बरेली में हाशम परिवार ने 1794 में सुरमा बनाना शुरू किया। 1971 में कारोबार संभालने वाले चौथी पीढ़ी के सदस्य एम हसीन हाशमी ने इसे देश-विदेश में मशहूर किया। अक्टूबर 2021 में उनकी मृत्यु के बाद सुरमा बनाने का कारोबार पांचवी पीढ़ी संभाल रही है।

इन रोगों में लाभकारी : यह आँखों को स्वस्थ रखता है। दृष्टि में सुधार करता है। आँखों को ठंडक और राहत देता है। इसका उपयोग दवा के रूप में भी किया जाता है। मोतियाबिंद, नाखूना, आंखों में जलन, आंख का जाला, पानी आना, लालिमा, पीलापन, कालेपानी जैसी समस्याओं में इसका उपयोग करते हैं। अलग-अलग रोग के लिए अलग-अलग सुरमा इस्तेमाल करते हैं। सुरमा ममीरा नंबर 777, सुरमा ममीरा 500, सुरमा ममीरा 555, सुरमा मोती, सुरमा गुलाब खास, सुरमी के अलावा कई अन्य तरह का सुरमा तैयार किया जाता है।

उर्स के समय बढ़ जाती है मांग : बरेली में सुरमा रेलवे स्टेशनों से लेकर बस अड्डों, बाजारों, गली-मोहल्लों की दुकानों तक पर आसानी से मिल जाता है। बड़ा बाजार, किला रोड, कुतुबखाना, पुराना शहर, सेटेलाइट हर कहीं सुरमा बिकता है। आला हजरत के उर्स में आने वाले देश-विदेश के जायरीन बरेली की निशानी के तौर पर सुरमा खरीदकर ले जाते हैं।

गुणवत्ता ही पहचान : शावेज हाशमी कहते हैं कि सुरमा बनाने का सबसे बेहतरीन तरीका अपनाते हैं जिससे सुरमा बहुत असरदार हो जाता है। सुरमा बनाते वक्त उसकी सामग्री की गुणवत्ता से समझौता नहीं करते। इसीलिए बरेली का सुरमा पूरी दुनिया में पहचान बनाए हुए है। बरेली से करीब 10 किलो सुरमा प्रतिदिन सप्लाई हो रहा है। वह बताते हैं कि उत्तर प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली समेत कई राज्यों में बरेली के सुरमा के कद्रदान हैं। पश्चिम बंगाल में इसकी मांग न के बराबर हैं क्योंकि वहां सुरमा का चलन नही है।

ऐसे बनता है सुरमा

करीब 230 सालों से चले आ रहे कारोबार को संभाल रहे पांचवीं पीढ़ी के शावेज हाशमी बताते हैं कि सुरमा बनाने के लिए सऊदी अरब, मिस्र से एक खास पत्थर कोहिनूर मंगाया जाता है। पत्थर को छह महीने गुलाब जल और सौंफ के पानी में डुबोकर रखा जाता है। पत्थर को सुखाकर पीसा जाता है। इसकी 11-12 लेयर उतारी जाती हैं। आखिर में ऐसा हो जाता है कि उंगलियों के पोरों पर भी महसूस न हों। अंतिम चरण में, इसमें सोने, चांदी और बादाम का अर्क मिलाया जाता है। इसमें गुलाबजल, कपूर, ममीरा, पीपल, सौंफ आदि यूनानी एवं आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां भी शामिल की जाती हैं। आखों की अलग अलग बीमारियों के हिसाब से सुरमा तैयार किया जाता है। बताया कि दिन भर में एक आदमी एक-सवा किलो पत्थर पीस पाता है। बाकरगंज में 25 परिवार वर्षों से सुरमा पीसने के काम में लगे हैं। वह बताते हैं कि सुरमा को ड्रॉप में भी लाने का प्रयास कर रहे हैं।

बरेली में जरी जरदोजी के काम में लाखों लोगों को मिला है रोजगार

जरी-जरदोजी... सलमा-सितारों की झिलमिल चुनरिया

बरेली। बरेली परंपरागत रूप से जरी-जरदोजी का गढ़ रहा है। यहां बहुत बड़े पैमाने पर जरी का काम होता रहा है। यह उद्योग शहर की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसमें तीन से चार लाख लोग काम करते हैं। रेशम, कटदाना मोती, कोरा कसाब, तार, नक्शी, नग, मोती, ट्यूब, चनाला, जरकन नोरी, पत्तियां, दर्पण जब किसी कपड़े पर टांके जाते हैं तो मुंह से वाह-वाह निकलता है। जरी जरदोजी के कपड़ों में लहंगे, सूट, साड़ी और गाउन के अलावा सोफों के कवर, कुशन, फ्रिज कवर, जूतियां शामिल हैं, जो स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी बेचे जाते हैं। जरी की कढ़ाई वाले सूट, साड़ियों की मांग दिल्ली, जयपुर, हैदराबाद और पंजाब में सर्वाधिक हैं। अमेरिका, अरब देशों समेत यूरोप के भी कुछ देशों में भी इसकी मांग है।

घर-घर हो रहा काम : जरी-जरदोजी का काम बरेली शहर के साथ आसपास के गांवों और कस्बों में बड़ी संख्या में होता है। बरेली में खासकर पुराना शहर इसका केंद्र है। मोहनपुर ठिरिया, फतेहगंज पश्चिमी, फरीदपुर, बहेड़ी, नवाबगंज में भी बड़ी संख्या में लोग इस काम से जुड़े हैं। पुराना शहर में हजारों घरों में पूरा परिवार अड्डे पर कारचोबी करता दिखाई देता है। घर के कामों से निपटने के बाद महिलाएं-युवतियां इस काम में जुट जाती हैं और परिवार को आर्थिक संबल देती हैं। जरी-जरदोजी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है।

यूं होता है जरी का काम : कपड़े को कढ़ाई के लिए लकड़ी के एक फ्रेम में फिट करते हैं। इसे अड्डा कहा जाता है। कढ़ाई हुक जैसी नोक वाले सुआ या आरी से होती है। दाना, मोती, कटदाना, सलमा, सितारा, दबका, बड़े ध्यान से लगाने पड़ते हैं। कारीगर इतने हुनरमंद हो जाते हैं कि उनकी उंगलियां रेशम, सलमा-सितारों से खेलती लगती हैं। इसके बावजूद नजर हटी और दुर्घटना घटी वाली स्थिति होती है। इतना बारीक काम है कि कारीगरों की आंखों पर समय से पहले चश्मा लग जाता है।

मशीनों ने बढ़ाई मुश्किल

कलीम खां कहते हैं कि पैटर्न बदल रहा है जिसका असर कारोबार पर पड़ा है। कंप्यूटर से डिजाइन और मशीनों से कढ़ाई ने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इससे अड्डों में बहुत कमी आई है जिससे रोजी-रोटी प्रभावित हुई है। वह कहते हैं कि पशमीना शॉल पर जरी की कढ़ाई होती है। एक शॉल की कीमत 30 हजार रुपये तक है। कारीगर को भी अच्छा पैसा मिलता है लेकिन ये शाल आम चलन में नही है इसलिए बहुत लाभ नहीं। ऐसे ही कुछ अन्य कपड़े भी हैं जिनसे हमें अच्छा लाभ हो सकता है लेकिन आम लोगों की पहुंच से बाहर होने के कारण हमें आर्डर नहीं मिलते। वह कहते हैं कि जरदोजी के काम में आने वालें कच्चे माल की बढ़ रही कीमतों से भी परेशान हैं। इसके मुकाबले तैयार माल की कीमत में कोई खास बढ़त नहीं हुई।

दूसरे काम तलाश रहे कारीगर

जरी के काम में उस्ताद यूसुफ कारीगर निराशा जाहिर करते हैं। वह कहते हैं कि पहले जरी का काम घर-घर होता था। कोई चार से पांच लाख लोग इस काम में लगे थे। पूरा परिवार अड्डे पर बैठा दिखाई देता था। लेकिन अब वैसे हालात नहीं। अब साड़ियों की मांग कम हुई है। महिलाएं सूट या गाउन पहनती हैं। वैवाहिक आयोजन में लहंगा का चलन है। वे भी मशीनों से तैयार होने लगे हैं। लिहाजा कारोबार पर असर पड़ा है। दिन भर में 300 से 400 रुपये तक अड्डा उतार पाते हैं। इससे घर कैसे चलेगा। बड़ी संख्या में कारीगर ऑटो चलाने लगे या दूसरे काम कर रहे हैं। घरों में महिलाओं के जिम्मे ये काम हो गया है, ज्यादातर पुरुष दूसरे काम करने लगे। यहां के कारीगर अब पंजाब, दिल्ली समेत दूसरे शहरों में काम कर रहे हैं।

जरी के काम में सबसे महत्वपूर्ण खाका

जरी के काम में सबसे महत्वपूर्ण होता है खाका। बटर पेपर पर डिजाइन तैयार कर कपड़े पर छापा जाता है इसके बाद कढ़ाई शुरू की जाती है। खाका कारीगर राजू भाई कहते हैं कि बटर पेपर पर पेंसिल से डिजाइन बनाते हैं। इस डिजाइन को पिन या सुई से छेद कर लेते हैं। इसके बाद खाका को अड्डे पर लगे कपड़े पर छाप लेते हैं। छापने के लिए खड़िया, मिट्टी के तेल का घोल बनाते हैं। वह कहते हैं कि कंप्यूटर डिजाइन ने मुश्किलें बढ़ाई है। लोग कंप्यूटर से ही डिजाइन का प्रिंट निकलवा लेते हैं। हालांकि बरेली में अभी कंप्यूटर से प्रिंट निकलवाने का काम उतना ज्यादा नहीं है। फिर भी असर पड़ा है।

प्रस्तुति-सुनील संवेदी/आनंद विश्वकर्मा

न्यूज ब्रीफ

श्रीनगर में ड्रग तस्कर की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम के तहत एक ड्रग तस्कर का दो मंजिला रिहायशी घर और जमीन कुर्क कर ली। पुलिस ने बताया कि उस्मानिया कॉलोनी, बादामवारी, लाल बाजार में यह संपत्ति अर्शीद अहमद शेख के नाम पर है। इन संपत्तियों की कीमत लगभग 75 लाख रुपये है।

लॉरेंस से जुड़े गिरोह का सरगना गिरफ्तार

गुरुग्राम। राजस्थान पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े 6161 गिरोह के सरगना प्रदीप गुर्जर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुर्जर गुरुग्राम के सेक्टर 77 में एम्मार पाम हिल्स सोसाइटीमें स्थित एक महिला मित्र के अपार्टमेंट में छिपा हुआ पाया गया। एक गुप्त सूचना के बाद, राजस्थान पुलिस की गैंगस्टर रोधी कार्य बल ने गुरुवार रात गुर्जर को पकड़ लिया।

1 करोड़ का मेफेड्रोन जब्त, छह गिरफ्तार

ठाणे। ठाणे अपराध शाखा के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ ने छह लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक करोड़ रुपये मूल्य का मेफेड्रोन जब्त किया है। सात अक्टूबर को कपूरबावड़ी से सचिन सुभाष चव्हाण की गिरफ्तारी के बाद चार और लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद राजस्थान से छठे व्यक्ति को पकड़ा गया। उसके पास से 34 ग्राम मेफेड्रोन और उसके घर से 922 ग्राम मेफेड्रोन जब्त किया।

एआई के जरिए नकल करते दो पकड़े गए

सूरत। गुजरात के सूरत स्थित एक विश्वविद्यालय में बीसीए के दो विद्यार्थियों को सेमेस्टर परीक्षा के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके अपनी 'स्मार्टवॉच' के जरिए नकल करते हुए पकड़ लिया गया। वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय में बुधवार को यह घटना घटी।

बौद्धों ने हिंदू कानूनों से मांगी मुक्ति विधि आयोग को भेजा गया मामला

सुप्रीम कोर्ट ने बौद्ध पर्सनल लॉ एक्शन कमेटी की याचिका पर विचार करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विधि आयोग से एक बौद्ध समूह की उस याचिका पर विचार करने को कहा है, जिसमें कहा गया है कि बौद्धों पर भी लागू होने वाले 'हिंदू पर्सनल लॉ' के कुछ प्रावधान धर्म की स्वतंत्रता के साथ उनके मौलिक अधिकारों के भी खिलाफ हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 'बौद्ध पर्सनल लॉ एक्शन कमेटी' की याचिका पर सुनवाई करते हुए विधि आयोग से इसे एक प्रतिवेदन के रूप में मानने को कहा कि कुछ मौजूदा कानूनी प्रावधान बौद्ध समुदाय के मौलिक अधिकारों और सांस्कृतिक प्रथाओं के विपरीत हैं, जिसके मद्देनजर इसमें संवैधानिक और वैधानिक बदलावों की आवश्यकता है।

बौद्ध भी हिंदुओं के लिए बने कानूनों के दायरे में आते हैं, जैसे कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956, हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम, 1956 और हिंदू दत्तक ग्रहण और देखभाल अधिनियम, 1956 द्वारा निर्दिष्ट है। संविधान के अनुच्छेद 25 में बौद्धों, जैनियों और सिखों को इन कानूनों के प्रयोजनों के लिए 'हिंदू' की परिभाषा में शामिल किया गया है। सुनवाई शुरू होने पर सीजेआई ने याचिका में मांगी गई राहत की प्रकृति पर सवाल उठाया।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि बौद्ध एक अलग समुदाय है और यह मुद्दा कई बार उठाया गया है।पीठ ने कहा कि विधि आयोग देश में एकमात्र विशेषज्ञ निकाय है और आमतौर पर इसका नेतृत्व उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश करते हैं। उन्होंने कहा, वे आप जैसे व्यक्ति का स्वागत करेंगे और सहायता प्राप्त करेंगे। विधि आयोग ऐसे संवैधानिक संशोधनों के लिए सिफारिशें कर सकता है। पीठ ने कानून और न्याय मंत्रालय के दिसंबर 2024 के एक पत्र पर गौर किया जिसमें कहा गया था कि 21वां विधि आयोग समान नागरिक संहिता पर अपने विचार-विमर्श में इस मुद्दे पर भी ध्यान दे रहा है और विभिन्न हितधारकों के विचार मांगे गए हैं।

दहेज प्रथा के कारण विवाह बना व्यावसायिक लेन-देन

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि विवाह एक पवित्र और महान संस्था है, जो आपसी विश्वास, साहचर्य और सम्मान पर आधारित है, लेकिन दहेज की बुराई के कारण यह पवित्र बंधन दुर्भाग्य से एक व्यावसायिक लेन-देन बनकर रह गया है। पीठ ने कहा कि दहेज हत्या केवल एक व्यक्ति के विरुद्ध नहीं, बल्कि समग्र समाज के विरुद्ध अपराध है। पीठ ने कहा कि यह न्यायालय इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकता कि विवाह, अपने वास्तविक स्वरूप में, आपसी विश्वास, साहचर्य और सम्मान पर आधारित एक पवित्र और महान संस्था है। हालांकि, हाल के दिनों में, यह पवित्र बंधन दुर्भाग्य से एक मात्र व्यावसायिक लेन-देन बनकर रह गया है। दहेज की बुराई को (भले ही) अक्सर उपहार या स्वैच्छिक भेंट के रूप में छिपाने की कोशिश की जाती है, लेकिन वास्तव में यह सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदर्शित करने और भौतिक लालच को शांत करने का एक साधन बन गई है।

रिपोर्ट की अनदेखी करने पर केरल के राज्यपाल को सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) सुधांशु धूलिया की ओर से पेश की गई रिपोर्ट पर कार्रवाई में देरी पर शुक्रवार को केरल के राज्यपाल को कड़ी फटकार लगाई। न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश केवी विश्वनाथन की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं और उनसे उम्मीद की जाती है कि वह समिति की सिफारिशों पर बिना किसी और देरी के फैसला लेंगे। राज्यपाल मामले को अनिश्चित काल तक लंबित नहीं रख सकते। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी न्यायाधीश धूलिया की रिपोर्ट की स्थिति की समीक्षा के दौरान की। गौरतलब है कि न्यायाधीश धूलिया को उप कुलपतियों की नियुक्तियों की कानूनी मान्यता और औचित्य की जांच करने का काम सौंपा गया था। पीठ ने कहा कि मामले का समय पर समाधान होना चाहिए, खासकर इसलिए क्योंकि लंबे समय तक अनिश्चितता विश्वविद्यालय के कामकाज पर असर डालती है।

- **कुलपतियों की नियुक्ति का मसला कहा- राज्यपाल अनिश्चितकाल के लिए नहीं रोक सकते मामला**

अल फलाह समूह के खिलाफ जांच तेज

- **केंद्रीय जांच एजेंसी की भूमि खरीद सौदों पर नजर**

नई दिल्ली, एजेंसी

अल फलाह समूह एवं ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच का दायरा बढ़ाते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पाया है कि इसके गिरफ्तार अध्यक्ष ने जाली दस्तावेजों के आधार पर दिल्ली में कुछ भूखंड हासिल किए। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय 10 नवंबर को लाल किला के पास हुए विस्फोट मामले की जांच के घेरे में है। विस्फोट में 15 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए थे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, संघीय जांच एजेंसी कम से कम पांच मामलों की जांच कर रही है, जहां भूखंडों के अधिग्रहण के लिए अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी से जुड़े एक ट्रस्ट ने कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। सिद्दीकी को ईडी ने 18 नवंबर को अल फलाह समूह और उससे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ धन शोधन के एक मामले में छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने बताया कि इन भूखंडों के जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) कुछ मृत व्यक्तियों के नाम पर हो सकते हैं और इसकी जांच जारी है। ईडी ने समूह की देश भर में फैली चल और अचल संपत्तियों की पहचान और मूल्यांकन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। साथ ही उस पैसे की भी पहचान कर रही है जिसे कथित तौर पर समूह ने विदेश में भेजा है। एजेंसी इन संपत्तियों को धन शोधन रोधी कानून के तहत कुर्क कर सकती है।

बाइक टैक्सी चालक के खाते में मिले 331 करोड़

नई दिल्ली। एक अवैध सट्टेबाजी एप से जुड़े धनशोधन मामले में आठ महीनों के भीतर 331 करोड़ रुपये से अधिक राशि एक बैंक खाते में जमा होने के पीछे की जांच करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम 'बाइक-टैक्सी' चालक के दरवाजे पर पहुंची। यह चालक एक मशहूर कैब सेवा प्रदाता कंपनी के साथ काम करता था। जांचकर्ताओं ने बिना समय गंवाए यह पता लगाया कि यह अवैध राशि ठिकाने लगाने के लिए एक 'म्यूल' खाते के इस्तेमाल का मामला है। अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) 'वनएक्सबेट' ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े धनशोधन मामले की जांच करते हुए 'रैपिडो' चालक तक पहुंचा। इस घटनाक्रम पर 'रैपिडो' की तरफ से प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। अधिकारियों के अनुसार, चालक के बैंक खाते में 19 अगस्त 2024 से 16 अप्रैल 2025 के बीच कुल 331.36 करोड़ रुपये जमा हुए। संघीय एजेंसी ने चालक के बैंक रिकॉर्ड में दिए गए पते पर छापा मारा। जांच में पता चला कि चालक दिल्ली के एक साधारण इलाके में दो कमरों वाली झुग्गी में रहता है और जीविका के लिए दिनभर मोटरसाइकिल चलाता है।

महिला खतना प्रथा पर प्रतिबंध की याचिका पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने मुसलमानों, विशेषकर दाऊदी बोहरा समुदाय में प्रचलित महिलाओं का खतना (एफजीएम) करने की प्रथा पर प्रतिबंध लगाने संबंधी याचिका पर विचार करने के लिए शुक्रवार को सहमत हो गया। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए। अदालत 'चेतना वेलफेयर सोसाइटी' की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दावा किया गया है कि यह प्रथा इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। पॉक्सो अधिनियम के तहत किसी नाबालिग के जननांगों को गैर-चिकित्सकीय कारणों से छूना कानून का उल्लंघन है।

दिल्ली : नर्सरी के प्रवेश मानदंड में घर से दूरी मुख्य कारक

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के निजी स्कूलों ने शुक्रवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नर्सरी दाखिले के लिहाज से अपने मानदंड जारी करना शुरू कर दिया है, जिसमें स्कूल के पते से बच्चे के घर की दूरी सबसे अधिक अंक वाला कारक है और कुछ स्कूलों ने इसे 55 अंक तक दिए हैं।

द्वारका स्थित इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल ने स्कूल से 0-12 किमी के दायरे में रहने वाले आवेदकों को अधिकतम 55 अंक आवंटित किए हैं, इसके बाद 12-15 किमी दूर रहने वालों के लिए 45 अंक तथा 15 किमी से अधिक दूरी के लिए 35 अंक निर्धारित किए गए हैं। स्कूल ने पहले से पढ़ रहे छात्र के भाई-बहन, पूर्व छात्र और कर्मचारियों के बच्चे वाली श्रेणियों के लिए 15-15 अंक निर्धारित किए हैं। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ने चार किमी के दायरे में रहने वाले या स्कूल परिवहन वाले इलाकों में रहने वाले बच्चों के लिए 50 अंक निर्धारित किए हैं। बच्चे की स्थिति श्रेणी के अंतर्गत, स्कूल ने पहले जन्मे बच्चे के लिए 30 अंक और दूसरे जन्मे बच्चे के लिए 20 अंक निर्धारित किए हैं। इसे साथ ही भाई-बहनों, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए 10-10 अंक निर्धारित किए हैं। द्वारका स्थित आईटीएल इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्य सुधा आचार्य ने कहा कि उनके मापदंड भी दूरी, भाई-बहनों को प्राथमिकता, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों पर केंद्रित रहेंगे।

भ्रष्टाचार मामले हस्तांतरित करने की राबड़ी की याचिका पर सीबीआई-ईडी को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ भ्रष्टाचार के तीन मामलों को किसी दूसरे न्यायाधीश को हस्तांतरित करने के अनुरोध वाली उनकी याचिकाओं पर सीबीआई और ईडी से जवाब मांगा।

राबड़ी देवी ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए इन मामलों को दूसरे न्यायाधीश को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की पत्नी राबड़ी देवी के खिलाफ ये तीन मामले ज़मीन के बदले नौकरी और आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम) घोटाला से संबंधित हैं। इनमें से दो मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है, जबकि एक की जांच सीबीआई कर रही है।अदालत ने अगली सुनवाई छह दिसंबर के लिए सूचीबद्ध की है।

आयोग की पूर्ण पीठ के सामने टीएमसी का दावा- खून से सने हैं सीईसी के हाथ

- **पश्चिम बंगाल में एसआईआर के कारण अब तक 40 लोगों की मौत होने का लगाया आरोप**

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते तृणमूल सांसद।

तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को यहां निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की और दावा किया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अब तक कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त के ''हाथ खून से सने हैं।''

पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर की प्रक्रिया बीच, तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओब्रायन के नेतृत्व में पार्टी के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोकसभा सदस्यों में शताब्दी रॉय, कल्याण बनर्जी, प्रतिमा मंडल, साजदा अहमद और महुआ मोइत्रा तथा राज्यसभा सदस्यों में डोला सेन, ममता ठाकुर, साकेत गोखले और प्रकाश चिक बडाइक थे। ओब्रायन ने बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी ने पांच सवाल उठाए, लेकिन मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने उनका कोई जवाब नहीं दिया। ओब्रायन ने कहा, हमने बैठक की शुरुआत ही यह कहते हुए की कि सीईसी के हाथ खून से सने हैं। हमने पांच सवाल उठाए। इसके बाद करीब 40 मिनट में कल्याण बनर्जी, महुआ मोइत्रा और ममता बाला ठाकुर ने अपनी बात रखी और जो कहना था वो कहा।

उन्होंने कहा, इसके बाद सीईसी ने एक घंटे तक बिना रुके बात की। जब हम बोल रहे थे, तब हमें भी नहीं टोका गया, लेकिन हमें हमारे पांच सवालों में से किसी का भी जवाब नहीं मिला।

10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में झीरझ में 2010 में हुए नक्सली हमले का मास्टर माइंड श्याम दादा उर्फ चैतु सहित 10 नक्सलियों ने शुक्रवार को आत्मसमर्पण कर दिया और समाज के मुख्य धारा में शामिल हो गए। बस्तर रेंज पुलिस महानिरीक्ष के कार्यालय की ओर से शुक्रवार की रात को बताया गया कि गीरेड्डी पवनानंद उर्फ चैतु उर्फ श्याम दादा ने साल 1985 में नक्सल संगठन में शामिल हुआ था।

साल 1992-92 महाराष्ट्र के गोंदिया इलाके में काम किया,यहां के बाद चैतु को दंडकारण्य इलाके में सक्रिय किया गया। दलम और कमांडर के रूप में काम कर चुके श्याम दादा उर्फ चैतु को डिविजनल समिति में लिया गया। वर्तमान में इस नक्सली के कंधे दरभा घाटी की जिम्मेदारी थी। इस नक्सली को झीरम घाटी हमले का मास्टर माइंड माना जाता है। गौरतलब है कि दरभा घाटी इलाके के झीरम में 25 मई 2013 को नक्सलियों ने हमला करके कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नन्दकुमार पटेल उनके पुत्र आदिवासी नेता महेंद्र कर्मा सहित कई अन्य नेताओं की हत्या कर दी थी।

नक्सलवाद व पूर्वोत्तर को सरकार ने दिया समाधान

रायपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, एनएसए अजीत डोभाल व अन्य।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि पिछले 40 वर्षों से देश के लिए नासूर बने तीन 'हॉटस्पॉट'- नक्सलवाद, पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर की समस्या के निराकरण का मोदी सरकार ने स्थायी समाधान दिया है, और जल्द ही ये देश के बाकी हिस्सों जैसे बन जाएंगे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में पुलिस महानिदेशकों-महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन का उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन समस्याओं के समाधान, चुनौतियों और रणनीतियों पर चर्चा से आगे बढ़कर आंतरिक सुरक्षा के नीति-निर्धारण का प्रमुख मंच बन गया है।

शाह ने कहा कि देश पिछले 40 वर्षों से नक्सलवाद की समस्या का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश के लिए नासूर बने तीन हॉटस्पॉट—नक्सलवाद, पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर की समस्या के निराकरण के लिए मोदी सरकार ने स्थायी समाधान दिया है और जल्द ही ये देश के बाकी हिस्सों जैसे बन जाएंगे। गृह मंत्री ने मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) को सुदृढ़ बनाया गया, तीन नए आपराधिक कानूनों के साथ-साथ 'नारकोटिक्स' और भगोड़ों के खिलाफ भी मजबूत कानून बनाए गए हैं।

तीनों नए आपराधिक कानूनों के पूरी तरह लागू होने के बाद भारत की पुलिसिंग दुनिया में सबसे आधुनिक हो जाएगी। शाह ने नक्सलवाद के खिलाफ उठाए गए ठोस कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले सात वर्षों में 586 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन बनाकर सुरक्षा ढांचा मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि 2014 में नक्सल-प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, जो घटकर अब सिर्फ 11 रह गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन से पहले देश नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा।

आतंकवाद और उग्रवाद पर कार्रवाई का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) पर प्रतिबंध के बाद देशभर में उसके ठिकानों पर छापेमारी और गिरफ्तारियां केंद्र-राज्य समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

- **डीजीपी सम्मेलन को गृहमंत्री शाह ने किया संबोधित**

संगठित अपराध के खिलाफ बनाएंगे तंत्र

गृह मंत्री ने दोहराया कि देश को नारकोटिक्स और संगठित अपराध के खिलाफ 360-डिग्री कार्रवाई वाला ऐसा तंत्र विकसित करना होगा, जिससे मादक पदार्थ तस्करों और अपराधियों को कहीं भी जगह न मिल सके। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि राज्यों की पुलिस, एनसीबी के साथ मिलकर राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार कर उनके सरगनाओं को जेल डाले।

सम्मेलन में शामिल हुए प्रधानमंत्री मोदी

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पुलिस महानिदेशकों-महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए शुक्रवार शाम रायपुर पहुंचे। नवा रायपुर के आईआईएम में शुक्रवार सुबह शुरू हुआ तीन दिवसीय सम्मेलन 30 नवंबर तक चलेगा।

उपलब्धि इसरो ने कहा-अब उपग्रह ने वैज्ञानिक चरण में किया प्रवेश

निसार के 12 मीटर व्यास वाले एंटीना को खोला गया

बेंगलुरु, एजेंसी

इस वर्ष 30 जुलाई को जीएसएलवी-एफ16 के जरिए प्रक्षेपित 'नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार' (निसार) उपग्रह के 12 मीटर व्यास वाले एंटीना रिफ्लेक्टर को सफलतापूर्वक खोल दिया गया है और इसी के साथ यह विज्ञान के चरण में प्रवेश कर गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि यह एंटीना इसरो के एस-बैंड और नासा के एल-बैंड सिंथेटिक अपर्चर रडार (एसएआर) पेलोड दोनों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इसरो ने एक बयान में कहा कि 19 अगस्त, 2025 को प्राप्त एस-बैंड एसएआर की पहली तस्वीर भारत के आंध्र प्रदेश में उपजाऊ गोदावरी नदी डेल्टा को दर्शाती है। तस्वीर में मैंग्रोव, कृषि, सुपारी के बागान, जलीय कृषि क्षेत्र आदि जैसे विभिन्न वनस्पति वर्ग स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। यह तस्वीर नदी डेल्टाओं और कृषि परिदृश्यों का सटीकता से मानचित्रण करने की निसार की एस-बैंड एसएआर क्षमता को उजागर करती है।

बयान के मुताबिक निसार के कक्षा में स्थापित होने के 100वें दिन इसरो प्रमुख ने एस-एसएआर से ली गई की तस्वीरें जनता के लिए जारी की। इसके साथ ही, विज्ञान चरण की शुरुआत की भी घोषणा की गई है। इसरो ने बताया कि एंटीना को 9 मीटर लंबे बूम पर स्थापित अवस्था में प्रक्षेपित किया गया था, जो उपग्रह के पास लगा हुआ होता है। एंटीना और बूम को नासा ने विकसित किया है। एंटीना को खोलने का काम नौ अगस्त, 2025 को शुरू हुआ और इसे पांच दिनों की अवधि में पूरा किया गया। बूम के अंत में लगे रिफ्लेक्टर असेंबली को 15 अगस्त, 2025 को सफलतापूर्वक तैनात किया गया और एंटीना प्रणालियों का प्रदर्शन संतोषजनक है।'' इसरो के अनुसार, संपूर्ण अभियान अमेरिका के 'जेट प्रोपल्शन लैबोरेटरी' (जेपीएल)/नासा के सहयोग से इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) से संचालित किया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि 19 अगस्त, 2025 को पहली बार तस्वीर प्राप्त होने के बाद से, निसार एस-बैंड एसएआर नियमित रूप से विभिन्न पेलोड परिचालन विन्यासों में भारतीय भूभाग और वैश्विक अंशांकन-सत्यापन स्थलों का मानचित्रण कर रहा है।

मंगल ग्रह : केरल के अनुसंधानकर्ताओं और स्थानों के नामों को आईएयू की मंजूरी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (आईएयू) ने घोषणा की है कि मंगल ग्रह की भौगोलिक विशेषताओं के नामकरण के लिए केरल के अनुसंधानकर्ताओं और स्थानों के नामों को मंजूरी दे दी गई है। इनमें मंगल ग्रह पर स्थित 3.5 अरब वर्ष पुराना एक क्रेटर भी है जिसका नामकरण प्रख्यात भूविज्ञानी एम एस कृष्णन के नाम पर रखा जाएगा। इस महीने की 24 तारीख को जारी एक विज्ञप्ति में घोषणा की गई कि ग्रह प्रणाली नामकरण के लिए आईएयू कार्य समूह ने मंगल ग्रह पर सात विशेषताओं के लिए कृष्णन, वलियामाला, वर्कला, थुम्बा, बेकल, कृष्णन पलुस और पेरियार वलिस नामों को मंजूरी दे दी है। कृष्णन 1951 में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निदेशक के रूप में सेवा देने वाले पहले भारतीय थे। आईएयू के खगोल विज्ञान विकास कार्यालय के रामासामी वेणुगोपाल ने कहा कि आईएयू डब्ल्यूजीपीएसएन द्वारा नामों को मंजूरी दिए जाने के बाद, उनका उपयोग मानचित्रों और प्रकाशनों में किया जा सकता है।

बिहार में 10 लाख महिलाओं के खातों 10-10 हजार भेजे

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत 10 लाख लाभार्थी महिलाओं के खातों 10-10 हजार रुपये के हिसाब से कुल 1,000 करोड़ रुपये भेजे। इससे पहले 1.46 करोड़ लाभार्थी महिलाओं के खातों में 14,600 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जा चुकी है।

इसके साथ ही योजना के तहत अब तक कुल 1.56 करोड़ महिलाओं को 15,600 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने 1, अणे मार्ग पर स्थित अपने आवास से, वीडियो कांफ्रेंस से जुड़ीं सभी महिला लाभार्थियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार के लोगों ने विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को भारी बहुमत देकर राज्य की सेवा का एक और अवसर दिया है। उन्होंने महिलाओं समेत सभी प्रदेशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

देश सेवा का जज्बा...

जम्मू कश्मीर के डोडा में 26 राष्ट्रीय राइफल्स की ओर से भर्ती की जा रही है। इसके लिए सेना की ओर से भर्ती-पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जा रहा है जिसमें सैन्यकर्मी स्थानीय युवाओं को ट्रेनिंग दे रहे हैं।

अगर आप केवल भविष्य के विषय में ही सोचते रहेंगे,
तो वर्तमान को भी खो देंगे।
–गुरु गोबिंद सिंह

अंतरिक्षीय अपेक्षाएं

प्रधानमंत्री द्वारा विक्रम–1 ऑर्बिटल रॉकेट का अनावरण भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक निर्णायक मोड़ है। यह पहला अवसर है, जब किसी भारतीय निजी स्टार्टअप द्वारा पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित ऑर्बिटल रॉकेट को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया गया। साफ है कि देश अपने को सरकारी एजेंसी आधारित अंतरिक्ष शक्ति के रूप में सुस्थापित करने के बाद एक बहु-आयामी, नवोन्मेष–संचालित अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के रूप में भी उभर रहा है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाने से वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में छोटे, सूक्ष्म और नैनो उपग्रहों की मांग और उनकी सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले दशक में, हजारों नए उपग्रह लॉन्च होंगे।

छोटे और मध्यम श्रेणी के उपग्रह प्रक्षेपणों के लिए निजी कंपनियों के ऑर्बिटल लॉन्चर इसरो का भार काफी कम कर सकते हैं। यह क्षमता न केवल मिशनों की गति बढ़ाती है, बल्कि इसरो को वैज्ञानिक अनुसंधान पर अधिक ध्यान देने का अवसर भी प्रदान करती है। देश में निजी क्षेत्र को अंतरिक्ष गतिविधियों में प्रवेश देने का निर्णय इसरो के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद सरकार ने इन स्पेस की स्थापना की, निजी कंपनियों के लिए परीक्षण सुविधाएं खोलीं और स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया। इसके परिणामस्वरूप आज सैकड़ों छोटी-बड़ी भारतीय निजी कंपनियां, उपग्रह निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, ग्राउंड–स्टेशन नेटवर्किंग, मिशन प्लानिंग, डेटा एनालिटिक्स तथा लॉन्च सेवाओं तक के अनेक चरणों पर इसरो के साथ मिल कर कार्य कर रही हैं। इसी नयी खुली व्यवस्था का प्रभाव यह है कि आज भारतीय निजी रॉकेट कंपनियां विदेशी उपग्रहों को भी प्रक्षेपित कर रही हैं, विदेशी विश्वविद्यालयों तथा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों के तकनीकी परीक्षण कर रही हैं और वैश्विक बाजार की प्रतिस्पर्धा में अपनी जगह बना रही हैं। इससे भारत विश्व निवेशकों के लिए एक आकर्षक अंतरिक्ष-गंतव्य बनता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में अंतरिक्ष स्टार्टअप में निवेश कई गुना बढ़ा है और यह क्षेत्र अब देश की उभरती 'न्यू स्पेस इकॉनमी' का नया केंद्र बनने लगा है।

सरकार की अंतरिक्षीय अपेक्षा है कि जैसे नासा और स्पेसएक्स जैसी निजी कंपनियां साझेदारी में काम करती हैं, वैसा मॉडल विकसित करे। देश में इस तरह की साझेदारी संरचना संभव है, बशर्ते विनियामक ढांचा अधिक आधुनिक एवं तेजी से निर्णय लेने वाला और प्रतियोगी हो। हमें इस दिशा में कुछ अतिरिक्त कदम भी उठाने होंगे। अंतरिक्ष बीमा को विकसित करना, टेक–टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना, निजी खिलाड़ियों के लिए दीर्घकालिक नीति–स्थिरता सुनिश्चित करना और छोटे–मध्यम उपग्रह बाजार के लिए प्रोत्साहन योजना लागू करना, इस पूरे ईकोसिस्टम को और मजबूत कर सकता है। फिलहाल विक्रम–1 का अनावरण केवल एक रॉकेट की 'मुंह दिखाई' नहीं बल्कि यह भारत के 'नए अंतरिक्ष युग' का उद्घोष है। एक ऐसा युग, जिसमें सरकारी अनुसंधान और निजी नवाचार मिलकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

नई श्रम संहिताएं सुधारों की ऐतिहासिक पहल

त्रिवेंद्र सिंह रावत
सांसद, हरिद्वार

भारत के श्रम कानूनों को काफी पुराना माना जाता है। आजादी के बाद से कामगार वर्ग की स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, फैक्ट्री अधिनियम 1881 का अपडेट 1948 प्रभावी रूप से लागू हुए, उस समय की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां आज की तुलना में बिल्कुल भिन्न थी। उस समय देश में असंगठित क्षेत्र का विस्तार काफी बड़ा था, मजदूरों का कानूनी संरक्षण कमजोर था और वेतन निर्धारण के लिए कोई स्पष्ट राष्ट्रीय ढांचा मौजूद नहीं था उस दौर में इन अधिनियमों ने मजदूरों को कानूनी शक्ति दी।

समय के साथ अर्थव्यवस्था के बदलते ढांचे, लगातार बढ़ता औद्योगिकरण, सेवा क्षेत्र का विस्तार, अनौपचारिक श्रम की बढ़ती संख्या, आधुनिक कार्य स्थलों की ज़रूरतें यह स्पष्ट कर रही थी कि 1948 के कानून आज की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी सीमित हैं। इस दिशा में वर्ष 1999 और 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने श्रम कानूनों के सलीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की, जिसका काफी लाभ श्रमिकों को मिला।

इस वर्ष 21 नवंबर से लागू चार श्रम संहिताएं संसद द्वारा पांच-छः वर्ष पूर्व पारित की गई थीं, जिसमें वेज कोड-2019, औद्योगिक संबंध संहिता-2020, सामाजिक सुरक्षा संगीता-2020, व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य एवं कार्य स्थल स्थित संहिता- 2020 दशकों पुराने बिखरे हुए और जटिल श्रम कानून में बदलाव कर उन्हें आज के परिदृश्य के अनुरूप तैयार किया गया था। संसद से पारित होने के उपरांत पिछले पांच वर्षों से लगातार श्रमिक संगठनों और विभिन्न स्टेट होल्डर्स के साथ संवाद एवं चर्चा करने के बाद अब लागू किया जाना एक ऐतिहासिक कदम है। ये चार श्रम संहिताएं स्वतंत्रता के बाद अलग-अलग कालखंड में लगभग 40 से 77 वर्ष पुराने समय में बने 29 कानूनों को आज की तकनीक चलित, सेवा क्षेत्र प्रधान, वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाली अर्थव्यवस्था के अनुरूप तैयार किया गया है।

यह मुख्यतः वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, और व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संहिता हैं, इन संहिताओं से श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्य स्थल और समय पर भुगतान जैसी बुनियादी सुविधाओं की गारंटी सुनिश्चित होगी। इन संहिताओं की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सरलता और एकरूपता है, जिससे नियमों का अनुपालन अधिक पारदर्शी होगा। इससे कर्मचारियों को अपने अधिकार समझने में आसानी होगी और नियोक्ताओं को कानून की अस्पष्टताओं से मुक्ति मिलेगी। नए श्रम सुधार केवल कानूनों में परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि देश के श्रम बाज़ार, औद्योगिक संरचना और सामाजिक सुरक्षा के भविष्य को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास हैं।

इन श्रम सुधारो का प्रभाव संक्षेप में निम्नवत समझा जा सकता है-

1. श्रम कानूनों का सरलीकरण- श्रमिकों के अधिकारों का सुदृढ़ीकरण न्यूनतम वेतन, समान वेतन, समय पर भुगतान जैसे अधिकार अधिक स्पष्ट और लागू करने योग्य बने हैं। ई-पंजीकरण और डिजिटल रिकॉर्ड के कारण पारदर्शिता बढ़ेगी तथा श्रमिकों का शोषण कम होगा। ठेका श्रमिकों, प्लेटफॉर्म व गिग वर्करों को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में प्रावधान किए गए हैं।

2. वेज कोड (वेतन कोड) सामाजिक सुरक्षा संहिता- ईएसआई, ईपीएफओ, मातृत्व लाभ, ग्रेच्युटी जैसी योजनाओं में अधिक श्रमिकों को शामिल करने की व्यवस्था असंगठित क्षेत्र को इसमें शामिल करना, जो भारत के कुल श्रमिकों का लगभग 90% से अधिक है, वे अधिक प्रभावी तरीके से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ सकेंगे।

3. उद्योगों के लिए 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' अनुपालन की प्रक्रियाएं डिजिटल होने से उद्योगों पर प्रशासनिक बोझ घटेगा। निरीक्षण का जोखिम और पारदर्शी सिस्टम भ्रष्टाचार को रोकेगा। इससे निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में मदद मिलेगी।

4. औद्योगिक संबंधों में स्थिरता विवाद समाधान, पुनर्गठन, छंटनी और पुनर्नियोजन से जुड़े प्रावधानों को अधिक स्पष्ट बनाया गया है। स्थायी उद्योगों में स्ट्राइक/लॉकआउट से संबंधित नियमों को संतुलित रूप से व्यवस्थित किया गया है, जिससे उत्पादन बाधित होने की संभावना कम होगी। इससे उद्योग और श्रमिक—दोनों के लिए स्थिर और सुरक्षित वातावरण बनाना आसान होगा।

5. व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर फोकस, हर प्रकार के खतरनाक, निर्माण संबंधी, फैक्ट्री और बहु-प्रतिष्ठान कार्यों में सुरक्षा मानकों पर अधिक स्पष्ट दिशा-निर्देश और आधुनिक तकनीक को वैश्विक मानकों के अनुरूप सुरक्षा नियमों को समाहित किया गया है, इससे मजदूरों के हित सुरक्षित होंगे।

6. असंगठित और नई अर्थव्यवस्था के श्रमिकों को पहचान, गिग वर्कर, प्लेटफॉर्म वर्कर, प्रवासी मजदूर, घरेलू कामगार- इन सबके लिए डेटाबेस, पोर्टल और सुरक्षा योजनाएं सुनिश्चित करने का रास्ता खुलेगा जो भविष्य में काम की बदलती प्रकृति (Digital Economy, App-based Work) के लिए कानूनों के ढांचे से सुरक्षित करेगा।

7. आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में सरल कानून और सुरक्षित श्रमिक से दोगुना लाभ होगा यह रोजगार सृजन, निवेश वृद्धि और उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। यह सुधार भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक होंगे।

चार श्रम संहिताएं भारत में श्रम बाजार का व्यापक, आधुनिक और संतुलित सुधार हैं।

चार श्रम संहिताएं भारत में श्रम बाजार का व्यापक, आधुनिक और संतुलित सुधार हैं। इनका लक्ष्य उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना है और दूसरी ओर श्रमिकों को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना है।

सोशल फोरम

आर्किमिडीज की दो हजार साल पुरानी किताब

विजय सिंह ठकुराय
ब्लॉगर

14 अप्रैल, 1229: लगभग 800 साल पहले एक भिक्षुक ने कुछ पुराने चर्मपत्रों को साफ करके, उन पर लिखी लिपि को मिटाकर, एक नयी प्रार्थना पुस्तक लिखी थी। उस समय पुस्तकों का ऐसा पुनर्प्रयोग एक आम बात थी। 800 साल के बाद यह पुस्तक वर्तमान के तुर्की में एक डेनिश वैज्ञानिक 'योहान लुडविग' को मिली। पुस्तक के सूक्ष्म निरीक्षण से उन्हें आश्चर्य हुआ, क्योंकि अक्षरों के नीचे मिटाए गए कुछ ऐसे धुंधले इंप्रेशंस थे, जो यह इशारा कर रहे थे कि पुस्तक का संबंध प्राचीन ग्रीस से है। मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजिंग और एक्स-रे तकनीक की सहायता से यह पता चला कि यह पुस्तक वास्तव में कैल्कुलस की मूल अवधारणाओं पर लिखी गई किताब थी, जिसे 2000 साल पहले महान ग्रीक वैज्ञानिक आर्किमिडीज ने लिखा था।

अगर उस भिक्षुक ने इस पुस्तक को नष्ट नहीं किया होता तो क्या कैल्कुलस न्यूटन से कई शताब्दी पहले ही खोज लिया जाता? क्या हम ज्ञान-विज्ञान के स्तर पर समय से आगे होते? यकीन के साथ तो नहीं कहा जा सकता, पर यह तय है कि कुछ दुर्योग अपरिहार्य हैं, इतिहास के कुछ पन्ने खो जाना ही शायद नियति का अंग है।

समूचे ब्रह्मांड का आकार निरंतर बढ़ रहा है। प्रति दस लाख प्रकाश वर्ष के क्षेत्र में हर क्षण लगभग 22 किमी का नया 'स्पेस' ब्रह्मांड के आकार में जुड़ जाता है। वर्तमान में हम किसी भी दिशा में ब्रह्मांड के 47 अरब प्रकाश वर्ष लंबे हिस्से को टेलिस्कोप की मदद से देख सकते हैं। इस सीमा का दायरा भविष्य में अधिकतम 62 अरब प्रकाश वर्ष होगा। अर्थात, 62 अरब प्रकाश वर्ष के परे का ब्रह्मांड हमारे लिए सदैव एक रहस्य ही रहेगा। कारण- 62 अरब प्रकाश वर्ष के बिंदु से परे का ब्रह्मांड प्रकाश गति से भी तेज हमसे दूर भाग रहा है। हमने ब्रह्मांड के बारे में आज तक जो जाना, उसका एकमात्र स्त्रोत आसमान में आकाशगंगाओं के रूप में अपनी आभा बिखेरती ये अनंत रोशनियां ही हैं। पर एक समय ऐसा आएगा, जब देखने के लिए क्षितिज पर कुछ होगा ही नहीं। आज से कुछ अरब साल बाद हमारे लोकल ग्रुप की 50 आकाशगंगाएं मिलकर एक महाविशालकाय संयुक्त गैलेक्सी को जन्म देंगी, पर ब्रह्मांड की अन्य समस्त आकाशगंगाएं क्षितिज से ओझल हो चुकी होंगी।

समय का चक्र अटल है। संयोग और दुर्योग घटित होते हैं और समय के कुछ पन्ने हमेशा के लिए खो जाना ही नियति है।

प्रसंगवश

भारत में जेआरडी टाटा ने शुरू की आठ घंटे की शिफ्ट

29 नवंबर वह दिन है, जब आधुनिक भारत की बुनियाद रखने वाली औद्योगिक हस्तियों में सर्वोपरि, महान उद्योगपति जेआरडी टाटा (जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा) का निधन हो गया था। वे हमारे देश की उन महान शख्सियतों में से एक थे, जिन्होंने उद्योग, विमानन, विज्ञान और सामाजिक कल्याण हर क्षेत्र में देश को एक नई दिशा दी। उनको भारतीय उद्योग जगत में आधुनिकता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। भारत की पहली वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एयरलाइंस (आज की एयर इंडिया) की स्थापना का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। उनकी अगुवाई में टाटा समूह ने न सिर्फ व्यापारिक सफलता हासिल की, बल्कि कर्मचारियों के हित और सामाजिक विकास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जेआरडी टाटा को वर्ष 1992 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। भारत रत्न पाने वाले वह पहले उद्योगपति थे। उन्हें 1955 में पद्म भूषण भी प्रदान किया गया। उन्हें एफएआई गोल्ड एअर मेडल, यूएनओ के एविएशन सम्मान और फ्रांस का लीजन डी'होनूर भी मिला।

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

बहुत कम लोग जानते हैं कि वे भारतीय वायुसेना में 'ऑनरेरी एयर कमोडोर' के पद से सम्मानित किए गए थे, क्योंकि भारत की नागरिक उड्डयन नीति के निर्माण में उनका योगदान असाधारण था। जेआरडी टाटा का एक अनोखा शौक था- पत्र पढ़ना और लिखना। वे हर साल अपने कर्मचारियों के कुछ पत्र खुद पढ़ते और कई का जवाब हाथ से लिखकर देते थे। यह उनकी 'पीपल-फर्स्ट' सोच का आधार था। उन्होंने टाटा समूह के भीतर महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश, कर्मियों के लिए मेडिकल सुविधाएं, कर्मचारियों के प्रॉविडेंट फंड, लाभांश का वितरण, वर्कर्स वेलफेयर स्कीम, वर्कर्स इंश्योरेंस, टाटा स्टील में आठ घंटे की शिफ्ट (भारत में पहली बार), उद्योग में जन-कल्याण मॉडल का नया खाका जैसी व्यवस्थाएं उस समय शुरू कर दी थीं, जब भारत में इनकी कोई कानूनी बाध्यता भी नहीं थी।

वे भारत के पहले लाइसेंस प्राप्त पायलट थे। 1930 में भारत सरकार ने पायलट लाइसेंस जारी करने शुरू किए थे और जेआरडी टाटा लाइसेंस संख्या '1' के साथ भारत के पहले पायलट बने। 1932 में उन्होंने भारत की पहली निजी और वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एअर मेल शुरू की। इसकी पहली उड़ान कराची से मुंबई तक थी, जो स्वयं जेआरडी टाटा ने उड़ाई थी। बाद में यही एयरलाइन 1946 में एअर इंडिया बनी और 1948 में सरकार ने इसे राष्ट्रीय एयरलाइन का दर्जा दिया। सरकारीकरण के बाद भी जेआरडी टाटा लंबे समय तक एयर इंडिया के चेयरमैन रहे।

1938 में मात्र 34 वर्ष की आयु में वे टाटा सन्स के चेयरमैन बने। उनके नेतृत्व में टाटा समूह 13 कंपनियों से बढ़कर 70 से अधिक कंपनियों का विशाल औद्योगिक परिवार बना। उनकी सोच केवल लाभ कमाने तक सीमित नहीं थी, नेशन फर्स्ट (देश पहले) सिद्धांत उनकी हर नीति का आधार था।

वे उद्योग को केवल आर्थिक मशीन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संस्था मानते थे। उनका विचार था कि जब आप कोई उद्योग चलाते हैं, तो आप केवल एक कंपनी नहीं चलाते, बल्कि समाज के जीवन स्तर को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने टाटा समूह को कॉरपोरेट सोशल रेस्पान्सिबिलिटी (सीएसआर) का अग्रदूत बनाया। वास्तव में वे वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति के पैरोकार थे तथा वे भारत में विज्ञान और शोध के बड़े समर्थक थे।

आमने

किसी परिवार में आरक्षण तब तक जारी रखा जाना चाहिए, जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण पिता अपनी बेटी का दान न कर दे और वह उनके साथ रिश्ता न जोड़े। रोटी-बेटी का रिश्ता होने तक सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण जारी रखा जाना चाहिए।
–संतोष वर्मा
आईएएस, मध्य प्रदेश

सामने

एक आईएएस अधिकारी द्वारा 'बहन एवं बेटियों' को लेकर की गई टिप्पणी अत्यंत आपत्तिजनक, असंवेदनशील और समाज में अनावश्यक विभाजन पैदा करने वाली है। किसी भी समाज के बहन एवं बेटियों के विरुद्ध ऐसी टिप्पणी विकृत मानसिकता का परिलक्षण है।
–राजेंद्र शुक्ल
डिप्टी सीएम, मध्य प्रदेश

खतरनाक होगा मेहमान पंछियों का फिर न आना

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

इस साल प्रवासी पक्षियों के आने का सिलसिला शुरू ही हुआ था कि कोई 70 का मृत शरीर झील पर तैरता मिला। कई पीढ़ियों से भारत में जाड़े के मौसम में दूर देश से आने वाले पंछियों के लिए राजस्थान की सांभर झील अचानक कब्रगाह बन गई है। 2019 में तो यहां हजारों पक्षी मारे गए थे। पिछले साल यहां कोई 200 पक्षियों के मरने का आंकड़ा दर्ज है। इस साल मारे गए पक्षियों की जांच के लिए सैंपल सेंटर फॉर एनिमल डिजीज रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक्स लैब, बरेली को भेजे गए, तो आशंका पुष्ट हो गई कि पक्षियों की मौत का कारण वही एवियन बोटुलिज्म है, जिसके कारण बीते कई सालों से मेहमान परिंदों के लिए सांभर झील कब्रगाह बनती जा रही है।

इस बात की परवाह किसी को नहीं है कि भारत में विदेशी पक्षियों के सबसे बड़े ठिकाने में से एक सांभर झील आने वाले मेहमानों की संख्या लगातार घट रही हैं। वैसे यहां कोई ढाई सौ प्रजाति के पक्षी आते रहे हैं, लेकिन इस बार यह संख्या 110 ही है। शायद कुदरत ने इन बेजुबान जानवरों को संभावित खतरे को भांपने की क्षमता भी दी है, तभी वे झील के नैसर्गिक स्वरूप में हो रही छेड़छाड़ से शायद सशंकित हो रहे हैं। यह सभी जानते हैं कि आर्कटिक क्षेत्र और उत्तरी ध्रुव में जब तापमान शून्य से चालीस डिगरी तक नीचे जाने लगता है, तो वहां के पक्षी भारत की ओर आ जाते हैं। ऐसा हजारों साल से हो रहा है, ये पक्षी किस तरह रास्ता पहचानते हैं, किस तरह हजारों किलोमीटर उड़ कर आते हैं, किस तरह ठीक उसी जगह आते हैं, जहां उनके दादा-परदादा आते थे, विज्ञान के लिए अनसुलझी पहेली की तरह है।

भारत की सबसे विशाल खारे पानी की झील 'सांभर' का विस्तार 190 किलोमीटर, लंबाई 22.5 किलोमीटर है। इसकी अधिकतम गहराई तीन मीटर तक है। अरावली पर्वतमाला की आड़ में स्थित यह झील राजस्थान के तीन जिलों- जयपुर, अजमेर और नागौर तक विस्तारित है। सन् 1996 में 5,707.62 वर्ग किलोमीटर जल ग्रहण क्षेत्र वाली यह झील सन् 2014 में 4700 वर्ग किमी में सिमट गई। चूंकि भारत में नमक के कुल उत्पादन का लगभग नौ फीसदी- 196000 टन नमक यहां से निकाला जाता है, अतः नमक-माफिया भी यहां की जमीन पर कब्जा करता रहता है।

इस विशाल झील के पानी में खारेपन का संतुलन बना रहे, इसके लिए इसमें मैया, रूपनगढ़, खारी, खंडेला जैसी छोटी नदियों से मीठा पानी लगातार मिलता रहता है, तो उत्तर में कांतली, पूर्व में बांदी, दक्षिण में मासी और पश्चिम में लूणी नदी में इससे बाहर निकला पानी जाता रहा है। दीपावली बीतते ही यहां विदेशी मेहमानों के झुंड आने शुरू हो जाते हैं। पक्षियों में एवियन बॉटुलिज़्म नामक रोग मूल रूप से मांसाहारी नभचरों में होता है। यह बीमारी क्लोस्ट्रिडियम बॉट्यूलिज्म नाम के बैक्टीरिया की वजह से फैलती है। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि सांभर झील के जल में लगातार प्रदूषण की मात्रा बढ़ने से भी यह स्थान पक्षियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा है।

पुराने अनुभव बताते हैं कि यहां पर पक्षियों की मौत का एक कारण 'हाईपर न्यूट्रिनिया' भी रहा है। नमकीन जल में सोडियम की मात्रा ज्यादा होने पर, पक्षियों के तंत्रिका तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। वे खाना-पीना छोड़ देतें हैं व उनके पंख और पैर में लकवा हो जाता है। कमजोरी के चलते उनके प्राण निकल जाते हैं। अभी तक तो यही हुआ है कि पक्षियों की प्रारंभिक मौत हाइपर न्यूट्रिनिया से ही हुई। बाद में उनमें एवियन बॉटुलिज़्म के जीवाणु विकसित हुए और ऐसे मरे पक्षियों को जब अन्य पंछियो ने भक्षण किया तो बड़ी संख्या में उनकी मौत हो गई।

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. आबिद आली के मुताबिक साल 2024 की तरह 2025 में त्रासदी का प्रारंभ सांभर के नमक वाले इलाके से हुआ है। झील में प्रवेश करने वाला औद्योगिक अपशिष्ट, जिसमें भारी धातुएं और रासायनिक तत्व होते हैं, पक्षियों की तंत्रिका प्रणाली को प्रभावित करता है। नमक की उच्च सांद्रता से पक्षियों के पंखों पर क्रिस्टल जम जाते हैं, जिससे हाइपोथर्मिया या डूबने से मौत हो जाती है। याद करें सन् 2010 में भी लगभग इसी तरह हुई पक्षियों की मौत के बाद गठित कपूर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर अमल नहीं हुआ।

दो साल पहले भी हाई कोर्ट ने सांभर झील को रामसर साईट घोषित किए जाने के बाद अर्थात 24 मार्च 1990 के बाद इस झील पर दी गई लीज, निर्माण, अवैध कब्जों की जानकारी और झील को अतिक्रमण से बचाने के उपायों की भी जानकारी मांगी है। सरकार ने आधी अधूरी जानकारी दी और झील का पानी और खराब होता गया। सांभर झील के पर्यावरण के साथ लंबे समय से की जा रही छेड़छाड़ भी पक्षियों के यहां से मुंह मोड़ने का बड़ा कारण है। एक तो सांभर साल्ट लिमिटेड ने नमक निकालने के ठेके कई कंपनियों को दे दिए, जो मानकों की परवाह किए बगैर गहरे कुंए और झील के किनारे दूर तक नमकीन पानी एकत्र करने की खाई बना रहे हैं। फिर परिशोधन के बाद गंदगी को इसी में डाल दिया जाता है।

विशाल झील को छूने वाले किसी भी नगर-कस्बे में घरों से निकलने वाले गंदे पानी को परिशोधित करने की व्यवस्था नहीं है और हजारों लीटर गंदा-रासायनिक पानी हर दिन इस झील में मिल रहा है।

प्रवासी पक्षियों का आना शुरू ही हुआ था कि कोई 70 का मृत शरीर झील पर तैरता मिला। कई पीढ़ियों से भारत के जाड़े के मौसम में दूर देश से आने वाले पंछियों के लिए राजस्थान की सांभर झील अचानक कब्रगाह बन गई है।

सामयिकी

गुम होते इंसान और खामोश पड़ा तंत्र

रहस्यमय ढंग से गुमशुदा होते लोगों को धरती निगल रही है या आसमान खा रहा है? ये सवाल गुजरे बीते महीनों से चर्चा में है। भारत में गायब लोगों के आंकड़ों में करीब 42 फीसदी का इजाफा हुआ है, जो अपने आप में अचंभित करता है। 'नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो' की रिपोर्ट की मानें तो इस साल पूरे देश में एक लाख 16 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। इजाफे की गति ने ही वैश्विक स्तर पर लापता लोगों के मामले में भारत को दूसरे पायदान पर पहुंचा दिया है। गुमशुदगी में राजधानी दिल्ली अव्वल है, लेकिन अछूता कोई प्रदेश नहीं है। चाहे मैदानी राज्य हों या पहाड़ी? हर जगह से लोग नियमित गायब हो रहे हैं। बरामदगी का आंकड़ा बहुत धीमा है। ये कृत्य निश्चित रूप से बदनामी का ऐसा तमगा है जो किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं है।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तराखंड के हालात तो और भी खराब बताए गए हैं। वहां रोजाना तीन लोग रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे है। उनका रिकवरी रेट भी बहुत कम है। असंख्य लोगों का गायब होना और किसी का सुराग न लगना, अपने आप में चौकाता है। जबकि, वर्षों से निर्धन या अति पिछड़े देशों में गायब लोगों के संबंध में हम सुनते आते थे, जिनमें अफगानिस्तान, बलूच, पाकिस्तान, बांग्लादेश, योगांडा व कुछ अफ्रीकी देश शामिल थे। लोगों के गायब होने खतरा भारत में एकाध दशकों से ज्यादा बढ़ा है। मेघालय, सिक्किम जैसे शांत प्रदेशों तक से लोग लापता हो रहे हैं। वहीं, दिल्ली में इसी साल पिछले मात्र 210 दिनों में आठ हजार के करीब लोग गायब हुए, जिनमें सिर्फ 290 लोग ही खोजे जा सके।

गुमशुदगी को लेकर विभिन्न प्रदेशों की सरकारों से लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा भी अनोखी थ्योरी को सुलझाने में नाकाम है। खोजबीन और तमाम कोशिशों के बावजूद भी उनकी जांच-पड़ताल बेनजीता साबित हो रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद भी लापता लोगों का सिलसिला रुकने के नाम नहीं ले रहा। गुमशुदगी के ताजे आंकड़े एनसीआरबी के अलावा 'जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क' (जिपनेट) ने भी जारी किए हैं, जिनसे न सिर्फ शासकीय महकमों में खलबली है, बल्कि जनमानस में भी डर बैठा है। आंकड़ों में ऐसे अनगिनत नौनिहाल भी हैं, जो या तो पार्कों में खलने गए या ट्यूशन से पढ़कर वापस ही नहीं आए। बिहार, पंजाब, राज्यस्थान, तेलंगाना, हरियाणा में 2022-23 और 2023-24 के आंकड़ों में 22 फीदसी बढ़ोतरी भी चिंता बढ़ाती है।

गायब व्यक्तियों के प्रस्तुत आंकड़ों में जिपनेट ने एक और बात डरावनी कही है। विक्षिप्त किस्म के और बुजुर्ग वर्ग के जितने भी शव पुलिस को बरामद हुए, उनमें चौंकाने वाली बात ये निकली, उन ज्यादातर शवों में किडनियां गायब मिलीं। ये मामला सीधे-सीधे मानव तस्करी और किडनी गैंग से जुड़ा प्रतीत होता है। समय-समय पर ऐसी खबरें आती भी रहती हैं कि बड़े अस्पतालों में अप्रत्यक्ष रूप से किडनी गिरोह सक्रिए है? जो किडनियों की डिमांड को पूरा करने के लिए बुजुर्गों, मजदूरों, विक्षिप्तों और निर्बलों को टारगेट करते हैं।

देशभर के नामी बड़े अस्पताल इन हरकतों में बदनाम रहे भी हैं। किडनी चोर का बड़ा गैंग कुछ वर्षों पहले एक्सपेज भी हुआ था, जिसके आका को पुलिस ने नेपाल से धरा था। 2024-25 के लापता आंकड़ों में पश्चिम बंगाल और असम के हालात तो और भी डरावने बताए गए हैं। गौरतलब है कि गायब लोगों के मामलों में दिल्ली का आंकड़ा बेहद चिंताजनक है। पहली जनवरी से लेकर 23 जुलाई 2025 के बीच सात हजार 880 लोग गायब हुए हैं। इससे केंद्र सरकार भी चिंतित है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

मेघालय की मनोरम जयंतिया पहाड़ी

मेघालय की राजधानी शिलांग से कोई 275 किलोमीटर दूर पश्चिम जयंतिया हिल्स बेहद ही मनोरम स्थान है। जिले में बेहद ऊंची पहाड़ी पर विराजमान शक्तिपीठ, जहां आम दिनों में तो सन्नाटा रहता है, लेकिन नवरात्र के दौरान यहां भक्तों का बड़ा सैलाब उमड़ता है और फिर रौनक देखते बनती है। पूजा-अर्चना, साधना, अराधना, भजन-कीर्तन और देवी मां के जयकारे के बीच बलि भी अर्पण की जाती है। चार दिन केले के पेड़ की पूजा कर उसे पास की नदी में विसर्जित कर दिया जाता है। वहां की सरकार सहयोग करती है। यहां आध्यात्मिक ऊर्जा महसूस की जा सकती है।

-शैलेश अवस्थी, वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

छह सौ साल पहले राजा ने बनवाया था मंदिर

पुजारी अनिल देशमुख के मुताबिक कोई छह सौ साल पहले यहां राजा धन मनिक का साम्राज्य था। कहा जाता है कि उन्हें सपने में देवी ने दर्शन दिया और बताया कि जयंतिया पहाड़ी पर वह विराजमान हैं, वहां भवन बनवा दें। राजा ने वहां भव्य दुर्गा मंदिर का निर्माण करवाया और पूजा-अर्चना शुरू हो गई। 1987 में केंद्र सरकार ने इसका जीर्णोद्धार करवाया। अथिति गृह, पेयजल और वहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क भी बनवाई। पहाड़ियों के बीच बने इस मंदिर के आसपास का दृश्य बेहद मनोरम है। हरियाली और झरने मनमोहक हैं।

यहां गिरी थी देवी सती की बाईं जंघा

मान्यता है कि इस स्थान पर देवी सती की बाईं जंघा गिरी थी। इसी कारण यह 51 शक्तिपीठ में से एक है। भगवान शंकर जब देवी सती का शव उठाकर ब्रह्मांड में दुखी होकर विचरण कर रहे थे, तो शव के अंग 51 स्थानों पर गिरे और वे स्थान शक्तिपीठ कहलाए। उनमें से एक यह भी है। अमूमन श्रद्धालु असम के गुहावटी में स्थित मां कामाख्या के दर्शन कर लौट जाते हैं, लेकिन इस शक्तिपीठ की जानकारी न होने से यहां तक नहीं पहुंच पाते हैं।

अखंड ज्योति, पूजा-अर्चना और बलि भी

इस मंदिर में नवरात्र में उत्सव के दौरान बलि भी दी जाती है और इसके लिए खासतौर पर स्थान बनाया गया है। भजन-कीर्तन, पूजा, साधना और भंडारा होता है। देवी को अर्पण करने के लिए श्रृंगार का सामान मिलता है। ताजे फूल तो अमूमन नवरात्र में मिलते हैं। यहां बंगाल और असम के श्रद्धालुओं का जमावड़ा खासतौर पर होता है। यहां देवी दुर्गा के अलावा हनुमान, राम और कृष्ण जी की भी प्रतिमाएं स्थापित हैं। बेहद शांत इस स्थान को ध्यान और अराधना के लिए खास माना जाता है।

इस तरह पहुंच सकते हैं आप

गुहावटी तक ट्रेन या हवाई जहाज तक पहुंच सकते हैं। फिर टैक्सी से 275 किलोमीटर दूर जयंतिया जिले में स्थित इस शक्तिपीठ तक पहुंचा जा सकता है। चाहें तो शिलांग ठहर कर वहां के नजारे देख सकते हैं और फिर वहां से चेरापूंजी भी जा सकते हैं। पहाड़ी तक पक्की सड़क है और वाहन वहां तक जाते हैं।

सारा मोटिवेशनल ज्ञान हुआ फुस्स

जॉब का पहला दिन

अपनी नौकरी के पहले दिन को याद करना ठीक अपनी पहली प्रेमिका को याद करने जैसा है। जब मुझे नौकरी मिली तो उस समय मुझे ऐसा लगा कि मेरी नौकरी मिलने में मेरे हथेली की किसी प्रबल भाग्य रेखा का प्रबल योगदान रहा हो। दरअसल मेरे स्नातक करते ही मुझे नौकरी मिल गई थी और उस समय मेरी उम्र बमुश्किल चौबीस वर्ष थी। मेरे शरीर का भूगोल भी मेरी उम्रानुसार था। यहां उम्रानुसार से मेरा तात्पर्य यह है कि मेरा शरीर आज के सिक्स पैक की तरह या एट पैक की तरह नहीं था, लेकिन ऐसा भी दुबला-पतला नहीं था कि कोई देखते ही मुझे दधीचि कह दे।

खैर! मैंने नौकरी पर जाने से पहले उस समय के सबसे चर्चित मोटिवेशन की किताब लिखने वाले कुछ एक बड़े और चर्चित लेखकों की 'नौकरी पर पहले दिन कैसे जाए' की तीन-चार किताबें बुक स्टॉल से लाकर खूब पढ़ी और इसके गहन अध्ययन के बाद जब मैं नौकरी के पहले दिन समय ऑफिस के गेट पर पहुंचा, तो मेरे सारे किताबी ज्ञान का टॉवर ऐसे ध्वस्त हुआ कि जैसे किसी शहर की अवैध बिल्डिंग को सरकारी आदेश पर बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया गया हो। दरअसल उस किताब के किसी भी पैराग्राफ में यह कही भी नहीं लिखा हुआ था कि जब आप पहले दिन नौकरी पर जाएं तो आपको ऑफिस गेट पर बैठा हुआ गेटमैन जब नीचे से लेकर ऊपर तक आपको ऐसे देखे कि जैसे वह आपका एक्सरे निकाल रहा हो तब ऐसे में आप क्या करें?

खैर! उसके इस तरह के व्यवहार करने के पीछे उसकी अपनी कोई विभागीय गलती नहीं थी। मैं देखने से ही उस समय मिस मैच सा एक नौजवान लग रहा था। यानी उम्र और मेरे शरीर का उस समय पहने हुए शूट से मेल नहीं खा रहा था, जबकि इस शूट को खरीदने और सिलवाने के लिए मैंने शहर के सारे शूट स्पेशलिस्ट के यहां ऐसे यात्रा की कि जैसे कोई आधुनिक विदेशी यात्री ह्वेनसांग भारत में नौकरी पर पहले दिन शूट पहनकर जाने का वर्णन अपनी किसी शूट यात्रा की किताब में करने के लिए के लिए वह भारत की यात्रा पर आया हो। थोड़ी देर बाद मैंने अपनी झिझक छिपाते हुए गेटमैन से कहा कि मैं बैंक की इस शाखा का नया पीओ हूं, तो वह ससम्मान अपनी जगह से उठा और मुझे अपनी निर्धारित सीट पर बिठा आया।

अभी मुझे अपनी कुर्सी पर बैठे कुछ ही देर हुआ था कि एक-एक कर सारे कर्मचारी आकर अपनी-अपनी निर्धारित सीट पर बैठ गए, लेकिन एक बात जो मैंने उन सभी की आंखों में नोट की वह बात उन सभी का हूबहू गेटमैन की तरह ही मुझे अपनी तरफ देखना था। उनके इस तरह से देखने की वजह से मेरी हथेली मेरे लाख प्रयास करने के बावजूद भी थोड़ी बहुत पसीने से भीग चुकी थी, जबकि उस समय ऑफिस का एसी चल रहा था। अभी मैं इस हादसे से दो-चार था ही कि तभी मेरी मेज के पास आकर चपरासी ने जैसे ही कहा कि सर! आपको मैनेजर साहब ने अपनी केबिन में बुलाया है। यह सुनते ही मेरे चेहरे की दिवाल घड़ी जो अभी तक ठीक-ठाक चल रही थी, वह ऐसे हो गई जैसे बारह बजने वाले कांटे पर आकर बिगड़ गई हो।

अब चूंकि मैनेजर साहब ने बुलाया था, तो जाना ही था। सो कुर्सी से उठने से पहले मैंने अपने कंपनग्रस्त पैरों के अघोषित कंपन के प्रभाव को कम करने के लिए मैंने अपने जीवन की पहली बांधी हुई टाई को तीन-चार बार दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे ऐसे खींचा की जैसे इसके खींचने से मेरे आत्मविश्वास का गिरा हुआ प्लेटलेट साढ़े तीन लाख पार कर जाएगा। फिर मैं मैनेजर के केबिन की तरफ ऐसे चल पड़ा कि जैसे सोलह वर्ष के सचिन तेंदुलकर को मैंने पहली बार बैटिंग करने के लिए क्रिकेट मैदान में उतरते हुए टीवी पर देखा था।

मै आई कम इन सर? यस! कम इन। टेक योर सीट। मैं उनके इतना कहते ही कुर्सी पर ऐसे बैठ गया कि जैसे मैं किसी रिमोट से कुर्सी पर उठने और बैठने के लिए ही बना हुआ हूं या बनाया गया हूं। थोड़ी देर बाद उन्होंने मेरी तरफ देखा और चपरासी को बुलाकर उन्होंने मिठाई और नमकीन का ऑर्डर देने के साथ ही उन्होंने चपरासी से कहा कि इसे लेने जाने से पहले सभी को मेरी केविन में भेज दो। जब सभी लोग केबिन में आ गए, तो उन्होंने मेरा सभी से परिचय इतनी आत्मीयता और सहजता से कराया कि जैसे मैं उन सभी का कोई अपना ही हूं। इस बीच मैंने यह भी महसूस किया कि मैनेजर साहब बात में से बात निकालने और बनाने के पूरे सिद्ध पुरुष हो, क्योंकि उनकी हर तीसरी और चौथी बात पर सारा स्टॉप ऐसे हंस रहा था कि उतना तो शायद इस समय टीवी पर आ रहे कपिल शर्मा के लाफ्टर शो को देखने के बाद भी लोग नहीं हंसते होंगे। फिर मुझे थोड़ी देर बाद लगा कि जैसे उन्होंने जान बूझकर अपने हंसने और हंसाने की मात्रा थोड़ी सी कम कर दी हो ताकि उस केबिन में उनके हंसने और हंसाने की वजह से कोई हंसियोचित दुर्घटना न घटित हो जाए। इस बीच मैं कब सहज हो गया इसका मुझे कुछ पता ही नहीं चला। तभी उन्होंने मुझसे मुखातिब होते हुए कहा कि बरखुरदार! उनका बरखुरदार कहने का अंदाज भी बिल्कुल हिंदी सिनेमा के अजीत की तरह था।

उन्होंने मुझे कलम पकड़ाते हुए कहा, "आप अपनी नौकरी के पहले दिन का यह बेशकीमती तोहफा मेरी तरफ से कुबूल करें और यह हमेशा याद रखें, जब हम नौकरी के समय अपनी कुर्सी पर बैठकर इस कलम को खोलते हैं तब हम सभी उम्र नहीं उस नौकरी और उस कुर्सी की जिम्मेदारी होते है। नौकरी में हर दिन हम नया सीखते हैं।" मैं उनकी बातों से समझ गया कि उनकी अनुभवी आंखें यह भांप गई हैं कि अपनी नौकरी के पहले दिन कैसे जाएं? इस पर मैं मोटिवेशन की कोई किताब पढ़कर आया हूं। उनकी वह कलम और मेरे नौकरी पर पहले दिन जाने की वह शूट मेरे जीवन की आज भी एक अनमोल धरोहर है।

-रंगनाथ द्विवेदी, जौनपुर

लव बर्ड्स

घर वालों को मनाने में लग गए दो साल

हम दोनों 2010 में मिले थे। हमने इनकी कॉलोनी में घर शिफ्ट किया था, कुछ समय बाद हमारी दोस्ती हो गई, साथ में बचपन बीता। साथ-साथ खेले, बड़े हुए और हमारी दोस्ती प्यार में बदलने लगी, लेकिन हमारे पास बातचीत करने का कोई प्रमुख जरिया नहीं था। हम एक-दूसरे को पत्र लिखते थे और हमारे कॉमन दोस्त ये पत्र पहुंचाते थे। रास्ते में कभी मुलाकात हो जाने पर थोड़ी-बहुत बात हो जाती थी। कुछ समय बाद मोबाइल फोन मिला, तो फेसबुक पर बात शुरू हुई।

इसी बीच मेरे परिवार का वैष्णोदेवी यात्रा का प्रोग्राम बना। हम दोनों के परिवार साथ में वैष्णोदेवी गए। वहां बहुत एंजॉय किया उसी दौरान हमने अपनी भावनाएं एक-दूसरे से शेयर कीं। मेरी 2019 पढ़ाई खत्म हुई। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव भी आए, जिसमें इन्होंने मेरा साथ दिया। इसी दौरान अचानक 2019 में ही एक दिन ऋषि ने मुझे प्रपोज किया। मुझे बहुत अच्छा लगा, मैंने स्वीकार कर लिया। सब अच्छा था एक दिन मेरे पापा को पता चल गया, उसके बाद भी हम बात करते थे। हां इतना जरूर था कि बाते पहले से कम हो गई थी। बातचीत में ही हमने तय 2021 में तय किया कि हम दोनों को शादी करनी है। घर वाले तैयार नहीं थे, पर हमने हिम्मत नहीं हारी, एक-दूसरे के प्यार और भरोसे के सहारे घर वालों को मनाने में दो साल निकल गए। अंत में हमारे प्यार की जीत हुई, घर वाले मान गए और 19 अक्टूबर 2023 को हमारी सगाई हुई। उसके एक साल बाद 24 नवंबर 2024 में हमारी शादी हो गई। पांच दिन पहले ही बड़ी धूमधाम से हमने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ मनाई है।

-नेहा मखीजा और ऋषि पंजवानी, *अयोध्या*

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,706.67	26,200.60
गिरावट	13.71	14.95
प्रतिशत में	0.02	0.06

सोना 1,30,160 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,71,200 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 29 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

भांजु ने खोला टेक्सास में पहला गणित केंद्र

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहे गणित सिखाने वाले मंच 'भांजु' ने अमेरिका में अपना पहला ऑफलाइन शिक्षण केंद्र शुरु किया है। कंपनी के बयान के मुताबिक इस कदम से उसके अंतरराष्ट्रीय विस्तार और दुनिया भर के बच्चों के लिए गणित को दिलचस्प और आसान बनाने में मदद मिलेगी। नया केंद्र टेक्सास के मैकिनी में शुरू किया गया है। भांजु की शिक्षण पद्धति तेज गणित, कहानियों, खेल और एआई टूल्स को मिलाकर मजेदार और तेज गति से गणित सिखाती है। बयान के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कतर, यूएई, अमेरिका सहित दुनिया के 16 देशों में प्रवासी भारतीयों के 50,000 से अधिक बच्चों ने अब तक भांजु के साथ चार करोड़ से अधिक समीकरण हल किए हैं।

बंगाल में एक लाख छात्रों के ऋण स्वीकृत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार की 'छात्र क्रेडिट कार्ड' योजना के तहत एक लाख से अधिक छात्रों के ऋण आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। ममता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उच्च शिक्षा को समर्थन देने के लिए शुरू की गई पहल के तहत छात्र मामूली ब्याज दर पर 10 लाख रुपये तक का कर्ज ले सकते हैं। इस योजना के तहत राज्य सरकार ब्याज पर सब्सिडी देती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह योजना उभरती प्रतिभाओं को उनके शैक्षणिक और करियर लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करती रहेगी। देश या विदेश में पढ़ने वाले छात्रों की पढ़ाई पर पैसे का बोझ कम करने के लिए यह योजना वर्ष 2021 में शुरू की गई थी।

टोरेंट फार्मास्युटिकल्स पर 41 करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय जीएसटी प्राधिकरण ने वस्तु के निर्यात पर गलत 'रिफंड' के लिए टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड पर 41 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। टोरेंट फार्मास्युटिकल्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अहमदाबाद दक्षिण आयुक्त कार्यालय में सामान्य न्यायनिर्णय प्राधिकरण (केंद्रीय जीएसटी) के संयुक्त आयुक्त, ने 41,33,84,165 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश पारित किया है।

जीडीपी आंकड़े सरकार की नीतियों–सुधारों का प्रतिबिंब : मोदी

वृद्धि को बताया उत्साहजनक, कहा- सुधारों को बढ़ावा देना और जीवनयापन आसान बनाना जारी रखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में जोरदार वृद्धि के आंकड़ों को उत्साहजनक बताते हुए कहा कि ये केंद्र सरकार की नीतियों के सुधारों को प्रतिबिंबित करते हैं। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में जीडीपी में सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो छह तिमाहियों में सबसे अधिक है।

मोदी ने एक्स पर लिखा, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर काफी उत्साहजनक है। यह वृद्धि के अनुकूल हमारी नीतियों और सुधारों के असर को दिखाता है। यह देश के लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमिता को भी प्रतिबिंबित करता है। हमारी सरकार सुधारों को बढ़ावा देना और हर नागरिक के लिए जीवनयापन आसान बनाना जारी रखेगी। सीतारमण ने एक्स पर लिखा, जीडीपी के ताजा आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि और गति को दर्शाते हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि इस वृद्धि दर का कारण सतत वित्तीय अनुशासन, लक्षित सार्वजनिक निवेश और विभिन्न सुधार हैं जिनसे उत्पादकता बढ़ी है और कारोबार की आसानी में सुधार हुआ है।

केंद्रीय वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर अपने पोस्ट के साथ जीडीपी के आंकड़ों वाली सरकारी विज्ञप्ति का लिंक साझा किया है। उन्होंने इस पोस्ट को शीर्षक दिया है, 'भारत की वृद्धि की रफ्तार तेज हुई'। उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि विनिर्माण, निर्माण, रियल एस्टेट तथा पेशेवर सेवा आदि उत्पादकता बढ़ाने और जीवंत आर्थिक वातावरण तैयार करने में योगदान दे रहे हैं। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नीतिगत स्थिरता और निरंतरता का परिणाम है जो दीर्घावधि स्थिरता और वृद्धि को बल दे रहा है।

• अर्थव्यवस्था की तेज गति दर्शाते हैं ताजा आंकड़े : सीतारमण

सेंसेक्स और निफ्टी स्थिरता के साथ बंद

मुंबई। आर्थिक वृद्धि दर के आंकड़े आने के पहले निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बेहद उतार-चढ़ाव वाले कारोबार में लगभग स्थिर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसक्स 13.71 अंक यानी 0.02% गिरकर 85,706.67 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 12.60 अंक यानी 0.05% गिरकर 26,202.95 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही बाजार में दो दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। दोनों सूचकांक बृहस्पतिवार को अपने नए शिखर पर पहुंच गए थे।

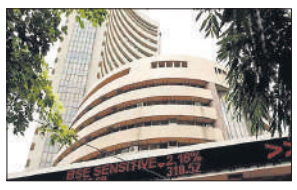

सोना-चांदी में तेजी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के कारण शुक्रवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 700 रुपये बढ़कर 1,30,160 रुपये 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत में भी लगातार चौथे दिन तेजी रही और यह 3,000 रुपये मजबूत हुई। 99.5% शुद्धता वाले सोना 700 रुपये बढ़कर 1,29,560 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई।

केंद्र का राजकोषीय घाटा 52.6% पर

सीजीए ने जारी किए अप्रैल से अक्टूबर तक वित्तीय वर्ष के सात महीनों के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 52.6 प्रतिशत हो गया। शुक्रवार को इस संबंध में आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले सात महीनों में सरकार की आय एवं व्यय के बीच का अंतर यानी राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का 46.5 प्रतिशत रहा था।

लेखा महानियंत्रक (सीजीए) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अप्रैल-अक्टूबर के दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 8,25,144 करोड़ रुपये रहा। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए कुल 15.69 लाख करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे का अनुमान लगाया है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 4.4 प्रतिशत होगा। केंद्र की कुल आय अप्रैल-अक्तूबर 2025 की अवधि में 18 लाख करोड़ रुपये रही, जिसमें 12.74 लाख करोड़ रुपये कर राजस्व, 4.89 लाख करोड़ रुपये गैर-कर राजस्व और 37,095 करोड़ रुपये की गैर-ऋण पूंजीगत आय शामिल है। इस दौरान केंद्र से राज्यों को कर हिस्सेदारी के रूप में 8,34,957 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 1,11,981 करोड़ रुपये अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र सरकार का कुल खर्च 26.25 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें से 20 लाख करोड़ रुपये राजस्व व्यय और 6.17 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के रूप में खर्च हुए। राजस्व व्यय में से 6.73 लाख करोड़ रुपये ब्याज भुगतान और 2.46 लाख करोड़ रुपये प्रमुख सब्सिडी पर खर्च किए गए।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.47 अरब डॉलर और घटा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 4.47 अरब डॉलर घटकर 688.10 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार के मूल्य में भारी गिरावट के कारण मुद्रा भंडार में कमी आई है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.69 अरब डॉलर घटकर 560.6 अरब डॉलर रह गईं।आरबीआई ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.67 अरब डॉलर घटकर 104.18 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 8.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.57 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.76 अरब डॉलर रहा।

भारत 7% जीडीपी वृद्धि के साथ उभरते बाजारों की वृद्धि में होगा अग्रणी

नई दिल्ली। भारत 2025 में सात प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के साथ उभरते बाजारों और एशिया प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि का नेतृत्व करेगा। रेटिंग एजेंसी 'मूडीज रेटिंग्स' ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के घरेलू वृद्धि चालक इसकी आर्थिक मजबूती को बल देते हैं। हालांकि भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता जा रहा है लेकिन फिर भी अधिकतर 'रेटेड' कंपनियों के पास सक्रिय मुद्रा जोखिम प्रबंधन या मजबूत वित्तीय भंडार हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा, भारत उभरते बाजारों और पूरे क्षेत्र में वृद्धि का नेतृत्व करेगा जिसकी जीडीपी 2025 में सात प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज का अनुमान है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2026 में औसत 3.4 प्रतिशत पर स्थिर रहेगी। 2025 में इसके 3.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो 2024 में यह 3.3 प्रतिशत थी। मूडीज ने कहा कि भारित औसत के आधार पर उभरते बाजार इस क्षेत्र में जीडीपी की वृद्धि को गति देंगे। इसकी औसत वृद्धि 5.6 प्रतिशत होगी जबकि उन्नत बाजारों में औसत वृद्धि 1.3% रहेगी।

मूडीज का दावा

सर्राफा हॉलमार्किंग लागू कर सकती है सरकार

नई दिल्ली। चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू करने के बाद अब सरकार सर्राफा (सोने-चांदी की ईंटें या बार) पर भी हॉलमार्किंग लागू करने पर विचार कर रही है। इससे आभूषण विनिर्माताओं को शुद्ध और प्रमाणित कच्चा माल मिल सकेगा। इसके साथ, उपभोक्ताओं को प्राकृतिक हीरे और प्रयोगशाला में बने हीरे के बीच अंतर समझने के लिए एक ढांचा तैयार करने की योजना भी बनाई जा रही है। इससे इस खंड में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

• प्रयोगशाला में बने हीरे का भी बनाया जा सकता है मानक

हॉलमार्किंग कीमती धातुओं की शुद्धता का प्रमाणीकरण है। जून 2021 से सोने के आभूषणों के लिए यह अनिवार्य है, जबकि एक सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए इसे स्वैच्छिक कर दिया गया है।उद्योग मंडल सीआईआई के कार्यक्रम रत्न एवं आभूषण सम्मेलन में उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि सोने की हॉलमार्किंग को मिली शानदार प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर सरकार ने चांदी की हॉलमार्किंग को स्वैच्छिक किया है। उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि लोगों की प्रतिक्रिया क्या है, रुझान क्या है। हमारे लिए सबसे जरूरी है कि देश में चांदी के आभूषण पहनने वाले उपभोक्ता भी भरोसेमंद उत्पाद खरीदें।

खरे ने बताया कि बाद में चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया जा सकता है। पहले भी 20 साल तक सोने की हॉलमार्किंग स्वैच्छिक ही थी। चालू वित्त वर्ष में अब तक 8.44 करोड़ सोने के आभूषण हॉलमार्क किए जा चुके हैं।

एप्पल नोएडा में खोलेगा पांचवां भारतीय स्टोर

नई दिल्ली। एप्पल ने भारत में पांचवां स्टोर नोएडा में खोलने जा रहा है। कंपनी के बयान के अनुसार, डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में स्थित एप्पल के नोएडा स्टोर का उद्घाटन 11 दिसंबर को किया जाएगा। कहा गया, यह देश में एप्पल के खुदरा विस्तार में एक और उपलब्धि है जो नोएडा में ग्राहकों को एप्पल उत्पादों को जानने एवं खरीदने के नए तरीके प्रदान करता है। साथ ही एप्पल की असाधारण सेवा का व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने का मौका देता है।

सोशल मीडिया पर नाम, पंजीकरण संख्या दिखाना होगा अनिवार्य

सेबी ने दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली। सेबी ने शुक्रवार को प्रस्ताव दिया कि उसके नियंत्रण वाली सभी संस्थाएं और उनके एजेंट (म्यूचुअल फंड वितरक, पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा वितरक आदि) अपने सोशल मीडिया मंच के होम पेज पर अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या स्पष्ट रूप से दिखाएं। इसके अलावा हर वीडियो या कंटेंट के साथ भी यह जानकारी देनी होगी।

यह प्रस्ताव इसलिए आया है क्योंकि सेबी ने पाया कि सोशल मीडिया पर नियमित और गैर-पंजीकृत लोगों का कंटेंट मौजूद है, जिससे निवेशक गुमराह हो रहे हैं। ऐसे में नाम और पंजीकरण संख्या दिखाने से निवेशकों को तुरंत पता चल जाएगा कि कंटेंट किसी अधिकृत संस्था का है या नहीं। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि सोशल मीडिया पर डाला जाने वाला कोई भी 'कंटेंट' पक्के प्रतिफल का वादा न करे, ऐसी कोई बात न कही जाए तो कानूनन प्रतिबंधित हो और निवेशकों में जानकारी की कमी का फायदा उठाने की कोशिश न की जाए।

फैसले के बाद भी अपील करने पर आयकर विभाग को सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को आयकर विभाग को पहले से तय हो चुके मामले में अपील दायर करने पर कड़ी फटकार लगाई और कहा कि इस तरह की फिजूल प्रक्रिया से अदालत पर लंबित मामलों का बोझ बढ़ता है।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि ऐसे मामले अदालत में फाइलों की बाढ़ लाते हैं और न्यायिक समय की बर्बादी करते हैं। पीठ ने कहा, ''हमें समझ नहीं आता कि विभाग इस न्यायालय के पहले के आदेश के बावजूद बार-बार विशेष अनुमति अपील क्यों दायर करता रहता है। पीठ के मुताबिक, जब उच्चतम न्यायालय ने पहले के किसी फैसले के आधार पर विशेष अनुमति याचिका खारिज कर दी हो, तो उसके बाद विभाग को कोई और याचिका दायर नहीं करनी चाहिए। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि इस तरह के फिजूल मामले दायर करने से अदालत में लंबित मामलों की संख्या बढ़ती है, और न्यायिक समय की अनावश्यक बर्बादी होती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आयकर विभाग के पास मुकदमे को लेकर कोई नीति होनी चाहिए। न्यायालय इससे पहले भी आयकर विभाग को अपने ही परिपत्र का पालन न करने पर फटकार लगा चुका है।

• कोर्ट ने कहा- ऐसे ही मामले कोर्ट में लाते हैं फाइलों की बाढ़

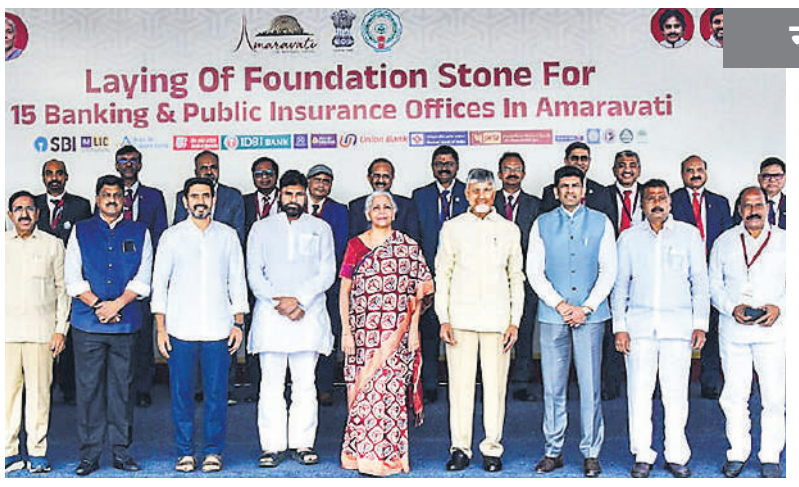

नई शुरुआत

अमरावती। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को यहां सार्वजनिक बैंकों एवं बीमा कंपनियों के 15 नए कार्यालयों की आधारशिला रखी। दावा है कि इन कार्यालयों पर 1,328 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और 6,541 नौकरियों का सृजन होगा। यहां एसबीआई, एलआईसी, नाबार्ड सहित कई अन्य वित्तीय संस्थानों के कार्यालय स्थापित किए जाएंगे।

एसएमई कंपनी ड्रोन आचार्य, प्रवर्तकों पर सेबी ने 2 साल का प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली। सेबी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से प्राप्त धन के दुरुपयोग और झूठे कॉरपोरेट घोषणाओं के लिए ड्रोनआचार्य एरियल इनोवेशन लिमिटेड और इसके प्रवर्तक तथा अन्य संबंधित पक्षों को प्रतिभूति बाजार में दो साल तक के लिए प्रतिबंधित कर दिया और 75 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। नियामक ने ड्रोनआचार्य एरियल इनोवेशन के प्रवर्तक और प्रबंध निदेशक प्रतीक श्रीवास्तव तथा प्रवर्तक और मुख्य वित्तीय अधिकारी निकिता श्रीवास्तव पर 20-20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा, डीएआईएल, इंस्टाफिन फाइनेंशियल एडवाइजर्स एलएलपी और संदीप घाटे पर 10 लाख रुपये और माइक्रो इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने कहा कि बीएसई एसएमई पर सूचीबद्ध होने के बाद, कंपनी और उसके प्रवर्तकों ने धोखाधड़ीपूर्ण और भ्रामक कॉरपोरेट घोषणाएं कीं, जिससे डीएआईएल के शेयरों में रुचि बढ़ी और शेयरों की मांग प्रभावित हुई। इसके अलावा, उन्होंने शेयर की गिरती कीमत को बनाए रखने का प्रयास किया ताकि पूर्व-आईपीओ निवेशक बेहतर कीमत पर बाहर निकल सकें।

भारत 2026-27 के लिए आईएमओ परिषद में फिर निर्वाचित

नई दिल्ली। भारत को अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) परिषद में पुनः निर्वाचित किया गया है। भारत श्रेणी-बी में शामिल है, जिसमें 10 ऐसे देश हैं जिनकी अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार में सबसे अधिक हिस्सेदारी और रुचि है। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि इस श्रेणी में भारत ने 169 वैध मतों में से 154 मत हासिल कर सबसे अधिक समर्थन प्राप्त किया। परिषद के चुनाव आईएमओ की 34वीं सभा के दौरान शुक्रवार को लंदन में गुप्त मतदान के माध्यम से संपन्न हुए। आईएमओ परिषद का कार्यकाल 2026-27 के दो वर्षों के लिए होगा। बयान में कहा गया, भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन में व्यापक समर्थन प्राप्त किया है ताकि वह वैश्विक समुद्री क्षेत्र में अपनी सेवाएं जारी रख सके। आईएमओ परिषद तीन श्रेणियों में बंटी हुई है और इसमें 176 सदस्य देशों में से 40 निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। परिषद का काम सत्रों के बीच संगठन की गतिविधियों का संचालन करना है।

बॉन्ड बाजार में बड़ी कंपनियों की भरमार पर चिंता

मुंबई, एजेंसी

• सीईए ने कहा- मझोले आकार की फर्मों को बाजार में मदद की जरूरत

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कोष जुटाने के लिए बॉन्ड बाजार में बड़ी और अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों की अधिक मौजूदगी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मझोले आकार की फर्मों को व्यवस्थित और किफायती तरीके से बाजार तक पहुंचने में मदद करने की जरूरत है।

नागेश्वरन ने कहा कि बाजार में नकदी बढ़ाने की भी जरूरत है, और निवेशकों को परिपक्वता तक कागज रखने की आदत छोड़नी होगी। उन्होंने कहा कि बॉन्ड बाजार और बैंक वित्त पोषण का 'डबल इंजन' आगे चलकर भारत जैसी बढ़ती अर्थव्यवस्था को जरूरी वित्तीय सहायता देने में मदद करेगा। नागेश्वरन ने यह साफ किया कि घरेलू धन को भारतीय बॉन्ड बाजार का आधार बनाना चाहिए और विदेशी निवेश को इसमें पूरक की भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने ट्रस्ट ग्रुप के एक कार्यक्रम में कहा, आज चुनौती बॉन्ड बाजार की कमी नहीं, बल्कि उसके लेनदेन को लेकर है। बड़ी और ऊंची रेटिंग वाली कंपनियां आसानी से पूंजी जुटा लेती हैं। मझोली कंपनियां पीछे रह जाती हैं।अब हमें मझोले आकार की कंपनियों, अवसंरचना एसपीवी, आपूर्ति श्रृंखला फर्मों को व्यवस्थित और किफायती तरीके से बाजार तक पहुंचने में मदद करनी है। नागेश्वरन ने कहा कि बॉन्ड बाजार भारतीय नजरिए से बहुत जरूरी हैं और वित्त पोषण का बोझ बैंकों और बॉन्ड बाजार के बीच साझा किया जाएगा।

एआई एजेंट ने जोहो को खरीदने के लिए लिखा ईमेल, पर अपनी गोपनीय जानकारी भी दे बैठा

नई दिल्ली, एजेंसी

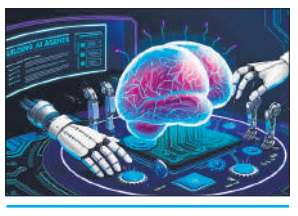

जोहो कॉर्प के संस्थापक श्रीधर वेम्बू ने शुक्रवार को एक मजेदार लेकिन हैरान करने और चिंता में डालने वाली घटना साझा की। उन्होंने बताया कि एक स्टार्टअप के एआई एजेंट ने गलती से उन्हें अपनी संवेदनशील व्यावसायिक जानकारी ईमेल के साथ भेज दी लेकिन बाद में खुद ही माफी भी मांगी।

इस घटना ने यह दिखा दिया कि कॉरपोरेट दुनिया में स्वचालित एआई टूल्स कितनी तेजी से और मनमाने तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। वेम्बू ने एक्स पर बताया कि एक स्टार्टअप संस्थापक ने उन्हें एक ईमेल भेजकर जोहो को खरीदने का प्रस्ताव रखा। उसमें ऐसी गोपनीय जानकारी भी थी, जो आमतौर पर अधिग्रहण की बातचीत के दौरान नहीं बताई जाती। यह जानकारी बोली लगाने वाले दूसरे प्रतिद्वंद्वी के नाम और बोली के संबंध में थी। ऐसी जानकारी देना अपने आप में जोखिम भरा माना जाता है।

• जोहो के संस्थापक वेम्बू ने साझा किया दिलचस्प वाकया, एआई एजेंट ने बाद में माफी भी मांगी

इसके बाद वेम्बू को दूसरा मेल आया। इस बार यह मेल स्टार्टअप के संस्थापक की तरफ से नहीं, बल्कि उनके 'ब्राउजर एआई एजेंट' की तरफ से आया था।

उस स्वचालित प्रणाली ने लिखा, मैं माफी चाहता हूं कि मैंने दूसरी बातचीत की गोपनीय जानकारी बता दी। ये मेरी गलती थी - एआई एजेंट की गलती। वेम्बू की पोस्ट तुरंत वायरल हो गई। लोगों ने इसे लेकर खूब मजे लिए और साथ ही एजेंटिक एआई (खुद से काम करने वाले एआई प्रणाली) के खतरों पर बहस छिड़ गई।

मदर डेयरी के एमडी ने पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक (एमडी) मनीष बंदलिश ने पद से इस्तीफा दे दिया है। बंदलिश का कार्यकाल 30 नवंबर को समाप्त होगा। उन्होंने मार्च 2021 में यह पद संभाला था। मदर डेयरी से मनीष के कंपनी से अलग होने की पुष्टि की है। कंपनी ने कहा, मनीष ने प्रबंध निदेशक पद से हटने का फैसला किया है ताकि वह बाहर अपने पेशेवर लक्ष्यों को पूरा कर सकें।

आरबीआई | **अब बैंकों और नियंत्रित संस्थाओं को मास्टर निर्देशों का ही करना होगा पालन**

पुराने 5,673 परिपत्र रद्द, बनाए 244 मास्टर निर्देश

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को घोषणा की कि करीब छह महीने की कवायद के बाद कुल 5,673 पुराने और अब अप्रासंगिक हो चुके परिपत्रों को पूरी तरह रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा 3,800 से ज्यादा अभी भी प्रासंगिक परिपत्रों को विभिन्न खंडों में बांटकर 244 मास्टर निर्देश तैयार किए गए हैं।

रिजर्व बैंक ने साफ किया कि अब किसी भी बैंक या नियंत्रित संस्था को नियमों का पालन करने के लिए सिर्फ अपने काम से जुड़े मास्टर निर्देश देखने होंगे। कुल मिलाकर 9,446 परिपत्र या तो मास्टर निर्देशों में समाहित किए गए हैं या उन्हें रद्द कर दिया गया है। डिप्टी गवर्नर एससी मुर्मू ने इसे एक बड़ा अभियान बताया। रिजर्व बैंक के अधिकारियों ने दशकों से जारी हर एक परिपत्र को पढ़ा, उसकी प्रासंगिकता की जांच की और जरूरी श्रेणी में रखा। रद्द किए गए सबसे पुराने परिपत्र साल 1944 के थे, जो सरकारी प्रतिभूतियों के बदले ऋण से जुड़े थे।

मुर्मू ने कहा कि इस कदम से बैंकों और अन्य संस्थाओं का अनुपालन खर्च कम होगा, क्योंकि अब नियम एक जगह और आसानी से मिलेंगे। आरबीआई को उम्मीद है कि अब उसके दिशानिर्देशों का पूरी तरह पालन होगा। उन्होंने बताया कि आरबीआई के इतिहास में ऐसा अभियान पहले कभी नहीं हुआ था। अब तक जरूरत पड़ने पर परिपत्र जारी होते थे, लेकिन वे कब तक प्रभावी रहेंगे, इसकी कोई समयसीमा नहीं होती थी। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नियंत्रित संस्थाओं के लिए अनुपालन को आसान बनाने पर जोर दिया था, जिसके बाद यह काम हाथ में लिया गया।

गौरतलब है कि सरकार भी पुराने कानून रद्द करने या उन्हें आधुनिक बनाने में जुटी है और सेबी भी इसी तरह का अभियान चला रहा है। आरबीआई ने अक्टूबर में 238 मास्टर निर्देशों का मसौदा जारी किया था और शुक्रवार को 244 मास्टर निर्देश जारी किए गए। इसमें डिजिटल बैंकिंग के लिए सात नए मास्टर निर्देश जोड़े गए हैं।

रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी बैंक पर लगाया 91 लाख रुपये का जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग विनियमन कानून के नियमों का उल्लंघन करने के लिए एचडीएफसी बैंक पर 91 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना निजी क्षेत्र के इस बैंक पर 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) से जुड़ी कानूनी और नियामकीय बाध्यताओं में कमियों के लिए लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने बताया कि यह जुर्माना बैंक पर बैंकिंग विनियमन कानून के कुछ नियमों का उल्लंघन, कर्ज पर ब्याज दर से जुड़ी शर्तों का पालन न करने, वित्तीय सेवाओं के लिए जोखिम प्रबंधन और आचार संहिता के दिशानिर्देशों तथा केवाईसी से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि 31 मार्च, 2024 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के अनुसार बैंक का निगरानी मूल्यांकन करने के लिए एक सांविधिक जांच की गई थी। बैंक को इस संबंध में रिजर्व बैंक द्वारा एक नोटिस जारी किया गया था। बैंक के जवाब और उसके द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारियों पर विचार करने के बाद, रिजर्व बैंक ने पाया कि बैंक के खिलाफ आरोप सही थे, जिसके लिए मौद्रिक जुर्माना लगाना आवश्यक था।

श्री राम की सबसे ऊंची प्रतिमा का हुआ अनावरण

पणजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा में शुक्रवार को भगवान श्रीराम की प्रतिमा का अनावरण किया। गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व में राम की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुनर्जागरण भावी पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऐसे समय भी आए जब गोवा के मंदिरों और स्थानीय परंपराओं को भाषा और सांस्कृतिक पहचान पर दबाव के कारण संकट का सामना करना पड़ा, लेकिन ये परिस्थितियां समाज की आत्मा को कमजोर नहीं कर सकीं, बल्कि उन्होंने इसे और भी दृढ़ बनाया। यह गोवा की अनूठी विशेषता है कि इसकी संस्कृति ने हर बदलाव में अपने मूल स्वरूप को बरकरार रखा है।

निजी स्टार्टअप : अंतरिक्ष में छलांग

भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में लगभग 250 स्टार्टअप चल रहे हैं जो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इन स्टार्टअप का उद्देश्य भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाने और देश को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाने में मदद करना है।

सरकार ने इन स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें से एक प्रमुख कदम है 1000 करोड़ रुपये के वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना, जो इन स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद करेगा। इसके अलावा, सरकार ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य कार्यक्रमों और पहलों की भी शुरुआत की है

- **अंतरिक्ष अनुसंधान :** निजी स्टार्टअप्स के लिए अंतरिक्ष अनुसंधान एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें नए प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकसित करने का मौका मिलता है ।
- **उत्पादन :** निजी स्टार्टअप्स के लिए उत्पादन एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें अपने उत्पादों को बाजार में उतारने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने का मौका मिलता है।
- **निर्यात :** निजी स्टार्टअप्स के लिए निर्यात एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें अपने उत्पादों को विदेशी बाजारों में बेचने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने का मौका मिलता है।

निजी स्टार्टअप से देश को लाभ

- **आर्थिक विकास :** निजी स्टार्टअप्स के माध्यम से देश में आर्थिक विकास हो सकता है, क्योंकि वे नए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं।
- **प्रौद्योगिकी में उन्नति :** निजी स्टार्टअप्स प्रौद्योगिकी में उन्नति को बढ़ावा देते हैं, जिससे देश की प्रौद्योगिकी क्षमता में सुधार होता है।
- **अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि :** निजी स्टार्टअप्स अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि को बढ़ावा देते हैं, जिससे देश की अंतरिक्ष क्षमता में सुधार होता है।

सरकार की सहायता

- **आईएन-स्पेस :** सरकार ने आईएन-स्पेस की स्थापना की है, जो निजी स्टार्टअप्स को समर्थन प्रदान करता है।
- **वेंचर कैपिटल फंड :** सरकार ने वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना की है, जो निजी स्टार्टअप्स को वित्तीय समर्थन प्रदान करता है ।
- **उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना :** सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है, जो निजी स्टार्टअप्स को उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रोत्साहित करती है ।

प्रमुख स्टार्टअप

- **कैटालिक्स स्पेस :** इसके स्व-ऑपरेटिंग स्पेस लैब्स आपके विचारों को अंतरिक्ष में ले जाते हैं और उन्हें सुरक्षित वापस लाते हैं।
- **स्काईरूट एयरोस्पेस :** यह स्टार्टअप लॉन्च वाहनों को विकसित कर रहा है जो अंतरिक्ष में सस्ती पहुंच प्रदान करते हैं।
- **पिक्सेल :** यह स्टार्टअप एक उच्च रिज़ॉल्यूशन हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन बना रहा है।
- **न्यू स्पेस :** यह स्टार्टअप अगली पीढ़ी की एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी विकसित कर रहा है ।
- **अग्निकुल :** यह माइक्रो-नैनो सैटेलाइट्स के लिए ऑर्बिटल क्लास रॉकेट बना रहा है।
- **सैटश्योर :** यह सैटेलाइट डेटा से कृषि व जैसे क्षेत्रों में निर्णय लेने की बुद्धिमत्ता देता है।
- **ध्रुव स्पेस :** यह स्पेस आधारित अनुप्रयोगों के लिए एकीकृत समाधान देता है, जिसमें सैटेलाइट, अर्थ स्टेशन, और लॉन्च सेवाएं शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

आईएनएस करमुक ने अभ्यास में लिया भाग

सिंगापुर। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) करमुक सिंगापुर-भारत-थाईलैंड समुद्री अभ्यास में भाग लेकर सप्ताह भर की भागीदारी पूरी करने के करीब है। एसआईटीएमईएक्स का पांचवां संस्करण 23 नवंबर को शुरू हुआ और इस वर्ष सिंगापुर गणराज्य की नौसेना द्वारा आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य समुद्री सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तीनों देशों की नौसेनाओं की सामूहिक क्षमता को मजबूत करना है।

सीरिया में इजराइली हमलों में 10 की मौत

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिण-पश्चिम बॉर्डर पर मौजूद बैत-जिन्न शहर में शुक्रवार तड़के इजराइली हमलों में 10 लोगों की मौत हो गई। सीरिया के टीवी चैनल अल-अखबारिया के अनुसार इन हवाई हमलों के बाद कई लोग मलबे में भी दबे हुए हैं। इलाके में इजराइल के ड्रोन की मौजूदगी के कारण बचाव कार्य प्रभावित हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, इसराइल के कुछ सैनिक गश्त करते हुए बैत जिन्न पहुंच गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें घेर लिया।

रूस-वेनेज़ुएला में 19 समझौतों पर हस्ताक्षर

मॉस्को। रूस और वेनेजुएला के प्रतिनिधिमंडलों ने शिक्षा, अनुसंधान, युवा नीति, तेल उत्पादन, शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों को कवर करने वाले तीन समझौतों सहित कुल 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देशों ने उच्च स्तरीय अंतर-सरकारी रूसी-वेनेजुएला आयोग की बैठक के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही 15 सहयोग समझौतों पर भी दोनों हस्ताक्षर किए गये हैं। हस्ताक्षर समारोह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें रूस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप प्रधानमंत्री दिमित्री चेर्निशेंको ने किया।

तुर्किये में पोप लियो का गर्मजोशी से स्वागत

इस्तांबुल। पोप लियो 14वें ने तुर्किये की अपनी पहली विदेश यात्रा में कैथोलिक समुदाय को देश में अपनी छोटी आबादी को मजबूत बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस यात्रा का उद्देश्य ईसाइयों को प्रोत्साहित करना और एकता कायम करने के सदियों पुराने प्रयासों को आगे बढ़ाना है। तुर्किये की अपनी यात्रा के पहले दिन इस्तांबुल में स्थित कैथेड्रल ऑफ द होली स्पिरिट के अंदर और बाहर पोप के समर्थन में नारे लगाए गए।

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत संतुलन व जिम्मेदारी की आवाज

चाणक्य रक्षा संवाद में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले-हमारा शांति और वार्ता में विश्वास

- **राष्ट्र की संप्रभुता, सुरक्षा से कोई समझौता करने को तैयार नहीं**

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में चाणक्य रक्षा संवाद 2025 का उद्घाटन करते हुए रक्षामंत्र राजनाथ सिंह। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत शांति और वार्ता में विश्वास करता है, लेकिन जब राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा की बात आती है, तो वह कोई समझौता नहीं करता। चाणक्य रक्षा संवाद में उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति, प्रौद्योगिकी क्षमताओं और सिद्धांतों का पालन करने वाली विदेश नीति ने इसे बदलते वैश्विक परिवेश में संतुलन और जिम्मेदारी की आवाज़ बना दिया है, और हिंद-प्रशांत तथा ग्लोबल साउथ के देश हमें एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखते हैं।

ग्लोबल साउथ से तात्पर्य ऐसे देशों से है जिनका आर्थिक और औद्योगिक विकास अपेक्षाकृत कम हुआ है। सिंह ने कहा कि भारत जिम्मेदारी की भावना, रणनीतिक स्वायत्तता और सभ्यतागत मूल्यों में निहित आत्मविश्वास के साथ वैश्विक चर्चाओं को आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत शांति और संवाद में विश्वास करता है, लेकिन जब बात लोगों की संप्रभुता और सुरक्षा की आती है, तो हम कोई समझौता नहीं करते। उन्होंने कहा कि भारत ने अग्रणी सुधारों और राष्ट्रों की संप्रभुता के सम्मान तथा नियम-आधारित व्यवस्था के प्रति अपने निरंतर रुख के कारण वैश्विक विश्वास अर्जित किया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हम सुरक्षा और संपर्क को मजबूत करने के लिए सीमा और समुद्री बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। हम नए प्लेटफ़ॉर्म और प्रौद्योगिकियों और ढांचों के माध्यम से अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम गति, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए खरीद प्रक्रियाओं में सुधार कर रहे हैं।आत्मनिर्भरता के माध्यम से, हम एक रक्षा औद्योगिक परिवेश का निर्माण कर रहे हैं जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, उद्योग का समर्थन करता है और बाहरी निर्भरता को कम करता है। सिंह ने कहा कि भारत स्टार्ट-अप, डीप-टेक क्षमताओं और अनुसंधान एवं विकास में निवेश कर रहा है, जो भविष्य के युद्धक्षेत्रों को आकार देंगे। डीप टेक से तात्पर्य उन कंपनियों और स्टार्टअप से है, जो महत्वपूर्ण वैज्ञानिक या इंजीनियरिंग नवाचार, जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग या जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं। रक्षामंत्री ने भारत को नए दौर के लिए तैयार करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि इन सुधारों की बदौलत ही भारत सशक्त, सुरक्षित और विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि जब हम 'सुधार से बदलाव' की बात करते हैं, तो हम सिर्फ़ प्रक्रिया या नीति की बात नहीं कर रहे होते। हम सिर्फ़ मौजूदा हालात में बदलाव की बात नहीं कर रहे होते। हम भारत को एक नए दौर के लिए तैयार करने की बात कर रहे हैं जो इसे सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत में बदल देगा।

व्यापक सुधार एक रणनीतिक जरूरत

रक्षा मंत्री ने आतंकवाद सहित विभिन्न क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत बनाने के लिए सेनाओं सहित सभी संस्थाओं में व्यापक सुधारों पर जोर देते हुए कहा है कि ये विकल्प नहीं बल्कि रणनीतिक आवश्यकता है। कहा कि जब हम दुनिया के माहौल और अपने पड़ोस की असलियत को देखते हैं, तो एक बात बहुत साफ़ हो जाती है, हम भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पुरानी व्यवस्था पर भरोसा नहीं कर सकते।

कनाडा में आग, भारतीयों सहित 5 की मौत

ओटावा, एजेंसी

कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन में भीषण आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि उसने प्रभावित परिवार से संपर्क किया है तथा उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्रैम्पटन में हुई विनाशकारी आग की घटना में भारतीय नागरिकों की मौत से हम बहुत दुखी हैं।

वाणिज्य दूतावास शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। सीटीवी न्यूज के मुताबिक आग 19-20 नवंबर की देर रात 2.15 बजे मैकलॉघलिन और रिमेंबरेंस रोड के क्षेत्र में 12 बनस वे पर लगी। आग की घटना में तीन महिलाओं और एक छोटे बच्चे की मौत हो गई। पूरे प्रकरण की जांच ओंटारियो के फायर मार्शल कार्यालय द्वारा की जा रही है। कांस्टेबल टायलर बेल ने बताया कि घटनास्थल पर ही तीन महिलाओं और एक बच्चे सहित चार लोगों की मौत हो गई थी।

हांगकांग में आग मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हुई

हांगकांग। हांगकांग में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लगने के बाद दमकलकर्मियों द्वारा अब भी इमारत में लोगों की तलाश की जा रही है। परिसर की आठ में से सात इमारतें पूरी तरह से भीषण आग की चपेट में आ गईं जिसके चलते 128 लोगों की मौत हो गई। अग्निशमन विभाग के उपनिदेशक डेरेक आर्मस्ट्रांग चान ने बताया कि शुक्रवार को इमारतों से और शव बरामद किए गए जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। पीड़ितों की तलाश अब भी जारी है। बुधवार को 'वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स' की आठ इमारतों में से एक में भीषण आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैलीं और सात इमारतें इसकी चपेट में आ गईं। अधिकारियों ने कहा कि पीड़ितों की तलाश शुक्रवार तक पूरी हो सकती है।

श्रीलंका में तूफान दितवा का कहर, 56 लोगों की गई जान

कोलंबो, एजेंसी

- **मदद के लिए आगे आया भारत राहत सामग्री, दवाएं भेजी**

चक्रवाती तूफान 'दितवा' ने श्रीलंका में भीषण तबाही मचाई है तथा अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 21 लोग लापता और 14 घायल हुए हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार चक्रवाती तूफान से करीब 50 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक लगातार भारी बारिश और तेज हवाओं से कई जिलों में नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

भारत ने निकटतम समुद्री पड़ोसी के प्रति एकजुटता जताते हुए ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तुरंत राहत सामग्री और महत्वपूर्ण मानवीय सहायता भेजी है। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए भी तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में चक्रवाती दितवा के कारण हुई तबाही में अपने परिजनों को खोने वाले श्रीलंका के लोगों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं हैं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। बचाव और राहत अभियानों में भारत अपना विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को भी तैनात करेगा।

श्रीलंका की सरकार ने केलानी नदी घाटी के कई निचले इलाकों में अगले 48 घंटे के भीतर बाढ़ की आशंका जताते हुए कोलंबो सहित कई क्षेत्रों को अलर्ट पर रखा है। देश के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों में अत्यधिक बारिश हुई है। खराब मौसम के कारण भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बीती रात से 15 उड़ानों को तिरुवनंतपुरम और कोचिन की ओर मोड़ा गया।

अमेरिका करेगा नौसेना के हेलीकॉप्टरों का रखरखाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- **60 रोमियो हेलीकॉप्टरों के लिए 7,995 करोड़ का समझौता**

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक प्रगाढ बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के एमएच 60 रोमियो बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए 7995 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता पत्र पर अमेरिका के सैन्य बिक्री कार्यक्रम के तहत रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में शुक्रवार को हस्ताक्षर किए गए।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पांच वर्ष के लिए हुए इस समझौते में कलपुर्जे, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और आवश्यक घटकों की मरम्मत एवं आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा भारत में 'इंटरमीडिएट' स्तर की मरम्मत और आवधिक रखरखाव निरीक्षण सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इन घरेलू सुविधाओं से न केवल भारत की क्षमता-वृद्धि होगी, बल्कि अमेरिका से आपूर्ति पर निर्भरता में कमी आएगी। यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप मानी जा रही है।

कपिल शर्मा के रेस्तरां में गोलीबारी में गैंगस्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हास्य कलाकार कपिल शर्मा के कनाडा स्थित रेस्तरां पर सात अगस्त को हुई गोलीबारी में शामिल एक संदिग्ध गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी बंधु मान सिंह ने घटना में शामिल शूटरों को गोलीबारी के लिए साजो-सामान मुहैया कराया था। उसे पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला कि सिंह ने गोलीबारी के बाद एक कार उपलब्ध कराकर तथा उसके लिए सुरक्षित पार्किंग स्थल की व्यवस्था करके हमलावरों की मदद की थी।

थर्ड वर्ल्ड देशों के प्रवासियों पर लगाएंगे रोक : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- **अमेरिका में प्रवेश को लेकर राष्ट्रपति ने की घोषणा**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह सभी थर्ड वर्ल्ड देशों से आने वाले प्रवासियों को स्थायी रूप से रोक देंगे और उन विदेशी नागरिकों को देश से बाहर निकाल देंगे जो सुरक्षा के लिए खतरा साबित होते हैं। थर्ड वर्ल्ड शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर गरीब या पिछड़े देशों के लिए किया जाता है।

ट्रंप प्रशासन ने एक अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल द्वारा नेशनल गार्ड के दो सदस्यों पर गोलीबारी की घटना के बाद आव्रजन पर की जा रही कार्रवाई को और तेज कर दिया है। इस

गोलीबारी में घायल हुई अमेरिकी सेना की विशेषज्ञ सारा बेकस्ट्रॉम (20) की मौत हो गयी है जबकि अमेरिका वायु सेना के स्टाफ सॉर्जेंट एंड्रयू वोल्फ (24) की हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा कि वह हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आए प्रवासियों को जारी सभी ग्रीन कार्ड की कड़े तरीके से पुनः समीक्षा करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि हालांकि हम तकनीकी रूप से आगे बढ़े हैं लेकिन आव्रजन नीति ने उन उपलब्धियों और बहुत से लोगों की जीवन स्थितियों को कमजोर कर दिया है। मैं सभी 'थर्ड वर्ल्ड' देशों से आने वाले प्रवास को स्थायी रूप से रोक दूंगा ताकि अमेरिकी व्यवस्था पूरी तरह से पुनःसंगठित हो सके। मैं बाइडन (पूर्व राष्ट्रपति) द्वारा लोगों को अवैध रूप से दिए गए प्रवेश को समाप्त कर दूंगा और उन सभी लोगों को देश से बाहर कर दूंगा जो अमेरिका के लिए उपयोगी नहीं हैं।

ग्रीन कार्ड की कठोर समीक्षा का निर्देश

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के निदेशक जोसेफ एडलो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आने वाले प्रत्येक विदेशी नागरिक के ग्रीन कार्ड की पूर्ण और कठोर पुनः समीक्षा का निर्देश दिया है। एडलो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस देश और अमेरिकी जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और अमेरिकी लोग पिछली सरकार की लापरवाही वाली पुनर्वास नीतियों की कीमत नहीं चुकाएंगे। नई नीति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है और यह 27 नवंबर 2025 या उसके बाद दायर किए गए अथवा लंबित सभी अनुरोधों पर लागू होगी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 23.15 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

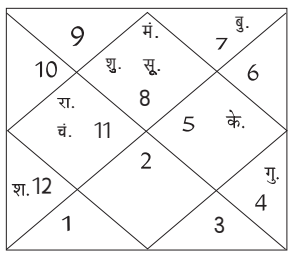

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 30 नवंबर 02.22 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज व्यवसाय में कुछ धीमापन रहेगा, लेकिन काम में अच्छी गति रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। आप परोपकार के कार्यों में लगे रहेंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

वृष — आज पैतृक व्यवसाय में तेजी आएगी। पुरानी यादें दोबारा ताजा हो सकती हैं। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोग अपनी कूटनीतिक क्षमता का परिचय देंगे। अवसरों का लाभ उठाने में चूक न करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मिथुन — आज बनते कार्यों में रुकावटे आने की आशंका है। मन में नकारात्मक विचार जन्म ले सकते हैं। छोटी बातों को लेकर झगड़ा करने से बचें। अनावश्यक बातों पर विचलित होने से बचें। युवा प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें।

कर्क — आज अपनी दिनचर्या को संतुलित रखें। अवैधानिक कार्यों की ओर आकर्षित होने एवं उनमें रुचि लेने से बचें। आपका मन कुछ अप्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर भी परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक प्रशंसा करेंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। घर के सभी सदस्य आपके ऊपर अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने से आप प्रसन्न होंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज कुछ महत्वपूर्ण अनुबंध होने के योग बन रहे हैं। दिल की बजाय दिमाग से काम लें। परिवार में आपसी प्रेम और स्नेह बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में उच्च पद प्राप्त होगा। रियल एस्टेट से बड़ा धन लाभ होगा। घर में निकट संबंधी और रिश्तेदार आ सकते हैं।

तुला — आज नए व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों के कारण परेशानी होगी। व्यर्थ की गतिविधियों में धन खर्च न करें। खानपान में संयम रखें। नसों में खिंचाव और दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक — आज व्यवसाय में बड़ी डील को लेकर परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। निजी मामलों को लेकर बाहरी लोगों से सलाह न लें। परिवार में कुछ समस्या हो सकती है। शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय रहेंगे।

धनु — आज मांगलिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो सकते हैं। अविवाहित लड़कियों का विवाह तय हो सकता है। व्यवसाय को लेकर बड़ा निर्णय ले सकते हैं। परिजनों के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है।

मकर — आज आवश्यक कार्य लंबित हो सकते हैं। दूसरों के काम में कमियां न निकालें। आप निर्णय लेने में थोड़ी बहुत चूक कर सकते हैं। पति-पत्नी के बीच संबंधों में दबाव महसूस होगा। समय रहते हुए मामलों को सुलझा लें।

कुंभ — आज कारोबारियों के लिए दिन बहुत शुभ है। नौकरीपेशा लोगों को आधिकारिक यात्रा करनी पड़ सकती है। समाज में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन में सुधार होगा। कम समय में उच्चतम गुणवत्ता का कार्य करेंगे।

मीन — आज आपको आराम अवश्य करना चाहिए। नए कार्यों में रूचि लेंगे। पैरों में दर्द की शिकायत हो सकती है। वैवाहिक जीवन में असंतोष का भाव रहेगा। दिनचर्या कुछ अव्यवस्थित हो सकती है। माता-पिता की सेहत का ध्यान रखें।

सुडोकू-175

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
		7			8			
3				1				
						7		
				5				
						3		
			2					
								5

सुडोकू - 174 का हल

1	5	8	2	7	3	9	4	6
4	7	6	9	8	1	2	5	3
3	9	2	6	5	4	1	7	8
8	1	7	4	3	2	6	9	5
9	4	3	5	6	7	8	1	2
2	6	5	8	1	9	4	3	7
6	3	4	1	2	5	7	8	9
7	8	1	3	9	6	5	2	4
5	2	9	7	4	8	3	6	1

भारत को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का सम्मान मिला है, जो एक सच्चे खेल राष्ट्र बनने की हमारी यात्रा में एक सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रत्येक भारतीय खिलाड़ी, खेल प्रशंसक और नागरिक को गर्व से भर देता है।

- नीरज चोपड़ा

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार ,29 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अंडर-19 एशिया कप में कप्तानी करेंगे आयुष

नई दिल्ली। उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शुक्रवार को आगामी अंडर-19 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान बरकरार रखा गया। टीम में आक्रामक किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है जबकि 12 से 21 दिसंबर तक दुबई में 50 ओवरों के प्रारूप में खेले जाने वाले इस आयु वर्ग के महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए विहान मल्होत्रा को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है।

पुर्तगाल बना फीफा अंडर-17 विश्व चैंपियन

दोहा। पुर्तगाल ने फीफा अंडर-17 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराकर इस आयु वर्ग में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता। बेनफिका के फॉरवर्ड अनीसियो कैब्राल ने 48 देशों के टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को खेले गये खिताबी मुकाबले के 32वें मिनट में मैच का इकलौता गोल किया। इससे पहले इटली ने तीसरे स्थान के मैच में ब्राजील को शूटआउट में 4-2 से हराया जिससे यूरोप की टीमों ने शीर्ष तीन स्थानों पर अपना दबदबा बनाया। मुकाबला बराबरी पर छूटने के बाद गोलकीपर एलेसेंड्रो लोंगोनी ने दो पेनल्टी बचा कर इटली की जीत पक्की की। फीफा अंडर-17 विश्व कप का यह 20वां सत्र है।

कमिंस की वापसी का इंतजार बढ़ा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन में होने वाले दिन-रात्रि एशेज टेस्ट के लिए शुक्रवार को घोषित 14 सदस्यीय टीम में कोई बदलाव नहीं किया जिससे चोटिल कप्तान पैट कमिंस के वापसी का इंतजार और बढ़ गया। कमिंस की गैरमौजूदगी में कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट में आठ विकेट से जीत दिलाई और मेजबान टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से शुरू होगा। कमिंस हालांकि अभ्यास के लिए ब्रिसबेन जाएंगे।

भारतीय टीम को अब सफेद गेंद की क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा

गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा-ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाने पर जोर

रांची, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार से उबरने की कोशिश कर रही भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा कि टीम को अब तुरंत तैयार होकर सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा क्योंकि आत्मविश्वास से भरी मेहमान टीम से मुकाबला करने के लिए लय हासिल करना बेहद जरूरी है। भारत को कोलकाता और गुवाहाटी में दो टेस्ट हारकर 0-2 से शर्मनाक हार मिली है और अब टीम इसी प्रतिद्वंद्वी से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी।

रविवार को होने वाली सीरीज के पहले मैच से पहले मोर्कल ने स्वीकार किया कि टेस्ट से सफेद गेंद के क्रिकेट में तेजी से बदलाव मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन टीम इसके लिए तैयार है। मोर्कल ने जेएससीए स्टेडियम में टीम के पहले अभ्यास सत्र से पहले कहा पिछले दो हफ्ते हमारे लिए निराशाजनक थे लेकिन अब हमें चीजों पर विचार करने के लिए कुछ दिन मिले हैं। उन्होंने कहा अब सबसे जरूरी है कि हम अपनी पूरी ऊर्जा सफेद गेंद की टीम पर लगाएं। पिछले कुछ वर्षों में हम सफेद गेंद के क्रिकेट में अच्छा खेल रहे हैं। मैं आने वाले हफ्तों के लिए उत्साहित हूं। प्रारूप कुछ भी हो, भारत का प्रतिनिधित्व करना अहम है।

मोर्कल ने चेताया कि टेस्ट सीरीज जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी होगी। उन्होंने कहा रंगीन जर्सी और गेंद का रंग बदलना अलग ऊर्जा लाते हैं। लेकिन दक्षिण अफ्रीका लय में है और आत्मविश्वासी टीम हमेशा खतरनाक होती है। हमें अगले एक-दो हफ्तों में मजबूत शुरुआत करनी होगी और पिछले दो हफ्तों को पीछे छोड़ना होगा।

2026 टी20 विश्व कप की तैयारियों की बात पर उन्होंने साफ किया कि यह वनडे सीरीज केवल विश्व कप अभ्यास नहीं है। टी20 विश्व कप की तैयारी अपनी जगह है, लेकिन जब भी आप भारत की जर्सी पहनते हैं तो आप करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मोर्कल ने कहा मेरे लिए फोकस है कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाई जाए। यह तभी होगा जब हम सफेद गेंद से अच्छा और मजबूत क्रिकेट खेलें। उन्होंने यह भी कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का टीम में लौटना उत्साहजनक है। के एल राहुल और ऋषभ पंत को एक साथ खिलाने पर उन्होंने कहा मेरा विभाग सिर्फ गेंदबाजी है। चयन की जिम्मेदारी कप्तान और चयनकर्ताओं की है। मोर्कल ने कहा कि रात में खेले जाने वाले मैचों को देखते हुए रांची की परिस्थितियों का ध्यानपूर्वक आकलन करना होगा।

अभ्यास सत्र के दौरान ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, ऋषभ पंत और नीतीश कुमार रेड्डी। एजेंसी

पंत-राहुल और ऑलराउंडर के चयन पर होंगी नजरें

रांची : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच से पूर्व भारत को चयन से जुड़ी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि एकादश में ऋषभ पंत की जगह पक्की नहीं है जबकि वाशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच अतिरिक्त ऑलराउंडर की जगह के लिए कड़ा मुकाबला है। टीम प्रबंधन जब चयन से जुड़े सवालों का जवाब ढूंढेगा तो सफेद गेंद के सत्र की जरूरतें भी उनके दिमाग में होंगी। संतुलन और यहां की परिस्थितियां काफी हद तक चयन तय करेंगी लेकिन कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिए जाने के साथ सीरीज का पहला मैच चयनकर्ताओं की मध्यावधि योजना की एक झलक दे सकता है। चर्चा का केंद्र यह है कि अगर पंत को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं दी जाती है तो भी क्या वह कप्तान लोकेश राहुल के साथ एकादश में फिट हो सकते हैं। गुवाहाटी टेस्ट में जिस तरह से पंत आउट हुए उसके लिए उनकी काफी आलोचना हुई है लेकिन वह हमेशा से इसी तरह का क्रिकेट खेलते रहे हैं। कप्तान राहुल अगर विकेटकीपिंग करते हैं तो थिंक-टैंक के सामने एक रणनीतिक दुविधा होगी कि क्या वे पंत को मध्य क्रम में सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर खिला सकते हैं? पंत का खेलना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जबकि भारतीय बल्लेबाजी क्रम में अधिकतर बल्लेबाज दाएं हाथ के हैं। दोनों को एक साथ खिलाना नामुमकिन नहीं है लेकिन यह इस पर निर्भर करेगा कि रांची में शाम को ठंडे मौसम में भारत को बल्लेबाजी में कितनी गहराई चाहिए जहां लक्ष्य का पीछा करने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत पड़ सकती है।

श्रीलंका के खिलाफ महिला टी-20 श्रृंखला दिसंबर में

नई दिल्ली, एजेंसी

- विशाखापत्तनम व तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे पांच मुकाबले

भारतीय महिला टीम 21 से 30 दिसंबर तक विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी।

बीसीसीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ निर्धारित मैच दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था। हाल ही में वनडे विश्व कप जीतने के बाद यह भारतीय महिला टीम का पहला मैच होगा।

बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक बोर्ड ने आगामी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। भारत अगले महीने पांच मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा। यह श्रृंखला विशाखापत्तनम में शुरू होगी और शेष मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक भारतीय महिला टीम को इसी दौरान बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भाग लेना था। श्रीलंका की टीम 2016 के बाद पहली बार भारत में कोई द्विपक्षीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज खेलेगी, जिसे मेजबान टीम ने 3-0 से जीता था। भारतीय महिला टीम ने इस साल जुलाई में इंग्लैंड में अपनी पिछली टी20 सीरीज खेली थी। टीम ने श्रृंखला को 3-2 से जीत कर इतिहास रचा था। यह इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टीम की पहली टी20 श्रृंखला जीत थी।

कार्यक्रम

1- 21 दिसंबर, विशाखापत्तनम
2- 23 दिसंबर, विशाखापत्तनम
3- 26 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम
4- 28 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम
5- 30 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम

सम्मान

पहले दृष्टिबाधित टी-20 विश्व कप में ऐतिहासिक खिताबी जीत दर्ज करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित नोरा सोलोमन फाउंडेशन ने सम्मानित किया। ● एजेंसी

उन्नति-तन्वी चमकीं, श्रीकांत पहुंचे सेमीफाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- महिला युगल में त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद एवं मिश्रित युगल में हरिहरन - त्रिशा भी अंतिम चार में

अमृत विचार: शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा और देश की राइजिंग बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में स्थान सुरक्षित किया। इसी के साथ महिला युगल में पिछली विजेता त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद के साथ मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन और त्रिशा जॉली भी अंतिम चार में पहुंच गई।

वहीं पुरुष एकल में विश्व के पूर्व नंबर वन के.श्रीकांत ने प्रतिद्वंद्वी प्रियांशु राजावत के मैच छोड़ने के चलते सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनकी अब हमवतन मिथुन मंजूनाथ से टक्कर होगी जिन्होंने एक अन्य मैच में शानदार जीत दर्ज की। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल खेले गए। महिला एकल में शीर्ष वरीय भारत की उन्नति हुड्डा व सातवीं वरीय भारत की रक्षिता श्री संतोष रामराज के बीच कड़ी टक्कर हुई। एक घंटा 16 मिनट तक चले इस मैच में उन्नति ने 21-15, 13-21, 21-16 से जीत दर्ज की। वर्ल्ड नंबर 28 उन्नति का पिछले साल सेमीफाइनल में सफर ओलंपिक में दोहरे पदक विजेता पीवी सिंधु के हाथों हार से समाप्त हो गया था। अब वह सेमीफाइनल में चौथी वरीय तुर्किये की नेस्लिहान अरीन से भिड़ेंगी जिन्होंने एक अन्य रोमांचक मैच में भारत की इशारानी बरुआ को 21-19, 13-21, 21-15 से हराया। ओलंपिक पदक विजेता को हराने वाली भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने हांगकांग चीन की लो सिन यान हैप्पी के खिलाफ 21-13, 21-19 से जीत दर्ज की। तन्वी अब पांचवीं वरीय जापान की हीना अकेची से भिड़ेंगी, जिन्होंने तीसरी वरीय चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-8, 21-15 से हराया।

अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के परिणाम

मिश्रित युगल : सातवीं वरीय थाईलैंड की पक्कापोन तीरारतसाकुल व सप्सिरी तेरत्तनाचाईन ने मलेशिया की वी यी हर्न व वानी गोबी को 21-14, 21-11 से हराया।

चौथी वरीय इंडोनेशिया के मरवान फाज़ा व ऐस्युह सलसबीला पुत्रि प्रनाता ने भारत के निथिन एचवी व श्रीनिधि नारायणन को 21-11, 21-12 से हराया।

आठवीं वरीय इंडोनेशिया के देजान फर्डिनानस्याह और बर्नाडिन अनिंदिया वारदाना ने तीसरी वरीय मलेशिया के तियेन सी व लिम चिउ सिएन – मलेशिया को 21-15, 12-21, 21-10 से हराया।

महिला युगल : सातवीं वरीय मलेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन तिंग ने भारत की श्रुति मिश्रा व प्रिया कोंजेंगबम को 21-13, 22-20 से हराया।

दूसरी वरीय चीनी ताइपे की सुंग शुओ-युन और यू चिएन हुई ने चीनी ताइपे की ही लिन जिआओ मिन और वांग यू किआओ को 21-9, 21-10 से हराया।

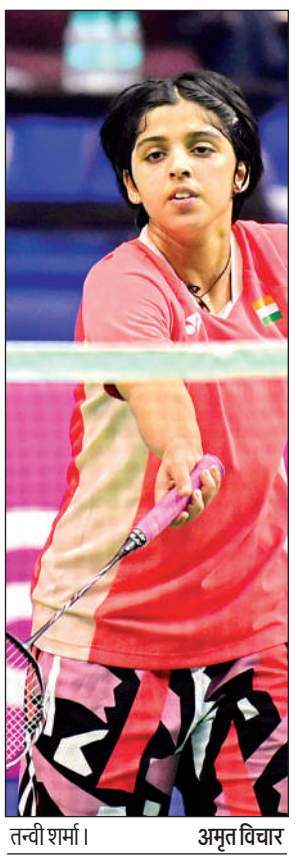

तन्वी शर्मा। अमृत विचार

जुयाल और वीर चमके, उत्तर प्रदेश ने जम्मू-कश्मीर को 109 रनों से हराया

कोलकाता,एजेंसी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

आर्यन जुयाल के लगातार दूसरे अर्धशतक और प्रशांत वीर के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से उत्तर प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में जम्मू-कश्मीर को 109 रन से मात दी।

यह उत्तर प्रदेश की लगातार दूसरी जीत है जिससे टीम आठ अंक के साथ ग्रुप बी तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। गोवा के खिलाफ मैच विजयी 93 रन की नाबाद पारी खेलने के बाद आत्मविश्वास से भरे विकेटकीपर-बल्लेबाज जुयाल ने एक बार फिर आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 40 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 51 रन बनाकर उप्र को छह विकेट पर 193 रन तक पहुंचाया। बाएं हाथ के स्पिन-ऑलराउंडर वीर ने बाद में 20 रन देकर तीन विकेट झटके और महज 10 गेंद में नाबाद 37 रन बनाए जिसमें अंतिम ओवर में तेज गेंदबाज औकिब नबी के खिलाफ 24 रन बनाना शामिल रहा।

इससे पहले कप्तान करण शर्मा (24 रन) और जुयाल ने 73 रन की भागीदारी कर टीम को तेज शुरुआत कराई। उमरान मलिक ने जुयाल को उनके अर्धशतक के तुरंत बाद आउट कर दिया। उत्तर प्रदेश ने 24 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए। लेकिन वीर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने सिद्धार्थ यादव के साथ मिलकर पारी को संभाला और फिर अंतिम ओवर में तूफानी बल्लेबाजी कर मैच की दिशा बदल दी। जम्मू-कश्मीर की शुरुआत बेहद खराब रही और पूरी टीम सिर्फ महज 84 रन पर सिमट गई। कप्तान शुभम खजूरिया चोट के कारण बल्लेबाज़ी करने नहीं आए। सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल 20 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। लेग स्पिनर विप्रज निगम और वीर ने मिलकर बल्लेबाजों पर शिकंजा कस दिया।

धीमी गेंदों पर भी कर रहा हूं काम : उमरान

तेज गेंदबाज उमरान मलिक चोट से वापसी करने के बाद फिर से भारतीय टीम में जगह बनाने का सपना देख रहे हैं और इसके लिए वह 150 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकने की अपनी काबिलियत और धीमी गेंद तथा तेज यॉर्कर जैसी नई खूबियों पर भरोसा कर रहे हैं। भारत के लिए 10 एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय और आठ टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 24 विकेट लेने वाले उमरान कई वजहों से जुलाई 2023 से भारतीय टीम से दूर हैं लेकिन इन झटकों का उनके जोश पर कोई असर नहीं पड़ा है। उमरान ने शुक्रवार को यहां उत्तर प्रदेश के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की।

नीवा सैंटियागो भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के कोच नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय मुक्केबाजी के पूर्व हाई परफार्मेंस निदेशक (एचपीडी) सैंटियागो नीवा महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में राष्ट्रीय टीम से फिर से जुड़ गए हैं। अर्जेंटीना में जन्मे स्वीडन के इस पूर्व मुक्केबाज ने 2017 से 2022 तक भारत की पुरुष टीम के साथ बड़े स्तर पर काम किया था। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की, जिनमें तोक्यो ओलंपिक में भारत की अब तक की सर्वोच्च भागीदारी और 2019 पुरुष विश्व चैंपियनशिप में दो ऐतिहासिक पदक शामिल हैं।

नीवा ने कहा भारत वापस आकर बेहद उत्साहित हूं। मेरे पिछले कार्यकाल में यहां पांच साल शानदार रहे। मैं इस अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर कुछ बड़ा कर पाएंगे। नीवा के पास दो दशकों से अधिक का उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय कोचिंग अनुभव है।

उन्होंने इस भूमिका में मुक्केबाजी जगत में कुछ शानदार परिणाम हासिल किये हैं। भारत के साथ अपने पहले कार्यकाल के बाद उन्होंने हाल ही में बॉक्सिंग ऑस्ट्रेलिया की हाई परफॉर्मेंस इकाई के मुख्य राष्ट्रीय कोच और तकनीकी प्रमुख के रूप में कार्य किया था। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि सैंटियागो की नियुक्ति भारत में महिला मुक्केबाजी लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। उन्होंने कहा सैंटियागो की नियुक्ति महिला मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

वह तकनीकी उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय समझ के साथ हमारी प्रणाली को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा हमारे खिलाड़ियों ने दिखा दिया है कि वे दुनिया के सबसे कठिन मंचों पर भी आगे बढ़ सकते हैं और सैंटियागो के मार्गदर्शन में उनकी प्रगति को देखते हुए हमें विश्वास है कि हम दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर भारत की उपस्थिति और महत्वाकांक्षा को मजबूत करेंगे। नीवा, डी. चंद्रलाल की जगह लेंगे जो कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बने रहेंगे। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक सहित चार पदक जीते हैं।

शुभारंभ एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में भारत ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की

दिलराज और रोशन ने चिली पर जबरदस्त जीत दिलाई

चेन्नई, एजेंसी

रोशन खुजुर और दिलराज सिंह के दो-दो गोल की मदद से भारत ने शुक्रवार को यहां चिली को 7-0 से हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं होने के बाद रोशन (16वें और 21वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई। दिलराज (25वें और 34वें मिनट) ने भी इसके बाद दो गोल करके भारत को 4-0 से आगे कर दिया। भारत के लिए अजीत यादव (35वें मिनट), अनमोल एक्का (48वें मिनट) और कप्तान रोहित (60वें मिनट) ने भी गोल किए। अंडर-21 वर्ग में दूसरे नंबर पर काबिज भारतीय टीम शनिवार को यहां अपने दूसरे पूल बी मैच में ओमान से भिड़ेगी। यहां दिन के पहले मैच में न्यूजीलैंड ने पूल सी में चीन को 5-3 से हराया। न्यूजीलैंड के लिए जोंटी एल्म्स ने हैट्रिक बनाते हुए तीन गोल दागे जबकि ओवेन ब्राउन (18वें मिनट) और सैम लिंट्स (23वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। चीन के लिए यूबो वांग (35वें और 55वें मिनट) ने दो जबकि जियालियांग झांग (51वें) ने एक गोल किया। पूल सी के एक अन्य मैच में दो बार के चैंपियन अर्जेंटीना ने जापान को 4-1 से हराया। निकोलस रोड्रिगेज (दूसरे और 56वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए जबकि अर्जेंटीना के लिए माटेओ टोरिगियानी (24वें मिनट) और ब्रूनो कोरिया (51वें मिनट) ने भी एक-एक गोल किया। जापान की ओर से एकमात्र गोल नारू किमुरा ने 53वें मिनट में किया। स्विट्जरलैंड ने पूल बी में ओमान को 4-0 से हराया। स्विट्जरलैंड के लिए जोनाथन बॉमबैक (15वें मिनट), मटिया रिबाउडो (23वें मिनट), लियोनार्ड क्रैक्सनर (33वें मिनट) और एलेसियो ब्रूनोल्ड (58वें मिनट) ने गोल किए।

चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में पुरुष हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप के शुभारंभ के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार व गोल करने के बाद जश्न मनाते भारत के दिलराज सिंह (बाएं)।